दैनिक

लखनऊ से प्रकाशित एवं उ.प्र., बिहार ,झारखण्ड, मध्यप्रदेश, राजस्थान, दिल्ली में प्रसारित

RNI-UPHIN/2014/58471

अमन लेखनी

वालंटियर बनकर दुनिया बनाओ खूबसूरत.....

बंटी बेवकूफ है.....

वर्ष : 11 | अंक : 346 | लखनऊ, 06 दिसम्बर ,शनिवार 2025 | पृष्ठ : 08 | मूल्य : 2.00 रुपए

मौसम

अधिकतम तापमान 42.c

न्यूनतम तापमान 29.c

बाजार

सोना 7,177/ g

चांदी 96/ g

सेंसेक्स 82,530.74

निफ्टी 25,062.10

खबर संक्षेप

कार ने दूल्हे के ताऊ चाचा, मौसा को कुचला

कासगंज। यहां के गंजडुंडवारा में खुशियों से सजे मंडप में चीख-पुकार गूंज उठी। यहां के जेडएस पैलेस गेस्ट हाउस में विकास पुत्र रामसनेही यादव की शादी के चलते सुबह से ही चहल-पहल थी। डीजे की धुनों के बीच दूल्हे के तहेरे भाई धर्मेंद्र के साले कौशल यादव के दूल्हे के ताऊ गिरीश, सुरेश चंद्र, मौसा बृजेश को कार से रौंदने की खबर से अफरा-तफरी मच गई।

विजयवाड़ा में कृष्णवेणी संगीता नीरजनम आज से

नई दिल्ली। भारत सरकार का पर्यटन मंत्रालय, संस्कृति मंत्रालय, संगीत नाटक अकादमी के सहयोग से तथा आंध्र प्रदेश पर्यटन और संस्कृति विभाग की सहायता से 6 और 7 दिसंबर को विजयवाड़ा में कृष्णवेणी संगीता नीरजनम के तीसरे संस्करण का आयोजन कर रहा है। थीम 'तेलुगू संगीत परंपराओं की समृद्धि का उत्सव'है, जो आंध्र की पहचान को बल देगी।

शाह 3 दिवसीय दौरे पर गुजरात पहुंचे

अहमदाबाद। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह का 3 दिनी गुजरात दौरा शुक्रवार से शुरू हो रहा है। वे अहमदाबाद, गांधीनगर, सनादर , वाव-थराद और आसपास के क्षेत्रों में 25 से अधिक सार्वजनिक कार्यक्रमों में शिरकत करेंगे। इसका उद्देश्य राज्य में सहकारी क्षेत्र में सुधार, शहरी विकास, लोक कल्याण आदि है।

अमेरिका ने ड्रग तस्करी नौका को बनाया निशाना

वॉशिंगटन। अमेरिकी सेना की दक्षिणी कमांड ने बताया है कि उन्होंने पूर्वी प्रशांत महासागर में एक और नौका को निशाना बनाया है। नौका के जरिए ड्रग तस्करी की जा रही थी। यह हमला अमेरिकी सेना का कैरेबियाई सागर और पूर्वी प्रशांत महासागर में किया गया 22वां हमला है, जिसमें चार लोगों की मौत का दावा किया जा रहा है। हमले के बाद अमेरिका के ड्रग तस्करी की संदिग्ध नौकाओं को निशाना बनाने में अब तक करीब 87 लोगों की मौत हो चुकी है। इन नौकाओं के जरिए यूएस में ड्रग तस्करी की जा रही है।

टीएमसी के निलंबित विधायक कबीर को मिली बड़ी राहत, किया बड़ा ऐलान

हाईकोर्ट ने बाबरी मस्जिद बनाने पर दखल देने से किया इनकार, हुमायूं आज रखेंगे 'आधार'

निलंबित विधायक हुमायूं कबीर

राज कुमार सिंह चौहान ब्यूरो प्रमुख / नई दिल्ली,

तृणमूल कांग्रेस से निलंबित विधायक हुमायूं कबीर उच्च न्यायालय से बड़ी राहत मिली है। शुक्रवार को हाईकोर्ट ने मुर्शिदाबाद में बाबरी मस्जिद निर्माण केस में हस्तक्षेप करने से इनकार कर दिया है। अदालत ने शांति की जिम्मेदारी राज्य सरकार पर छोड़ दी है। कबीर ने 6 दिसंबर को बाबरी जैसी मस्जिद की नींव रखने का ऐलान किया है। विधायक ने अदालत के फैसले पर खुशी जाहिर की है।फैसले पर कबीर ने कहा कि मैंने पहले ही कह दिया था कि मैं नींव रखूंगा। हाईकोर्ट के जज ने जो निर्णय लिया, उससे मैं बहुत खुश हूं। मैं हाईकोर्ट के जज को बधाई देता हूं। यह मेरा संवैधानिक अधिकार है। जो लोग हाईकोर्ट गए थे, उन्हें मुंहतोड़ जवाब मिला है। इसके साथ ही कबीर ने मस्जित निर्माण की तारीख भी मुकर्रर कर दी है। बताया जा रहा है कि इस मामले में उन्होंने पश्चिम बंगाल की ममता सरकार से भी अपने रिस्ते तोड़ लिए हैं।

मुर्शिदाबाद में आज नींव रखेंगे टीएमसी से रिश्ता तोड़ चुके कबीर

मस्जिद बनाने से नहीं रोकेगा हाई कोर्ट

अदालत के फैसले पर कबीर ने जताई खुशी, जज को भी दी बधाई

बाबरी मस्जिद निर्माण मामले की जिम्मेदारी राज्य सरकार पर

कलकत्ता हाईकोर्ट

टीएमसी को सुनाया, इसी माह इस्तीफा देकर नई पार्टी बनाएंगे

टीएमसी ने विधायक कबीर को गुरुवार को पार्टी से निलंबित कर दिया था। निलंबन के कुछ ही देर बाद कबीर ने घोषणा की कि वे विधायक पद से इस्तीफा दे देंगे। इस महीने के अंत में अपनी पार्टी बनाएंगे और प्रस्तावित कार्यक्रम को बढ़ाएंगे, भले ही इसके लिए उन्हें 'गिरफ्तार' किया जाए या मार ही क्यों न दिया जाए?

आज 12 बजे से 2 बजे के बीच करेंगे शुरुआत

मुर्शिदाबाद के बेलडांगा में प्रस्तावित 'बाबरी मस्जिद' के निर्माण में दखल देने से कलकत्ता हाई कोर्ट के इनकार करने के बाद सत्ताधारी तृणमूल कांग्रेस से निलंबित विधायक हुमायूं कबीर ने अब और आगे बढ़कर फ्रंट पिच पर खेलना शुरू कर दिया है। उन्होंने बाबरी मस्जिद की आधारशिला रखने के समय का ऐलान किया है। शुक्रवार को कबीर ने कहा कि बाबरी मस्जिद मॉडल की आधारशिला शनिवार को दोपहर 12 बजे से 2 बजे के बीच रखी जाएगी।

मैं अपने कार्यक्रम से पीछे नहीं हटूंगा

जब कबीर बहरामपुर में मुख्यमंत्री की एसआईआर विरोधी रैली के आयोजन स्थल पर बैठे थे, जहां तृणमूल ने उन्हें पहले आमंत्रित किया था। कबीर ने इसे 'जानबूझकर किया गया अपमान' बताया और कहा कि उनके खिलाफ 'साजिश' रची गई है। मुझे कोई पत्र नहीं मिला है। लेकिन मैं शुक्रवार या सोमवार को विधानसभा से इस्तीफा दे दूंगा। कबीर ने कहा कि उनका नया संगठन अगले साल होने वाले विधानसभा चुनाव में कुल 294 में से 135 सीट पर उम्मीदवार उतारेगा।

कबीर को शंकराचार्य का जवाब

बाबर जैसा ही ट्रीटमेंट करना चाहिए

शंकराचार्य अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती ने पश्चिम बंगाल के विधायक हुमायूं कबीर के द्वारा बाबरी मस्जिद की नींव रखे जाने को लेकर बेहद कड़ी प्रतिक्रिया दी है। शुक्रवार को पत्रकारों से बातचीत में उन्होंने कहा कि बाबर ने भारत में आकर आक्रमण किया और यह हमें पीड़ा पहुंचाने वाला काम है। आज की तारीख में अगर कोई व्यक्ति उसी के साथ अपने आप को खड़ा रखता है कि हम बाबर के लोग हैं तो बाबर जैसा ही ट्रीटमेंट उनके साथ करना चाहिए।

हाईकोर्ट बेंच पहुंचा मामला

मस्जिद ने मांगी थी लाउडस्पीकर की इजाजत कोर्ट ने किया खारिज

नागपुर। मुंबई हाई कोर्ट की नागपुर बेंच ने लाउडस्पीकर के इस्तेमाल की अनुमति देने के अनुरोध से संबंधित एक मस्जिद की याचिका खारिज कर दी। बेंच ने कहा कि मस्जिद को धार्मिक कार्यों को अधिकार का मामला बताकर लाउडस्पीकर इस्तेमाल करने का हक नहीं है। सुप्रीम कोर्ट के फैसलों का हवाला देते हुए कहा कि किसी भी धर्म में ध्वनि उपकरणों का इस्तेमाल करके या ढोल बजाकर प्रार्थना करने का आदेश नहीं है।न्यायमूर्ति अनिल पंसारे और न्यायमूर्ति राज वाकोड़े की बेंच ने कहा कि ध्वनि प्रदूषण का मुद्दा बार-बार सामने आ रहा है। अदालत ने महाराष्ट्र सरकार को एक प्रभावी समाधान प्रस्तुत करने का निर्देश दिया।

मस्जिद गौसिया ने दायर की थी याचिका

यह याचिका गोंदिया जिले की मस्जिद गौसिया की ओर से दायर की गई थी। इसमें लाउडस्पीकर की अनुमति का अनुरोध था।

संगरूर के भरूर में किसानों का बवाल

रेलवे गेट पर धरना देने अड़े 150 को ट्रैक से किया अरेस्ट

रेल रोको आंदोलन की कर रहे थे तैयारी

अमन लेखनी समाचार/ नई दिल्ली,

पंजाब के संगरूर जिले के गांव भरूर में तनावपूर्ण स्थिति पैदा हो गई है। किसानों के प्रस्तावित रेल रोको आंदोलन से पहले ही लगभग 150 किसानों को हिरासत में ले लिया। किसानों ने घोषणा की थी कि वे दोपहर 1 बजे से 3 बजे तक सुनाम रेलवे स्टेशन पर दो घंटे का धरना-प्रदर्शन करके रेल रोकेंगे, लेकिन प्रशासन ने इसे अनुचित बताते हुए आंदोलन को रोकने के लिए सख्त कदम उठाए।

घटना के बाद एसपी (डी) दविंदर अत्तरी ने कहा कि किसानों का रेल रोको आंदोलन कानून के तहत सही नहीं था, क्योंकि इससे आम जनता को असुविधा होती और रेलवे सेवाओं पर सीधा असर पड़ता। उन्होंने बताया कि पुलिस ने पहले ही किसानों से अपील की थी कि वे इस तरह के आंदोलन से दूर रहें और शांतिपूर्ण तरीके से अपनी मांगें रखें।

किसान बड़ी संख्या में गांव भरूर पहुंचे थे

एसपी के अनुसार उन्हें सूचना मिली थी कि किसान बड़ी संख्या में गांव भरूर पहुंच चुके हैं और वहां रेलवे फाटक पर बैठकर प्रदर्शन करने की योजना बना रहे हैं। पुलिस टीम मौके पर पहुंची और किसानों को समझाने की कोशिश की। किसानों को यह भरोसा दिलाने की भी कोशिश की कि उनकी बात प्रशासन तक पहुंचा दी जाएगी, लेकिन वे नहीं माने।

प्रशासन के आगे किसानों की जिद नहीं चली

जब किसान अपनी योजना पर अड़े रहे और रेलवे फाटक पर धरने की तैयारी करने लगे, तो पुलिस ने लगभग 150 किसानों को अलग-अलग स्थानों पर हिरासत में लिया गया। हालांकि अभी कुल संख्या अस्पष्ट है, लेकिन प्राथमिक रूप से इतने ही किसानों को सुरक्षित ले जाया गया है। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि पुलिस का मकसद किसी भी प्रकार का टकराव पैदा करना नहीं था, बल्कि कानून-व्यवस्था बनाए रखना और रेलवे जैसी आवश्यक सेवाओं को सुचारू रूप से चलाना उनकी प्राथमिकता थी। पुलिस पूरी संवेदनशीलता के साथ काम कर रही है और किसी भी नागरिक को कोई नुकसान न पहुंचे, इसका पूरा ध्यान रखा जा रहा है।

इलाके में भारी पुलिस बल तैनात: इलाके में भारी पुलिस बल तैनात कर दिया गया है और स्थिति पर कड़ी नजर रखी जा रही है। किसान संगठनों ने कार्रवाई पर नाराजगी जताई जा रही है, जबकि प्रशासन इसे सुरक्षा के लिहाज से जरूरी कदम बता रहा है।

राजस्थान हाईकोर्ट का फैसला

बालिग मनमर्जी रिश्ते में रह सकते हैं, भले उनकी शादी की उम्र न हो

अमन लेखनी समाचार/ नई दिल्ली,

राजस्थान हाईकोर्ट ने कहा है कि दो बालिग व्यक्ति यदि अपनी मर्जी से साथ रहना चाहते हैं, तो वे विवाह योग्य आयु नहीं होने के बावजूद लिव-इन रिश्ते में रह सकते हैं। अदालत ने स्पष्ट किया कि केवल शादी की कानूनी उम्र पूरी न होने के आधार पर किसी के संवैधानिक अधिकारों को सीमित नहीं किया जा सकता। जस्टिस अनूप धंड ने यह फैसला उस याचिका पर सुनाया जिसमें कोटा निवासी 18 वर्षीय युवती और 19 वर्षीय युवक ने सुरक्षा की मांग की थी। दोनों ने

अदालत को बताया कि वे अपनी स्वेच्छा से साथ रह रहे हैं और 27 अक्टूबर को एक लिव-इन एग्रीमेंट भी किया है। याचिकाकर्ताओं का कहना था कि युवती के परिवार वाले इस रिश्ते का विरोध कर रहे हैं और उन्हें जान से मारने की धमकी दे रहे हैं, लेकिन उनकी शिकायत पर कोटा पुलिस ने कार्रवाई नहीं की।

रामलला के प्रथम दर्शन से भाव-विभोर हो गए तमिल प्रतिनिधियों के छात्र

उत्साह-आनंद हो गया अलौकिक, परिसर में गूंजा 'जय श्री राम'

अमन लेखनी समाचार/ नई दिल्ली,

काशी तमिल संगमम 4.0

उत्तर और दक्षिण भारत की भक्ति परंपराओं का अद्भुत संगम दिखा

काशी तमिल संगमम-4.0 के अंतर्गत आए छात्र समूह का दूसरा दिन अयोध्या में सांस्कृतिक आदान-प्रदान और आध्यात्मिक एकता का सशक्त प्रतीक बन गया। शुक्रवार सुबह 9 बजे विशेष बस से जब छात्र श्री राम मंदिर धाम पहुंचे, तो पूरे परिसर में 'जय श्री राम' की गूंज ने वातावरण को उत्सवमय कर दिया। तमिलनाडु के विद्यार्थियों के उत्साह और आनंद से पूरा धाम आलोकित प्रतीत हो रहा था। छात्रों ने भगवान श्री रामलला के प्रथम दिव्य दर्शन किए, जिनसे वे भाव-विभोर हो उठे। विद्यार्थियों ने श्रद्धा के साथ पूजा-अर्चना की।

रामलला मंदिर के सामने तस्वीर भी खिंचाई

यात्रा को बताया अत्यंत प्रेरणादायी

छात्रों ने कहा कि यह यात्रा उनके लिए अत्यंत प्रेरणादायक रही। पहली बार उन्हें उत्तर भारत की आस्था, परंपरा और भक्ति की विराट संस्कृति को प्रत्यक्ष रूप से देखने-सुनने का अवसर मिला। छात्रों ने बताया कि अयोध्या का यह दिव्य अनुभव उनकी स्मृतियों में जीवनभर के लिए अमिट छाप छोड़ गया।

'एक भारत, श्रेष्ठ भारत' की भावना को और बल मिला

यह कार्यक्रम 'एक भारत, श्रेष्ठ भारत' की भावना को मजबूती से पोषित कर रहा है। उत्तर और दक्षिण भारत के बीच सांस्कृतिक साझेदारी और परंपरागत संबंधों को सुदृढ़ करते हुए यह पहल देश की महान विरासत और सांस्कृतिक एकता से जोड़ने का महत्वपूर्ण माध्यम बन रही है।

प्रतिनिधिमंडल ने भव्य राम दरबार का अवलोकन भी किया

दर्शन के बाद प्रतिनिधिमंडल ने भव्य राम दरबार का अवलोकन किया, जहां भारतीय वास्तुकला की उत्कृष्ट कलात्मकता को नजदीक से देखने का अवसर मिला। फिर छात्र हनुमान गढ़ी पहुंचे और वहां की आध्यात्मिक ऊर्जा तथा भक्तिमय वातावरण ने उनकी यात्रा को और पवित्र बना दिया। राम की पैड़ी का भ्रमण किया। शांत और पवित्र सरयू नदी के तट पर विद्यार्थियों ने प्राकृतिक सौंदर्य और आध्यात्मिक वातावरण को महसूस किया।

दिल्ली बम धमाका मामला

उमर के दोस्त शोएब को राहत नहीं एनआईए कस्टडी 10 दिन और बढ़ी

अमन लेखनी समाचार/ नई दिल्ली,

लाल किला बम ब्लास्ट मामले में पटियाला हाउस कोर्ट ने आरोपी फरीदाबाद निवासी शोएब की राष्ट्रीय जांच एजेंसी की हिरासत 10 दिनों के लिए और बढ़ा दी है। यह निर्णय तब आया जब शोएब की पूर्व में दी गई 10 दिनों की कस्टडी समाप्त हो गई और उसे कड़ी सुरक्षा के बीच पटियाला हाउस कोर्ट में पेश किया गया। लाल किला बम ब्लास्ट मामला एक गंभीर राष्ट्रीय सुरक्षा से जुड़ा मामला है, जिसमें कई महत्वपूर्ण गिरफ्तारियां हुई हैं। उसकी पिछली हिरासत के दौरान एनआईए ने उससे गहन पूछताछ की थी और मामले से जुड़े कई महत्वपूर्ण सुराग जुटाने का प्रयास किया था। 10

पटियाला हाउस कोर्ट

दिनों की कस्टडी समाप्त होने के बाद, शोएब को पटियाला हाउस कोर्ट में न्यायाधीश के समक्ष प्रस्तुत किया गया। एनआईए ने कोर्ट से आरोपी की कस्टडी बढ़ाने की मांग की, जिसके पीछे मामले की आगे की जांच, अन्य आरोपियों की पहचान और संभावित षड्यंत्र के खुलासे जैसे तर्क दिए गए। कोर्ट ने एनआईए की दलीलों को स्वीकार करते हुए शोएब को 10 दिनों की और एनआईए कस्टडी में भेज दिया है।

राजस्थान में भारत-मलेशिया का संयुक्त सैन्य अभ्यास शुरू

18 दिसंबर तक चलेगा 'हरिमौ शक्ति-2025' युद्धाभ्यास

अमन लेखनी समाचार/ नई दिल्ली,

भारतीय दल का नेतृत्व डोगरा रेजिमेंट की टुकड़ी कर रही

भारत और मलेशिया के बीच संयुक्त सैन्य अभ्यास 'हरिमौ शक्ति-2025' का पांचवां संस्करण शुक्रवार से राजस्थान के महाजन फील्ड फायरिंग रेंज में शुरू हो गया। यह अभ्यास 5 से 18 दिसंबर 2025 तक चलेगा। इस बार भारतीय दल का नेतृत्व डोगरा रेजिमेंट की टुकड़ियां कर रही हैं, जबकि मलेशियाई पक्ष का प्रतिनिधित्व रॉयल मलेशियाई सेना की 25वीं बटालियन की टुकड़ियां कर रही हैं। इस अभ्यास का उद्देश्य संयुक्त राष्ट्र अधिदेश के अध्याय 7 के अंतर्गत उप-पारंपरिक अभियानों का संयुक्त रूप से पूर्वाभ्यास करना है।

सामरिक कार्रवाइयों का करेंगे अभ्यास

युद्धाभ्यास शुरू करने से पूर्व भारत–मलेशिया की सेनाएं

इस अभ्यास का उद्देश्य आतंकवाद-रोधी अभियानों के दौरान संयुक्त प्रतिक्रियाओं का समन्वय करना है। दोनों पक्ष घेराबंदी, खोज और विध्वंस अभियानों, हेलीबोर्न अभियानों आदि जैसी सामरिक कार्रवाइयों का अभ्यास करेंगे। इसके अतिरिक्त, आर्मी मार्शल आर्ट्स रूटीन (एमएआप), कॉम्बैट रिफ्लेक्स शूटिंग और योग भी अभ्यास का हिस्सा होंगे। अभ्यास में, दोनों पक्ष आतंकवाद-रोधी अभियानों के दौरान हेलीपैड सुरक्षित करने और हताहतों को निकालने के लिए अभ्यास करेंगे।

आपसी संचालन क्षमता होगी बेहतर

सामूहिक प्रयासों का उद्देश्य सैनिकों के बीच बेहतर अंतर-संचालन क्षमता प्राप्त करना और शांति वाहक प्रावलनों के दौरान संयुक्त राष्ट्र के हितों और कार्यसूची को सर्वोपरि रखते हुए जान-माल के जोखिम को कम करना है। दोनों पक्ष युद्ध कौशल के व्यापक क्षेत्र पर विचारों और संयुक्त अभ्यासों के अभ्यासों का आदान-प्रदान करेंगे जिससे प्रतिभागियों को एक-दूसरे से सीखने का अवसर मिलेगा।

द्विपक्षीय संबंधों को बढ़ावा

सर्वोत्तम अभ्यासों को साझा करने से भारतीय सेना और रॉयल मलेशियाई सेना के बीच रक्षा सहयोग का स्तर और बढ़ेगा। यह अभ्यास दोनों देशों के बीच मजबूत द्विपक्षीय संबंधों को भी बढ़ावा देगा।

दिव्यांगजन सशक्तीकरण के लिए योगी सरकार समर्पित

मंत्री नरेन्द्र कश्यप ने किया राज्यस्तरीय कार्यक्रम का समापन

अमन लेखनी समाचार

लखनऊ, प्रदेश के पिछड़ा वर्ग कल्याण एवं दिव्यांगजन सशक्तिकरण (स्वतंत्र प्रभार) नरेन्द्र कश्यप ने शुक्रवार को इंदिरा गांधी प्रतिष्ठान, लखनऊ में तीन दिवसीय राज्यस्तरीय कार्यक्रम का समापन किया। विश्व दिव्यांग दिवस के अवसर पर दिव्यांगजन सशक्तिकरण विभाग, उत्तर प्रदेश द्वारा 03 से 05 दिसम्बर 2025 तक आयोजित तीन दिवसीय राज्यस्तरीय कार्यक्रमों के सफल समापन पर मंत्री नरेन्द्र कश्यप ने कहा कि योगी सरकार दिव्यांगजनों के सर्वांगीण विकास, पुनर्वास और आत्मनिर्भरता के लिए पूर्णतः प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा कि प्रदेश में समावेशी एवं सुलभ समाज के निर्माण हेतु सरकार की योजनाएँ और कार्यक्रम लगातार मजबूत हो रहे हैं और दिव्यांगजनों को मुख्यधारा से जोड़ने

के प्रयास सतत गति से आगे बढ़ रहे हैं। समापन अवसर पर मंत्री नरेन्द्र कश्यप ने कहा कि योगी सरकार दिव्यांगजनों के जीवन में सकारात्मक परिवर्तन लाने और उन्हें आत्मनिर्भर बनाने के लक्ष्य के प्रति पूरी निष्ठा से कार्य कर रही है। उन्होंने बताया कि विभाग भविष्य में इस प्रकार के व्यापक कार्यक्रमों का और विस्तार करेगा, ताकि अधिक से अधिक दिव्यांगजन योजनाओं का लाभ प्राप्त कर सकें। राज्यमंत्री ने सभी सहयोगी संगठनों, प्रतिभागियों, अधिकारियों, कलाकारों तथा सामाजिक संस्थाओं को सफल आयोजन हेतु धन्यवाद ज्ञापित किया और कहा कि तीन दिवसीय कार्यक्रम सरकार की संवेदनशीलता और दृढ़ संकल्प का प्रतीक है। तीन दिवसीय कार्यक्रमों के दौरान प्रदेशभर में जागरूकता रैलियाँ, परिचचाएँ, स्वास्थ्य परीक्षण शिविर, सहायक उपकरण वितरण, सांस्कृतिक प्रस्तुतियाँ तथा कौशल विकास और रोजगार से संबंधित कई गतिविधियाँ आयोजित की गईं, जिनमें बड़ी संख्या में दिव्यांगजन, संस्थाएँ, विशेषज्ञ तथा सामाजिक संगठन शामिल हुए। उन्होंने कहा कि योगी सरकार ने दिव्यांगजनों के अधिकारों की रक्षा, उनकी शिक्षा, कौशल उन्नयन और सम्मानजनक जीवन सुनिश्चित करने के लिए कई महत्वपूर्ण कदम उठाए हैं, जिनका सकारात्मक परिणाम प्रदेश में देखने को मिल रहा है। 03 दिसम्बर को इंदिरा गांधी प्रतिष्ठान, लखनऊ के जुपिटर हॉल में आयोजित राज्य स्तरीय समारोह का उद्घाटन मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी द्वारा किया गया। मुख्यमंत्री ने दिव्यांगजन सशक्तीकरण के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य करने वाले 30 व्यक्तियों, संस्थाओं, नियोक्ताओं और श्रेष्ठ दिव्यांग कार्मिकों को राज्यस्तरीय पुरस्कार प्रदान किए। मुख्यमंत्री ने 500 दिव्यांगजनों को ट्राईसाइकिल और विभिन्न सहायक उपकरण वितरित किए, दिव्य कला प्रदर्शनी का उद्घाटन किया और विशेष विद्यालयों के मेधावी छात्र-छात्राओं को टैबलेट एवं प्रमाण-पत्र प्रदान किए। इसके साथ ही अन्य पिछड़ा वर्ग के कक्षा 9 से 12 तक के 5,33,285 छात्र-छात्राओं को छात्रवृत्ति स्वीकृति प्रमाण-पत्र तथा कंप्यूटर प्रशिक्षण एवं विवाह अनुदान योजना के लाभार्थियों को प्रमाण-पत्र प्रदान किए गए। 03 से 05 दिसम्बर तक आयोजित दिव्य कला प्रदर्शनी कार्यक्रम का विशेष आकर्षण रही, जिसमें लगभग 70 सरकारी और गैर-सरकारी संस्थाओं ने अपने स्टाल लगाए। विभागीय विद्यालयों, डॉ. शकुंतला मिश्रा राष्ट्रीय पुनर्वास विश्वविद्यालय, जगद्गुरु रामभद्राचार्य विश्वविद्यालय तथा अन्य प्रतिष्ठित स्वैच्छिक संस्थाओं ने अपने-अपने उत्पादों और सेवाओं की प्रदर्शनी लगाई। दिव्यांग कलाकारों और बच्चों द्वारा प्रस्तुत सांस्कृतिक कार्यक्रमों ने प्रतिभा और क्षमता का सुंदर प्रदर्शन किया।

यूपी के अस्पतालों की 13.46 करोड़ रुपये की लागत से बदलेगी सूरत

अमन लेखनी समाचार

लखनऊ। प्रदेश के 20 अस्पतालों में आधुनिक उपकरण खरीदने के लिए 13.46 करोड़ रुपये स्वीकृत किए गए हैं। उप मुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक ने बताया कि मरीजों की जांच की व्यवस्था को बेहतर करने के लिए इस बजट से डिजिटल एक्सरे, ईसीजी, अल्ट्रासाउंड मशीनें खरीदी जाएंगी। छोटे चीरे से मोतियाबिंद के आपरेशन के लिए फेको मशीन भी खरीदी जाएंगी। उन्होंने बताया कि लखनऊ के बलरामपुर चिकित्सालय को 1.09 करोड़ रुपये, रानी लक्ष्मीबाई संयुक्त चिकित्सालय को 26.46 लाख रुपए, लखनऊ के श्यामा प्रसाद मुखर्जी (सिविल) चिकित्सालय को 32.64 लाख रुपए और लोकबंधु राज नारायण संयुक्त चिकित्सालय को 27.75 लाख रुपये की स्वीकृति दी गई है। प्रयागराज के मोती लाल नेहरू मंडलीय चिकित्सालय को 54.48 लाख रुपये, बरेली के जिला महिला चिकित्सालय को 8.68 लाख रुपए, मुरादाबाद के पंडित दीन दयाल उपाध्याय जिला चिकित्सालय को 80.98 लाख रुपए, उपकरणों की खरीद के लिए स्वीकृत किया गया है। लखीमपुर खीरी के ओयल में बने ट्रामा सेंटर को 8.82 लाख रुपये से उच्चीकृत किया जाएगा। उन्नाव बीघापुर के 100 बेड संयुक्त चिकित्सालय के लिए 23.34 लाख रुपये स्वीकृत किए गए हैं। फरुर्खाबाद के डा. राम मनोहर लोहिया महिला चिकित्सालय को 20.44 लाख रुपये से उच्चीकृत किया जाएगा। महोबा के जिला चिकित्सालय के लिए 29.98 लाख रुपए, झांसी जिला चिकित्सालय के लिए 1.42 करोड़ रुपए स्वीकृत किए गए हैं। गाजियाबाद के जिला संयुक्त चिकित्सालय को 26.83 लाख रुपये, जिला महिला चिकित्सालय को आठ लाख, लोनी के 50 बेड संयुक्त चिकित्सालय को 27.44 लाख रुपए, डूडाहेड़ा स्थित 50 बेड संयुक्त चिकित्सालय 27.44 लाख रुपए, एमएमजी जिला चिकित्सालय को 18.83 लाख रुपये से उच्चीकृत किया जाएगा। बुलंदशहर खुर्जा के एलएसपीजी चिकित्सालय और मऊ जिला चिकित्सालय की साज-सज्जा के लिए बीस-बीस लाख रुपये स्वीकृत किए गए हैं। इसके अलावा औरेया के बिधूना स्थित 50 बेड के डा. राम मनोहर लोहिया नेत्र चिकित्सालय के लिए 31.12 लाख रुपए स्वीकृत किए गए हैं। मिजार्पुर में नए बने 50 बेड के अस्पताल में आंखों की बीमारियों के इलाज के लिए नेत्र रोग विभाग स्थापित किया जाएगा। उप मुख्यमंत्री ने बताया कि भवन निर्माण पूरा है। आपरेशन थियेटर के बिना इलाज संभव नहीं है।

छह दिसंबर को लेकर कड़े पहरे में रामनगरी, सीसीटीवी से भी हो रही निगरानी

अमन लेखनी समाचार

अयोध्या : राम नगरी में 32 वर्ष पहले विवादित ढांचा विध्वंस की बरसी छह दिसंबर को लेकर सुरक्षा घेरा सघन हो गया है। विवादित ढांचा ध्वंस की तिथि से एक दिन पहले ही रामनगरी में निगरानी को बढ़ा दिया गया है। किसी भी तरह की घटना को लेकर पहले से ही सुरक्षा एजेंसियां हाई एलर्ट पर हैं। छह दिसंबर से एक दिन पहले ही अयोध्याधाम में आने जाने वाले सभी वाहनों की चेकिंग की जा रही है। छह दिसंबर 1992 को ही रामजन्मभूमि परिसर पर स्थित विवादित ढांचा ढहा दिया गया था। रामजन्मभूमि परिसर सहित रामनगरी में सभी प्रमुख क्षेत्रों में सुरक्षा के व्यापक प्रबंध किए गए हैं। सुरक्षा कर्मियों के अतिरिक्त सीसीटीवी कैमरे से पूरे रामनगरी की निगरानी की जा रही है। ड्रोन के माध्यम से निगरानी रखी जा रही है। होटल, धर्मशाला, गेस्ट हाउस और होम स्टे की पड़ताल निरंतर चल रही है। पुलिस लगातार वाहनों की चेकिंग कर रही है। एसपी सुरक्षा बालाचारी दुबे ने बताया कि राममंदिर की सुरक्षा के कई स्तर है।

गोमती किनारे 43 एकड़ में ग्रुप हाउसिंग प्रोजेक्ट लाएगा एलडीए

11 आवासीय और एक व्यावसायिक भूखंड होगा

अमन लेखनी समाचार

लखनऊ। शहीद पथ पर पुलिस मुख्यालय के पीछे अवैध कब्जे से खाली कराई गई 43 एकड़ जमीन पर एलडीए अपना ग्रुप हाउसिंग प्रोजेक्ट लांच करेगा। गोमती नदी के किनारे प्राइम लोकेशन पर स्थित इस भूमि पर ग्रुप हाउसिंग के 11 और व्यावसायिक उपयोग का एक भूखंड नियोजित होगा। यहां 15 प्रतिशत हिस्से में ग्रीन एरिया विकसित होगा। एलडीए बोर्ड ने इस प्रस्ताव पर मुहर लगाया है। गोमती नगर विस्तार के सेक्टर-सात में ग्राम-सरसवां की 43.051 भूमि को प्राधिकरण ने अर्जित किया था। लंबे समय से खाली पड़ी उक्त भूमि पर कुछ लोगों ने अवैध अतिक्रमण कर रखा था। लैंड आडिट में प्रकरण उजागर होने पर अभियान चलाकर भूमि को अवैध कब्जे से खाली कराया गया। उपाध्यक्ष प्रथमेश कुमार ने बताया, अब उक्त भूमि पर भवन निर्माण एवं विकास उपविधि-2025 के प्रविधानों के तहत ले-आउट प्लान तैयार कराया गया है। यहां ग्रुप हाउसिंग के 11 भूखंड व एक व्यावसायिक भूखंड नियोजित होगा। एलडीए की आइटी सिटी, वेलनेस सिटी, नैमिष नगर व वरुण विहार योजना जल्द लांच होंगी। मुख्यमंत्री शहरी विस्तारीकरण योजना के तहत प्रस्तावित चारों आवासीय योजनाओं के ले-आउट के प्रस्ताव को प्राधिकरण बोर्ड ने हरी झंडी दे दी है। एलडीए उपाध्यक्ष ने बताया, आगरा एक्सप्रेस-वे पर 6580 एकड़ क्षेत्रफल में वरुण विहार, सीतापुर रोड पर 2678 एकड़ क्षेत्रफल में नैमिष नगर, किसान पथ पर 2858 एकड़ क्षेत्रफल में आइटी सिटी और सुलतानपुर रोड पर 1197 एकड़ क्षेत्रफल में वेलनेस सिटी योजना प्रस्तावित है। चारों आवासीय योजनाओं के लिए भूमि जुटाव का कार्य किया जा रहा है। ले-आउट पास होने से योजनाओं में विकास व नियोजन का काम तेज होगा। नए साल में चारों योजनाएं लांच कर दी जाएंगी और लाटरी के माध्यम से भूखंडों का आवंटन होगा। नैमिष नगर आवासीय योजना के छूटे हुए खसरा संख्याओं की भूमि को आपसी सहमति से क्रय करने का प्रस्ताव भी पास हो गया है।

यूपी बीजेपी अध्यक्ष के लिए काउंट डाउन शुरू, 8 दिसंबर तक हो सकता है चुनाव

अमन लेखनी समाचार

लखनऊ। लोकसभा चुनाव संपन्न होने के बाद से ही भाजपा के नए प्रदेश अध्यक्ष के नाम को लेकर चल रही कयासबाजी पर अब विराम लगने का समय करीब आ गया है। अगले तीन दिनों में नए प्रदेश अध्यक्ष का नाम तय हो जाने की उम्मीद है। इसके लिए शनिवार को दिल्ली में भाजपा के वरिष्ठ नेताओं की अहम बैठक होने जा रही है। चर्चा तो यह है कि आठ दिसंबर तक प्रदेश अध्यक्ष का चुनाव हो जाएगा। किन्हीं कारणों से थोड़ा विलंब होने की स्थिति में भी खरमास (16 दिसंबर) से पहले उत्तर प्रदेश भाजपा को नया प्रदेश अध्यक्ष मिल ही जाएगा। बताया जाता है कि शनिवार को दिल्ली में होने वाली बैठक में उत्तर प्रदेश से भाजपा के प्रदेश महामंत्री (संगठन) धर्मपाल सिंह शामिल होंगे। इस बैठक में भाजपा प्रदेश अध्यक्ष के नाम पर चर्चा के साथ ही प्रदेश अध्यक्ष के चुनाव की तिथि पर अंतिम निर्णय लिया जा सकता है। जिसके बाद

भाजपा उत्तर प्रदेश के चुनाव प्रभारी केंद्रीय मंत्री पीयूष गोयल लखनऊ आएंगे। उनके आने के साथ ही अध्यक्ष के चुनाव की प्रक्रिया शुरू हो जाएगी। अधिक संभावना जताई जा रही है कि इस बार भाजपा नेतृत्व यूपी में किसी दलित चेहरे को प्रदेश अध्यक्ष बनाने का फैसला ले सकता है। यदि ऐसा होगा तो पहली बार प्रदेश भाजपा अध्यक्ष की कुर्सी पर कोई दलित बैठेगा। दलित छोड़ अन्य जातियों से कई नेता भाजपा प्रदेश अध्यक्ष बन चुके हैं। महिला प्रदेश अध्यक्ष बनाने की कयासबाजी चल रही है, कभी कोई महिला भाजपा की प्रदेश अध्यक्ष नहीं रही है। भाजपा की वरिष्ठ नेत्री साध्वी निरंजन ज्योति की गुरुवार को दिल्ली में भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा से मुलाकात को भी इससे जोड़कर देखा जा रहा है। विपक्ष के पीडीए नारे को देखते हुए पिछड़ी जाति से भी प्रदेश अध्यक्ष बनाए जाने की चर्चाएं चल रही हैं। गौरतलब है कि मौजूदा प्रदेश अध्यक्ष भूपेंद्र सिंह चौधरी का तीन साल का कार्यकाल पूरा हो चुका है। आम चुनाव 2024 के संपन्न होने के बाद से ही नया प्रदेश अध्यक्ष बनाए जाने की चर्चाएं चल रही हैं। भाजपा नेतृत्व को अब सिर्फ उत्तर प्रदेश और कर्नाटक राज्य के प्रदेश अध्यक्ष का नाम तय करना है।

मंत्रिमंडल में भी होगा उलटफेर

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष का चुनाव हो जाने के बाद प्रदेश मंत्रिमंडल में भी फेरबदल होगा। कुछ नए चेहरे मंत्रिमंडल में शामिल किए जाएंगे जबकि कुछ मंत्रियों को संगठन में भेजकर वर्ष 2027 चुनाव की तैयारी में लगाया जाएगा। मौजूदा प्रदेश अध्यक्ष भूपेंद्र सिंह चौधरी को मंत्रिमंडल में स्थान मिलना तय माना जा रहा है।

यूपी में ई-सुश्रुत एप पर 2.5 करोड़ से अधिक रोगियों का डिजिटल रजिस्ट्रेशन

इलाज के लिए नहीं लगानी पड़ेगी लाइन

अमन लेखनी समाचार

लखनऊ। वर्ष 2022 से चिकित्सा शिक्षा महानिदेशालय और सेंटर फार डेवलपमेंट ऑफ एडवांस्ड कम्प्यूटिंग (सीडैक) के बीच हुए एमओयू के तहत 22 मेडिकल कॉलेजों में अस्पताल प्रबंधन सूचना प्रणाली (एचएमआईएस), ई-सुश्रुत सॉफ्टवेयर पर कार्य शुरू हुआ था। वर्तमान में ई-सुश्रुत से 2.5 करोड़ से अधिक रोगियों का डिजिटल पंजीकरण किया जा चुका है। इससे रोगियों को लंबी लाइन लगाकर इलाज के लिए घंटों इंतजार नहीं करना पड़ता है। उनकी बीमारी का रिकार्ड भी ऑनलाइन मौजूद रहता है। सरकार के अनुसार ई-सुश्रुत एप से अब तक नौ लाख से अधिक रोगियों को भर्ती किया जा चुका है। ओपीडी रोगियों के लिए भी 26 लाख से अधिक ऑनलाइन पर्चे (ई-प्रिस्क्रिप्शन) जारी हो चुके हैं। दो लाख से अधिक मरीजों को छुट्टी देने (ई-डिस्चार्ज) की रिपोर्ट भी तैयार की गई हैं। इसके अलावा इलाज के रिकॉर्ड, रिपोर्ट, डॉक्टर से समय लेना और टेस्ट की उपलब्धता की जानकारी भी इससे ली जा सकती है। आयुष्मान भारत डिजिटल मिशन (एबीडीएम) से जुड़े होने के कारण अब तक एक लाख से अधिक आयुष्मान भारत स्वास्थ्य अकाउंट (एबीएचए) आईडी बनाई जा चुकी हैं। 35 लाख से अधिक ओपीडी टोकन और 11 लाख इलेक्ट्रानिक स्वास्थ्य रिकॉर्ड (ईएचआर) लिंक किए गए हैं। इससे डाक्टरों और मरीजों दोनों को राहत मिली है।

हाइकोर्ट के अधिवक्ता से मकान बेचने के नाम पर ऐंठे 90 लाख

अमन लेखनी समाचार

लखनऊः हाइकोर्ट के अधिवक्ता से सुनियोजित तरीके से मकान बेचने के नाम पर 90 लाख रुपये ऐंठ लिए गए। आरोप है कि बुजुर्ग विकलांग मकान मालिक ने परिवार संग मिलकर पीड़ित को फंसाया। साजिश के तहत पीड़ित को जाली सेल एग्रीमेंट कर दिया गया। कृष्णानगर थाने में मकान मालिक समेत नौ लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया गया है। गोमती नगर में विश्वास खंड-1 निवासी अधिवक्ता अनद्य शुक्ला ने बताया कि वे वर्ष 2017 में मोहल्ले में स्थित बुजुर्ग विकलांग राजेंद्र प्रसाद का मकान खरीदने के इच्छुक थे। बातचीत के बाद राजेंद्र से मकान का सौदा 90 लाख में तय हुआ था। पीड़ित ने चेक व नकद से आठ लाख रुपये एडवांस दिए। कोरोना में लाकडाउन हटने के बाद पीड़ित को जानकारी हुई कि राजेंद्र प्रसाद की बीमारी और अकेलेपन का फायदा उठाकर रिश्तेदारों ने उनसे मकान दान लिखा लिया। पीड़ित ने टिंकू से बात की तो उसने धमकाया। इसके बाद राजेंद्र प्रसाद ने पीड़ित से संपर्क कर छल से दान विलेख लिखाने की बात और रद्द कराकर उनके पक्ष में रजिस्ट्री करने का आश्वासन दिया। बातों में फंसे अनद्य शुक्ला ने कई बार में नकद व आनलाइन रुपये दिए। यही नहीं राजेंद्र ने भरोसा जीतने के लिए 11 अप्रैल 2024 को गोमतीनगर थाने में बहन मंजू, उनकी बेटी रुचिका, नेहा और पिंटू के खिलाफ धोखाधड़ी का मुकदमा दर्ज कराया था। उसके बाद पीड़ित अनद्य से केस के निस्तारण तक मकान में रहने की इच्छा जताई तो उन्होंने हामी भर दी। जिस पर आरोपी ने खुद से बनाया हुआ सेल एग्रीमेंट भी साइन करके दिया। करीब 90 लाख रुपये हड़पने के बाद आरोपित राजेंद्र ने मकान बेचने से मना कर दिया। सहायक पुलिस आयुक्त (एसीपी) रजनीश वर्मा ने बताया कि पूछताछ कर कार्रवाई की जा रही है।

सचिवो ने मुख्यमंत्री संबोधित दस सूत्रीय ज्ञापन बीडीओ को सौंपा

मलिहाबाद में डिजिटल उपस्थिति प्रणाली के खिलाफ नाराजगी फूटी

अमन लेखनी समाचार

लखनऊ। मलिहाबाद क्षेत्र में तैनात पंचायत सचिवों ने शुक्रवार को अपनी रोजमर्रा की जमीनी चुनौतियों को आवाज देने का फैसला किया। शांत स्वरों में बोली जाने वाली दिक्कतें इस दिन एकजुट स्वर बनकर खण्ड विकास कार्यालय के सामने सुनाई दीं। वजह वही पुरानी—बढ़ते हुए विभागीय भार और उस पर थोप दी गई ऑनलाइन हाजिरी प्रणाली, जो उनके अनुसार जमीन की हकीकत से मेल नहीं खाती।

सचिव संजय कुमार गिरी, नासिर हुसैन, अनिल कुमार, अनुज यादव, अनुज त्यागी और संदीप कश्यप सहित कई सचिवों ने बताया कि आधा दर्जन ग्राम पंचायतों की जिम्मेदारी उठाते हुए

बीडीओ को ज्ञापन सौंपते सचिव

किसी एक स्थान से ऑनलाइन उपस्थिति दर्ज कर पाना लगभग असम्भव है। दिलचस्प यह है कि जिन उच्चाधिकारियों की उपस्थिति दर्ज करने का कोई डिजिटल प्रावधान नहीं, उन्हीं के अधीनस्थों पर यह व्यवस्था लागू कर दी गई है। सचिवों ने अपनी दस सूत्रीय मांगों का विस्तृत ज्ञापन मुख्यमंत्री को संबोधित करते हुए खण्ड विकास अधिकारी अनूप सिंह को सौंपा। उनका कहना है कि ऑनलाइन उपस्थिति व्यवस्था के साथ-साथ अतिरिक्त विभागीय कार्य भी मूल दायित्वों पर भारी पड़ रहे हैं। सचिवों की उम्मीद है कि सरकार उनकी व्यावहारिक समस्याओं को समझते हुए इस प्रणाली में आवश्यक सुधार करेगी।

लखनऊ में भतीजे ने चाचा की हत्या की, पेंशन के लालच में दादी के सामने सीने में मारी गोली

अमन लेखनी समाचार

लखनऊ। दुबग्गा में मां की पेंशन के रुपये को लेकर हुए विवाद में भाई के बेटे और पोते ने मिलकर जन्म से दृष्टिबाधित 50 वर्षीय चाचा वीरेंद्र यादव उर्फ डोंगा की शुक्रवार शाम को गोली मारकर हत्या कर दी। गोली की आवाज सुन गांव में अफरातफरी मच गई। ग्रामीणों के एकत्रित होने पर दोनों आरोपित फरार हो गए। पुलिस उपायुक्त (डीसीपी) पश्चिम विश्वजीत श्रीवास्तव ने बताया कि भतीजे को पकड़ लिया गया है। पोते की तलाश में दबिश दी जा रही है। डीसीपी ने बताया कि राजाजीपुरम के मेंहदी खेड़ा निवासी वीरेंद्र जन्म से ही दृष्टिबाधित थे। ऐसे में उनकी देखरेख मां अशोका ही करती थीं। जांच में सामने आया कि परिवार में कोई भी कमाता नहीं था। पिता बेचालाल रेलवे में कार्यरत थे और 25 वर्ष पहले उनकी मृत्यु हो गई थी, ऐसे में मां को पेंशन मिलती थी। मां की पेंशन पर सबकी नजर रहती थी। वहीं, मां के साथ रहने के कारण वीरेंद्र को सभी परेशान करते थे, जिससे तंग आकर मां अशोका वीरेंद्र को लेकर दुबग्गा के टांड़ खेड़ा गांव स्थित मायके में पिछले छह माह से रहने लगी थीं। ऐसे में भाई और भतीजे फोन कर बार-बार बुला रहे थे, लेकिन मां ने वापस आने से मना कर दिया था। पेंशन के रुपये भी नहीं दिए, जिससे वे नाराज थे। शुक्रवार दोपहर वीरेंद्र गांव में मामा के घर के बाहर सड़क किनारे बैठे थे, तभी वहां बाइक से भतीजा जितेंद्र व पोता चिराग यादव पहुंचे। दोनों ने दादी अशोका से साथ चलने के लिए कहा तो वीरेंद्र ने मना कर दिया। जबतक कोई कुछ समझ पाता तबतक दोनों ने अवैध असलहे से वीरेंद्र के सीने पर गोली मार दी। वह पास में हौदिया में जा गिरे और मौके पर ही दम तोड़ दिया। चीख पुकार मची तो दोनों आरोपित मौके से फरार हो गए। सूचना मिलते ही डीसीपी समेत अन्य पुलिसबल मौके पर पहुंच गया। पूछताछ व बाइक की जानकारी मिलने पर तीन टीमों को तलाश के लिए लगाया गया। डीसीपी पश्चिम ने बताया कि पूछताछ में सामने आया कि कोई सही से कमाता नहीं था। इसलिए सभी अशोका की पेंशन पर निर्भर थे। वीरेंद्र उन्हीं के साथ रहते थे, इसी कारण उनकी हत्या कर दी गई। संपत्ति के बारे में जानकारी जुटाई जा रही है। डीसीपी ने बताया कि भतीजे जितेंद्र को टीम ने गांव के पास से पकड़ लिया, लेकिन पोता चिराग मौके से फरार हो गया। उसकी तलाश में दबिश दी जा रही है। मामले में वीरेंद्र के ममेरे भाई कुलदीप यादव ने हत्या का मुकदमा दर्ज कराया है।

सड़क हादसे में डीसीएम की टक्कर से बाइक सवार घायल

अमन लेखनी समाचार

लखनऊ। मलिहाबाद थाना क्षेत्र में लखनऊझहरदोई राजमार्ग पर शुक्रवार सुबह हुए सड़क हादसे में एक बाइक सवार गंभीर रूप से घायल हो गया। घटना के बाद स्थानीय लोगों की तत्परता से घायल को अस्पताल पहुँचाया गया, जबकि दुर्घटना के बाद डीसीएम चालक वाहन सहित फरार हो गया। शुक्रवार सुबह किठाई पारा निवासी सुखलाल अपनी स्प्लेंडर बाइक से किसी काम से मलिहाबाद की ओर जा रहे थे। जैसे ही वह महमूदनगर ढाल के पास पहुंचे, पीछे से तेज रफ्तार में आ रहे डीसीएम ने बाइक में जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर लगते ही सुखलाल सड़क पर दूर तक घिसटते चले गए और बाइक बुरी तरह

क्षतिग्रस्त बाइक – फोटो

क्षतिग्रस्त हो गई। दुर्घटना होते ही मौके पर मौजूद ग्रामीण और राहगीर मदद के लिए दौड़ पड़े। उन्होंने तत्काल एम्बुलेंस की मदद से सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाया जहां चिकित्सकों ने सुखलाल की हालत गंभीर देखते हुए उन्हें ट्रॉमा सेंटर रेफर करने की सलाह दी, मगर परिजनों ने तुरंत उसे एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया, जहाँ उसका इलाज जारी है।

साहू सिटी के पास बरात से लौट रहे लोगों पर हमला, कई घायल

पुरानी रंजिश में लाठी–डंडों से पीटा, जान से मारने की दी धमकी

अमन लेखनी समाचार

पीजीआई। पीजीआई क्षेत्र के अमोल कल्ली निवासी राम सजीवन ने आरोप लगाया है कि बरात से लौटते समय विपक्षियों ने उन पर जानलेवा हमला कर दिया। पीड़ित के अनुसार 4 दिसंबर को वह गांव से वांके विहारी लॉन में बरात में शामिल होने गए थे, जहां उनकी मुलाकात विपक्षी पक्ष से हुई और पुरानी रंजिश को लेकर कहासुनी भी हो गई। पीड़ित ने बताया कि 5 दिसंबर की रात करीब 1:30 बजे जब वह अपने साथी रोहित और अजय के साथ घर लौट रहे थे, तभी साहू सिटी के पास विपक्षी जगदीश,

रमेश, ललऊ और बब्लू ने घेरकर गाली-गलौज शुरू कर दी और उसके बाद लाठी-डंडों से हमला कर दिया। मारपीट में सभी को गंभीर चोटें आईं। आरोप है कि कुल्हाड़ी के बेंट से भी वार किए गए और जान से मारने की धमकी भी दी गई। हमले के बाद आरोपित मौके से फरार हो गए। घायल पीड़ित पक्ष सीधे थाना पीजीआई पहुँचा और पूरे मामले की तहरीर दी। पुलिस ने मामले की प्रारंभिक कार्रवाई करते हुए रिपोर्ट दर्ज कर आगे की जांच शुरू कर दी है।

यूपी के 6 जनजातीय बहुल जिलों का शिक्षा-स्वास्थ्य होगा बेहतर, विकास के लिए 72.73 करोड़ जारी

अमन लेखनी समाचार

लखनऊ। प्रदेश के ग्रामीण एवं जनजाति बहुल सोनभद्र, ललितपुर, बहराइच, चंदौली, लखीमपुर खीरी एवं बलरामपुर शिक्षा, स्वास्थ्य, संपर्क मार्ग व मूलभूत सुविधाओं आदि पर 72.73 करोड़ रुपये खर्च होंगे। छह जिलों के लिए तैयार किए प्रस्तावों को शुक्रवार को मुख्य सचिव एसपी गोयल की अध्यक्षता में गठित कार्यकारी समिति ने अनुमोदन दे दिया है। अब इन प्रस्तावों को जनजातीय कार्य मंत्रालय भारत सरकार को अंतिम अनुमोदन एवं धनराशि जारी करने के लिए भेजा जाएगा। शुक्रवार को हुई बैठक में मुख्य सचिव ने कहा कि प्रेषित किए जाने वाले सभी प्रस्ताव पूर्ण रूप से सही हों। अनुमोदित प्रस्तावों में ललितपुर में एकलव्य माडल आवासीय विद्यालय बानपुर के संचालन के लिए फर्नीचर व अन्य उपकरणों की व्यवस्था, अपूर्ण बालक छात्रावास, टाइप-1, टाइप-2, टाइप-3 के 12 आवास निर्माण को 674.29 लाख रुपये का प्रस्ताव है। वहीं बलरामपुर में थारू विकास परियोजना विशुनपुर विश्राम के तहत संचालित प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र के फर्नीचर आदि व्यवस्था को 36.91 लाख रुपये, सोनभद्र में विकास खंड चोपन के 56 गांवों, म्योरपुर के 11 गांवों, दुद्धी के चार गांवों में इंटरलाकिंग-सीसी रोड के 71 कार्यों हेतु 4368.12 लाख रुपये, लखीमपुर खीरी में विकास खंड पलिया के दो गांवों में इंटरलाकिंग रोड निर्माण को 375.01 लाख रुपये, चंदौली में विकास खंड सकलडीह के पांच गांवों, चहनियां के सात गांवों में सीसी रोड व सोलर लाइट के लिए 227.48 लाख रुपये और बहराइच में विकास खंड मिहींपुरवा के आठ गांवों में सीसी रोड एवं नाली निर्माण के लिए 1591.54 लाख रुपये का भी प्रस्ताव है। मुख्य सचिव ने पूर्व में स्वीकृत प्रस्तावों की प्रगति की जानकारी ली और शेष कार्यों को गुणवत्ता सहित निर्धारित समयावधि में पूर्ण कराने के निर्देश दिए। बैठक में अपर मुख्य सचिव समाज कल्याण एल. वेंकटेश्वर लू, ग्राम्य विकास आयुक्त गौरी शंकर प्रियदर्शी, निदेशक जनजाति विकास शिव प्रसाद, उपनिदेशक डा. प्रियंका वर्मा आदि उपस्थित रहे।

संक्षेप

मामा के यहां से अपने घर के लिए निकला किशोर रास्ते में ही रहस्यमय ढंग से लापता

अमन लेखनी समाचार

बांगरमऊ, उन्नाव। मामा के यहां से अपने घर के लिए निकला किशोर रास्ते से ही रहस्यमय ढंग से लापता हो गया। मामा की तहरीर पर पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज कर किशोर की खोज में जुट गई है। फतेहपुर चौरासी थाना क्षेत्र के गांव परशुराम पुर निवासी यशपाल सिंह पुत्र विजयपाल सिंह ने पुलिस को तहरीर देकर कहा है कि उसका 13 वर्षीय भांजा अंशू बीते 4 दिसंबर को अपने घर हरपालपुर हरदोई जाने के लिए निकला था। उसके बाद करीब 11 बजे नानामऊ तिराहे से रोडवेज बस में बैठ गया था। किंतु वह अपने घर नहीं पहुंच सका। नाते-रिश्तेदारों के यहां पता लगाने के बावजूद अभी तक किशोर का कोई सुराग नहीं लग पाया है। मामा यशपाल सिंह की तहरीर पर पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज कर विधिक कार्यवाही शुरू कर दी है।

अनियंत्रित ट्रैक्टर चालक ने बाइक सवार को मारी टक्कर दंपति घायल

अमन लेखनी समाचार

उन्नाव। आसीवन थाना क्षेत्र में शुक्रवार लखनऊ बांगरमऊ अनियंत्रित ट्रैक्टर चालक ने बाइक में टक्कर मार दी जिससे बाइक सवार पति-पत्नी घायल हो गए जिन्हें इलाज के लिए मियागंज अस्पताल में भर्ती कराया गया। बरौंकी गांव निवासी राम शंकर शुक्रवार दोपहर पत्नी बीनू के साथ दवा लेने के लिए मियागंज अस्पताल जाने के लिए निकला था इसी बीच कुलहा अटौरा और मुशीरा बाद गांव के पास अनियंत्रित ट्रैक्टर चालक ने बाइक में कट मार दी जिससे पति-पत्नी घायल हो गए जिन्हें ग्रामीणों ने इलाज के लिए मियागंज अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

महिला ने ग्राम प्रधान समेत उनके साथियों पर लगाया गाली गलौज करने का आरोप

अमन लेखनी समाचार

सुमेरपुर, उन्नाव। बारा सगवर थाना क्षेत्र के गांव अलीपुर निवासी कलावती पत्नी अर्जुन सिंह ने एस पी को पत्र देकर गांव प्रधान व उनके भाई तथा सहयोगी लोगों के ऊपर रंजिश बस गाली गलौज जान से मारने की धमकी देने का आरोप लगा न्याय की गुहार लगाई है। शुक्रवार को पुलिस अधीक्षक को दिए गए पत्र में अलीपुर निवासी कलावती ने आरोप लगाया कि वर्तमान ग्राम प्रधान धीरेंद्र उर्फ अतुल सिंह तथा भाई शैलेंद्र प्रताप सिंह पुत्र भीम सिंह निवासी अलीपुर लंबे अरसे से रंजिश मानते आ रहे हैं। ग्राम प्रधान धीरेंद्र भाई शैलेंद्र तथा उनके गांव के ही निवासी साथी जितेंद्र सिंह, धर्मेंद्र सिंह, जागेंद्र सिंह पुत्र गुलाब सिंह आए दिन मेरे दो पुत्रों शरद तथा अवनीश को जान से मारने की धमकी देते हैं। पीड़िता ने एस पी को बताया कि बारा सगवर थाने में कई बार ग्राम प्रधान धीरेंद्र व उनके सहयोगियों के विरुद्ध शिकायत की लेकिन राजनीतिक पहुंच के चलते आज तक कोई कार्यवाई नहीं हुई। पीड़िता ने एसपी से न्याय की गुहार लगाई है।

परीक्षा के लिए 122 केंद्र पर प्रस्तावित, हाई स्कूल में 39 508, इंटर में 32165 परीक्षार्थी करेंगे प्रतिभाग

अमन लेखनी समाचार

उन्नाव। जिलाधिकारी गौरांग राठी की अध्यक्षता में उत्तर प्रदेश माध्यमिक शिक्षा परिषद, प्रयागराज द्वारा आयोजित होने वाली हाईस्कूल / इण्टरमीडिएट परीक्षा वर्ष 2026 को नकल विहीन सकुशल शांति पूर्ण शुचिता पूर्ण कराये जाने के दृष्टिगत कलेक्ट्रेट के पन्ना लाल सभागार में बैठक आयोजित की गई। इस अवसर पर जिलाधिकारी ने जिला विद्यालय निरीक्षक से परीक्षा को सकुशल शांतिपूर्ण नकल विहीन पारदर्शी व सुचिता पूर्ण कराए जाने के निर्देश दिया उन्होंने कहा की परीक्षा में किसी भी प्रकार के लापरवाही ना हो गंभीरता से लिया जाए। जिलाधिकारी ने कहा कि सभी केंद्रों पर सीसीटीवी कैमरे अवश्य लगे हों और इसकी मॉनिटरिंग जिम्मेदार अधिकारी द्वारा किया जाए। जिलाधिकारी ने कहा कि सभी परीक्षा केंद्रों पर मूलभूत सुविधाएं फर्नीचर प्रकाश पेयजल की सुविधा होनी चाहिए। जिलाधिकारी ने जिला विद्यालय निरीक्षक को निर्देशित करते हुए कहा कि सभी केंद्रों पर यह सुनिश्चित कराया जाए की बालक और बालिका का अलग अलग शौचालय हो। जिलाधिकारी ने कहा कि स्ट्रांग रूम जहां पर प्रश्न पत्र रखे जाने हैं सुरक्षा में किसी भी प्रकार के लापरवाही ना हो। सीसीटीवी कैमरे संचालित रहने चाहिए। बोला सीसीटीवी की मानीटरिंग ठीक ढंग से हो। जिलाधिकारी ने कहा कि महत्वपूर्ण पेपरों पर सभी परीक्षा केंद्रों पर विशेष ध्यान रखा जाए उसे दिन कड़ी मॉनिटरिंग किया जाए। कहा की विद्यालय में अग्निशमन उपकरणों की व्यवस्था हो। डीवी आर में न्यूनतम 30 दिन की रिकॉर्डिंग अवश्य हो। परीक्षा केंद्र की इंटरनेट के माध्यम से लाइव मॉनिटरिंग करने हेतु वेब कास्टिंग के निमित्त राउटर हाई स्पीड नेट की व्यवस्था पहले से कर लिया जाए। कहा कि विद्यालय में शुद्ध पेयजल एवं शौचालय की व्यवस्था ठीक हो। जिलाधिकारी ने कहा कि प्रश्न पत्रों की गोपनीयता में किसी भी प्रकार की लापरवाही न हो। विद्यालय में प्रश्न पत्रों उत्तर पुस्तिकाओं की सुरक्षा हेतु स्ट्रांग रूम एवं सुरक्षित अलमारी की व्यवस्था। जिला विद्यालय निरीक्षक सुनील दत्त ने बताया कि जनपद में 122 परीक्षा केंद्र प्रस्तावित हैं जिसमें 10 राजकीय 50 अशासकीय सहायता प्राप्त एवं 62 वित विहीन विद्यालय हैं हाई स्कूल में कुल 39 508 इंटर में कुल 32 166 परीक्षार्थी परीक्षा में प्रतिभाग करेंगे। बैठक के अवसर पर ज्वाइंट मजिस्ट्रेट सौर सिंह अरोड़ा जिला विद्यालय निरीक्षक सुनील दत्त जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी सहित अन्य संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

चंडीगढ़ यूनिवर्सिटी परिसर में दो छात्र गुटों के बीच जमकर हुई मारपीट

अमन लेखनी समाचार

उन्नाव। अजगैन थाना क्षेत्र स्थित चंडीगढ़ यूनिवर्सिटी परिसर में दो छात्र गुटों के बीच हिंसक झड़प हुई है। इस घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। फुटेज में दर्जनों छात्र एक-दूसरे पर लात-घूंसों और डंडों से हमला करते दिख रहे हैं। बताया जा रहा है कि यह घटना एक दिन पहले की है। सूत्रों के अनुसार, यह विवाद किसी पुरानी रंजिश या आपसी कहासुनी को लेकर शुरू हुआ, जो जल्द ही मारपीट में बदल गया। देखते ही देखते दोनों गुटों के कई छात्र इकट्ठा हो गए और परिसर में तनावपूर्ण स्थिति बन गई। वायरल वीडियो में कुछ छात्रों को गंभीर रूप से चोटिल होते भी देखा जा सकता है। हालांकि, यूनिवर्सिटी प्रशासन ने अभी तक इसकी आधिकारिक पुष्टि नहीं की है। इस घटना के सामने आने के बाद यूनिवर्सिटी प्रबंधन और उसकी सुरक्षा व्यवस्था पर सवाल उठ रहे हैं। छात्रों के बीच इतनी बड़ी संख्या में हुई मारपीट से यह स्पष्ट होता है कि मौके पर सुरक्षाकर्मी या तो पर्याप्त नहीं थे, या उन्होंने समय रहते हस्तक्षेप नहीं किया। कई छात्रों ने सोशल मीडिया पर परिसर की कमजोर सुरक्षा व्यवस्था को लेकर शिकायतें भी की हैं। सूचना मिलने पर स्थानीय पुलिस हरकत में आ गई है। अजगैन थाने की पुलिस ने बताया कि वायरल वीडियो की जांच की जा रही है। घटना के समय और परिसर के सटीक स्थान की पुष्टि के लिए यूनिवर्सिटी प्रशासन से जानकारी मांगी गई है। पुलिस ने यह भी कहा कि यदि कोई तहरीर मिलती है, तो मुकदमा दर्ज कर उचित कानूनी कार्रवाई की जाएगी। वीडियो में दिख रहे छात्रों की पहचान की जा रही है। यूनिवर्सिटी प्रशासन ने भी मामले की आंतरिक जांच शुरू कर दी है। कैंपस अधिकारियों के अनुसार, विवाद के कारणों और मारपीट की शुरूआत कैसे हुई, इसका पूरा ब्यौरा जुटाया जा रहा है। उन्होंने आश्वासन दिया कि दोषी पाए जाने वाले छात्रों के खिलाफ कठोर अनुशासनात्मक कार्रवाई की जाएगी। घटना के बाद छात्र और अभिभावक दोनों ही चिंतित हैं। कई लोगों का कहना है कि शैक्षणिक संस्थानों में बढ़ती गुटबाजी और हिंसा छात्रों के भविष्य के लिए खतरनाक है। वहीं, पुलिस और प्रशासन को जल्द कार्रवाई करने की जरूरत है ताकि ऐसी घटनाओं पर रोक लग सके।

अनियंत्रित बाइक पेड़ से टकराई दो युवकों की मौत

अमन लेखनी समाचार

बीघापुर, उन्नाव। कोतवाली क्षेत्र में गुरुवार देर रात एक सड़क हादसे में दो युवकों की मौके पर ही मौत हो गई। पाली मार्ग पर गड़राही बाग के पास तेज रफ्तार मोटरसाइकिल छुट्टा मवेशी से टकराकर अनियंत्रित हो गई और सड़क किनारे नीम के पेड़ से जा भिड़ी। मृतकों की पहचान नगर पंचायत बीघापुर के मोहल्ला आजादनगर निवासी रंजीत जगदेव उर्फ जग्गा (30) और उनके पड़ोसी गांव के दोस्त जगदेव (28) के रूप में हुई है।

राहगीरों ने दुर्घटना की आवाज सुनकर पुलिस को सूचना दी और घायलों को अस्पताल पहुंचाया, जहां डॉक्टरों ने दोनों को मृत घोषित कर दिया। जानकारी के अनुसार, दोनों युवक शाम करीब छह बजे किसी काम से घाटमपुर बाजार गए थे। रात में घर लौटते समय यह हादसा हुआ। परिजनों ने बताया कि दोनों को सिर और शरीर के कई हिस्सों में गंभीर चोटें आई थीं, जिससे उनकी मौके पर ही मौत हो गई। घटना की सूचना मिलते ही दोनों युवकों के परिवारों में शोक छा गया। रंजीत मजदूरी कर अपने परिवार का भरण-पोषण करते थे और उनका एक दो साल का बेटा भी है।

जगदेव के परिवार में भी गहरा दुख है, उनकी पत्नी उर्मिला और बच्चों को सांत्वना दी जा रही है। ग्रामीणों ने बताया कि पाली मार्ग पर छुट्टा मवेशियों की संख्या लगातार बढ़ रही है, जिससे दुर्घटनाओं का खतरा बना रहता है। स्थानीय लोगों ने प्रशासन से इस समस्या पर नियंत्रण की मांग की है। पुलिस ने दोनों शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है और मामले की जांच शुरू कर दी है। प्राथमिक जांच में हादसा तेज रफ्तार और अचानक सड़क पर आए मवेशी के कारण हुआ बताया जा रहा है।

रामलीला महोत्सव में लक्ष्मण परशुराम लीला का किया गया मंचन

अमन लेखनी समाचार

उन्नाव। अचलगंज लक्ष्मण द्वारा शिव के धनुष की तुलना छोटे धनुओ से करने पर क्रोधित परशुराम ने कहा कि लक्ष्मण तुम भगवान शंकर के महान अजगव की तुलना तुक्छ धनुही से कर रहे हो। हमको लगता है कि अपने काल को सामने देख कर अनाप शनाप बोल रहे हो। जाओ अभी बालक हो अपने गुरु विश्वामित्र से पूछो कि इस फरसे से मैने कितने राजाओं के मस्तक काट कर भगवान शिव को अर्पित किया हैं। बदरका के प्राचीन ठाकुर द्वारा मंदिर प्रांगण में चल रही 251वे रामलीला महोत्सव के पर गुरुवार को धनुष यज्ञ लीला का मंचन हुआ जिसमें राम ,लक्ष्मण , विश्वामित्र व सीता के दर्शन करने वालो का हुजूम दिखा। लोगो ने जनक विलाप, रावण बाणासुर संवाद , व लक्ष्मण ,परशुराम संवाद की खूब सराहना की। मान्यता है कि शरद पूर्णिमा के अवसर पर आयोजित सामरोह के अवसर पर मंदिर ने विराजित भगवान राम लक्षण व माता सीता, के विग्रह अभिनय करने वाले बाल कलाकारों के रूप में स्वयं सजीव होकर जन मानस को दर्शन देने आते है इसीलिए इस अवसर पर दूर दूर से लोग भगवान की सजीव झांकी के दर्शन करने आते है। अभिनय करने वाले कलाकार गांव के ही युवक रहे जिसमें राम का गोलू शुक्ला, लक्ष्मण भोला मिश्रा, तथा परशुराम का अभिनय अरविंद अवस्थी ने किया । जनक का अभिनय सोनू , रावण का गुड्डन शुक्ला, व बाणासुर का अमर किशोर अवस्थी, विश्वामित्र का अभिनय छोटी दीक्षित ने किया। राजाओ का किरदार प्रीतू शुक्ला ,मोहित मिश्रा, छोटी मिश्रा, व मोगली अवस्थी ने निर्वहन किया। कार्यक्रम में भाजपा विधायक पंकज गुप्ता, विधायक आशुतोष शुक्ला, भाजपा जिला अध्यक्ष अनुराग अवस्थी अखिल गुप्ता, ने पहुंच कर भगवान की झांकी के दर्शन किए। महंत सीताराम तिवारी ने आए हुए लोगों का आभार व्यक्त किया।

ग्राम सचिवों ने ऑनलाइन हाजिरी को लेकर सहायक विकास अधिकारी को सौपा ज्ञापन

अमन लेखनी समाचार

असोहा, उन्नाव। आन लाइन उपस्थिति प्रणाली एवम मूल विभागीय दायित्वों के अतिरिक्त कार्यो को लेकर ग्राम पंचायत अधिकारियों ने किया धरना। आज ब्लॉक मुख्यालय पर प्रदेश स्तरीय पंचायत सचिव संगठन के आह्वान पर ग्राम पंचायत अधिकारियों ने ऑनलाइन उपस्थिति प्रणाली एवं अन्य विभागों का कार्य जबरन ग्राम सचिवों से कराने के विरोध में काला फीता बांधकर प्रतीकात्मक प्रदर्शन करते हुए सहायक विकास अधिकारी पंचायत को दिया ज्ञापन ग्राम सचिवों का कहना है कि ऑनलाइन उपस्थिति प्रणाली ग्रामीण क्षेत्रों की कार्यप्रणाली के अनुकूल नहीं है और इससे फील्ड वर्क तथा पंचायत के नियमित कार्यों पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ेगा। साथ ही अन्य विभागों का अतिरिक्त कार्य सचिवों पर अनावश्यक भार डाल रहा है। ग्राम विकास अधिकारी संघ के अध्यक्ष समीर तिवारी ने सहायक विकास अधिकारी पंचायत रमाकांत पांडे को ज्ञापन देते हुए बताया कि ऑनलाइन उपस्थिति बिल्कुल भी व्यवहारिक नही। सचिवों को सुबह से लेकर शाम तक काम करना पड़ता हैं। वे कोई एक स्थान पर बैठकर काम नही कर सकते हैं। इसके लिए फील्ड में जाना पड़ता है । सांकेतिक धरने के दौरान अमरेश कुमार, दिलीप कुमार, विनोद कुमार, शुसील कुमार , रामप्रसाद अरुण , प्रविता, प्रांजलि, रीता राजपूत , ब्रजेन्द्र सहित अन्य ग्राम विकास अधिकारी मौजूद रहे ।

पंच कुंडीय महायज्ञ में निःशुल्क कराए गए यज्ञोपवीत, विद्या एवं दीक्षा संस्कार

अमन लेखनी समाचार

पुरवा, उन्नाव। पश्चिम टोला स्थित मां आनंदेश्वरी मंदिर में गायत्री परिवार की ओर से हो रही पांच दिवसीय पचकुंडीय यज्ञ के तीसरे दिन तुसरौर के रंजीत, जोतपुर के सुयश कस्टोलवा के अभी, मोहित आदि द्विज हो गए सभी का यज्ञोपतीव संस्कार विद्वान आचार्यों ने करवाया ।सनद रहे युग परिवर्तन के अनुष्ठान में श्रम शील गायत्री परिजन लोक कल्याण के लिए आचार्य श्री पंडित श्री राम शर्मा के बताए मार्ग पर चल रहें हैं ।तृतीय दिवस पर सैकड़ों लोगों ने यज्ञ में आहुतियां दी व राष्ट्र की सुरक्षा, सम्पन्नता एवं वैभवशाली होने कामना की ।गायत्री परिवार के अनन्य भक्त एवं परिजन अधिवक्ता महेंद्र श्रीवास्तव द्वारा पुरवा नगर पंचायत के मोहल्ला पश्चिम टोला में स्थित मां अनंदेश्वरी माता मंदिर प्रांगण में 5 दिवसीय प्रज्ञा पुराण, राष्ट्र जागरण गायत्री पंचकुंडीय महायज्ञ एवं संस्कार कार्यक्रम का आयोजन कराया जा रहा है। शुक्रवार को तीसरे दिन सुबह नौ बजे से वैदिक रीति से पंचकुंडीय महायज्ञ प्रारंभ हुआ। श्रीवास्तव व उनकी धर्म पत्नी मंजुला श्रीवास्तव सहित कुल 25 लोगों ने सपत्नीक महायज्ञ में आहुतियां दी इसके अलावा अन्य लोगों ने भी हवन किया। खास यह कि पूर्व नियोजित कार्यक्रम के मुताबिक आज यज्ञोपवीत, दीक्षा ,एवं विद्यारंभ संस्कार कराए गए उल्लेखनीय है कि सभी संस्कार निःशुल्क हुए। बताते चलें कि तीन दशक से शांति कुंज हरिद्वार की सुयोग्य टीम द्वारा पुरवा में यज्ञ एवं संस्कार करवाए जातें हैं युग परिवर्तन की दिशा शांति कुंज का दीर्घ कालिक अनुष्ठान धीरे धीरे लक्ष्य की ओर बढ़ता जा रहा है तृतीय दिवस पर मुख्य रूप से शिव प्रकाश दीक्षित, निशेष कुमार गुप्ता, अनूप, जय प्रकाश, आयुषी, नंदनी, ज्योति निर्मल, अमीषा पटेल, उऋषि ,माही, रेखा, अरुणिमा, मंजुला, सोनू, विजय कुमार आदि प्रमुख रहें ।समस्त संस्कार आचार्य जय सिंह वर्मा एवं उनके सहयोगी आचार्यों की देखरेख में कराए गए। इस दौरान काफी संख्या में सनातनी उपस्थित रहे।

दो सदस्यीय टीम ने सरकारी अस्पतालों का किया निरीक्षण

अमन लेखनी समाचार

सुमेरपुर, उन्नाव। जिले स्तर पर विभिन्न स्वास्थ्य केंद्रों में चलाये जा रहे आंतरिक निरीक्षण के तहत दो सदस्यीय टीम ने तहसील बीघापुर के अस्तपतालो का निरीक्षण कर हकीकत जानी। मुख्य चिकित्सा अधिकारी द्वारा गठित दो सदस्यीय टीम में डीसीपीएम (डिस्ट्रिक्ट प्रोग्राम मैनेजर) इंतजार अहमद सिद्दकी व बीसीपीएम(ब्लॉक कमेटी प्रोग्राम मैनेजर)सुशील कुमार ने समुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पाटन, प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र सुमेरपुर, भगवंतनगर आदि का निरीक्षण कर हकीकत जानी। निरीक्षण दौरान स्टाफ, फार्मासिस्ट, लैब टेक्नीशियन, कर्मचारियो की उपलब्धता , औषधि वितरण कक्ष, कोल्ड चेन, ओपीडी रजिस्टर, लेबर रूम, एनम स्टाफ, क्रियाशील उपकरण आदि का गहन निरीक्षण किया गया। डीसी पीएम सिद्दकी ने बताया स्वास्थ्य विभाग द्वारा चलाये जा रहे दो दिवसीय इंटरनल मुहिम के तहत अस्तपतालो में कमियो आदि को दूर करने की रिपोर्ट बना शासन को प्रेषित की जाएगी।

किराए के कमरे में रह रही महिला का संदिग्ध परिस्थितियों में मिला शव

अमन लेखनी समाचार

उन्नाव। शुक्लागंज गंगाघाट कोतवाली क्षेत्र के ब्रह्मनगर मोहल्ले में गुरुवार शाम एक किराए के कमरे में 30 वर्षीय महिला का शव संदिग्ध परिस्थितियों में मिला। मृतका की पहचान कुलिका पत्नी सोनू के रूप में हुई है, जो मूल रूप से किसी अन्य जनपद की निवासी बताई जा रही है। मकान मालिक की बेटी कल्पना मिश्रा पत्नी विजय कुमार मिश्रा, निवासी किदवई नगर, कानपुर नगर ने डायल 112 पर सूचना देकर पुलिस को मौके पर बुलाया। जानकारी के अनुसार, कुलिका और उसका पति सोनू करीब 12 दिन पहले ही ब्रह्मनगर स्थित इस मकान में किराएदार के रूप में रहने आए थे। गुरुवार शाम जब मकान मालिक की बेटी घर पहुंची, तो काफी आवाज देने के बाद भी कमरे के अंदर से कोई प्रतिक्रिया नहीं मिली। संदेह होने पर उसने दरवाजा खुलवाने की कोशिश की, लेकिन कोई जवाब न मिलने पर तुरंत पुलिस को सूचना दी। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर दरवाजा खुलवाया तो कमरे के अंदर कुलिका का शव बिस्तर पर पड़ा मिला। प्रारंभिक जांच में शव पर चोट या संघर्ष जैसे किसी निशान की जानकारी नहीं मिली है, लेकिन स्थिति संदिग्ध बनी हुई है। घटनास्थल पर मृतका का पति सोनू कमरे में मौजूद नहीं था। उसका फरार होना इस मामले को और भी गंभीर तथा संदेहास्पद बना रहा है। सूचना मिलते ही थाना गंगाघाट पुलिस ने तुरंत मौके पर पहुंचकर घर को सुरक्षित किया और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि महिला की मौत किन परिस्थितियों में हुई, यह पोस्टमार्टम रिपोर्ट और फॉरेंसिक जांच के बाद ही स्पष्ट हो सकेगा। कमरे से मिले साक्ष्यों को संरक्षित कर पुलिस जांच में जुट गई है। एसपी जय प्रकाश ने भी मामले को गंभीरता से लेते हुए संबंधित टीमों को सभी पहलुओं पर गहन जांच के निर्देश दिए हैं। मृतका के पति सोनू की तलाश में पुलिस ने संभावित स्थानों पर दबिश शुरू कर दी है और उसके मोबाइल लोकेशन को भी ट्रेस किया जा रहा है। फिलहाल, सोनू का मोबाइल फोन स्विच ऑफ बताया जा रहा है।

पांचवें दिन भी जारी रहा ग्राम सचिवों का आंदोलन

अमन लेखनी समाचार

सफीपुर, उन्नाव। विकास खंड में पंचायत सचिवों का ऑनलाइन हाजिरी प्रणाली के विरोध में सत्याग्रह आंदोलन पांचवें दिन भी जारी रहा। सचिवों ने बिना पर्याप्त संसाधन उपलब्ध कराए नए सिस्टम को थोपने का विरोध किया है। समन्वय समिति के अध्यक्ष और पंचायत सचिव सिद्धांत वर्मा ने बताया कि वे काली पट्टी बांधकर कार्यालय पहुंचे और अन्य कर्मचारियों के साथ नियमित कार्य करते रहे। उन्होंने इसे 'शांतिपूर्ण विरोध' बताया। ग्राम पंचायत अधिकारी एवं ग्राम विकास अधिकारी समन्वय समिति के पदाधिकारियों ने कहा कि शासन पंचायत सचिवों से अपने निजी मोबाइल और सिम से फेशियल रिकॉग्निशन बेस्ड अटेंडेंस सिस्टम (FRA) के माध्यम से उपस्थिति दर्ज कराने की तैयारी कर रहा है। सचिवों का तर्क है कि इससे डेटा खर्च, मोबाइल हैंग होने जैसी तकनीकी बाधाएं आएंगी और उन पर आर्थिक बोझ भी बढ़ेगा। अधिकारियों ने बताया कि पंचायत सचिवों पर पहले से ही कई गैर-विभागीय कार्यों का दबाव है। इनमें फार्मर रजिस्ट्री, एग्रो स्टैक सर्वे, आयुष्मान हेल्थ कार्ड, फैमिली आईडी, विभिन्न पेंशन सत्यापन, पराली प्रबंधन और ऑपरेशन कायाकल्प जैसे कार्य शामिल हैं ।सचिवों का कहना है कि बढ़ते कार्यभार के बावजूद शासन द्वारा कोई तकनीकी सहायता, डिजिटल उपकरण या यात्रा भत्ता प्रदान नहीं किया जा रहा है। समिति के कोषाध्यक्ष सर्वेश दीक्षित ने चेतावनी दी कि यदि शासन ने इन समस्याओं पर तत्काल ध्यान नहीं दिया, तो आंदोलन और तेज होगा। उन्होंने चरणबद्ध आंदोलन की घोषणा की। इसके तहत, 5 दिसंबर से सभी सचिव शासकीय वॉट्सऐप समूहों से स्वेच्छा से बाहर हो जाएंगे। 10 दिसंबर से वे निजी वाहनों से सरकारी कार्य करना बंद कर देंगे। 15 दिसंबर को सभी सचिव अपने डोंगल ब्लॉक कार्यालय में जमा कर देंगे, जिससे ऑनलाइन कार्य पूरी तरह ठप हो सकता है। सचिवों ने स्पष्ट किया कि वे विकास कार्यों के विरोधी नहीं हैं, लेकिन बिना संसाधन उपलब्ध कराए डिजिटल दबाव डालना अनुचित है। उन्होंने प्रशासन से सभी आवश्यक तकनीकी व्यवस्थाएं उपलब्ध कराने और गैर-विभागीय कार्यों का दबाव समाप्त करने की मांग सचिवों ने स्पष्ट किया कि वे विकास कार्यों के विरोधी नहीं हैं, लेकिन बिना संसाधन उपलब्ध कराए डिजिटल दबाव डालना अनुचित है। उन्होंने प्रशासन से सभी आवश्यक तकनीकी व्यवस्थाएं उपलब्ध कराने और गैर-विभागीय कार्यों का दबाव समाप्त करने की मांग की।

दवा लेने जा रहे वृद्ध की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत

अमन लेखनी समाचार

सुमेरपुर, उन्नाव। बारा सगवर क्षेत्र में दवा लेने जा रहे वृद्ध की संदिग्ध अवस्था मे रास्ते ही मौत हो गयी। सूचना पर पहुँची पुलिस ने शव का पंचनामा कर पोस्टमार्टम हेतु भेज दिया है। थाना क्षेत्र के गांव लालमनखेड़ा निवासी कन्हई लाल पुत्र स्व० गंगा प्रसाद 70 वर्ष शुक्रवार शुबह अपनी दवा लेने के लिए पैदल ही धानीखेड़ा बाजार गए हुए थे। धानीखेड़ा पाटन मार्ग पर स्थित गंग नहर के पास उनके शव को पड़ा देख राहगीरों ने पुलिस को सूचना दी। सूचना पर पहुँची पुलिस ने शव को कब्जे में कर पोस्टमार्टम हेतु भेज दिया। परिजनों ने अज्ञात वाहन के टक्कर मार देने से हुई मौत का आरोप लगाया है। थानाध्यक्ष धर्मेंद्र नाथ मिश्रा ने बताया पोस्टमार्टम रिपोर्ट के उपरान्त ही मौत के कारणों का सही पता चल पाएगा। दिवंगत की पत्नी राजकुमारी सहित पाँच पुत्र विजय, रमेश, नरेश व मुकेश है जबकि एक पुत्र उमेश पहले ही दिवंगत हो चुका है। पूरे परिवार का रो रो बुरा हाल है।

खेत गए वृद्ध किसान को आया चक्कर हुई मौत

अमन लेखनी समाचार

उन्नाव। मांखी थाना क्षेत्र के बौनामऊ गांव निवासी वृद्ध किसान इंद्रपाल 77 गुरुवार की शाम खेत से वापस लौट रहा था इसी बीच अचानक चक्कर आया और वह नीचे गिर गया जिसे परिजन इलाज के लिए जिला अस्पताल ले गए जहां डाक्टर ने उसे मृत घोषित कर दिया बेटे की तहरीर पर पुलिस ने शव पीएम के लिए जिला अस्पताल भेज दिया मृतक के परिजनों ने किसी तरह का कोई आरोप नही लगाया है मृतक के दो बेटे सुनील व सुशील हैं पत्नी देवकी पति की मौत से आहत है मृतक खेती किसानी करता था इस सम्बंध में थाना प्रभारी योगेश कुमार सिंह ने बताया कि मृतक के बेटे ने पीएम कराने की मांग की जिस पर आवश्यक कार्यवाही करते हुए शव पीएम के लिए जिला अस्पताल भेज दिया गया है मृतक के परिजनों द्वारा किसी तरह का आरोप नहीं लगाया गया है पीएम रिपोर्ट के आधार पर कार्रवाई की जाएगी।

नशे में धुत्त ट्रक चालक ने बाइक सवार टीएसआई को मारी टक्कर

अमन लेखनी समाचार

उन्नाव। लखनऊ-कानपुर राष्ट्रीय राजमार्ग पर शुक्रवार दोपहर एक बड़ा हादसा टल गया। नशे में धुत एक ट्रक चालक ने पहले टीएसआई की बाइक में टक्कर मारी और फिर पीछा कर रहे दो अन्य पुलिसकर्मियों की बाइक को भी क्षतिग्रस्त कर दिया। इस घटना में टीएसआई नसरुद्दीन खान को हल्की चोटें आईं। पुलिस ने तत्परता दिखाते हुए आरोपी चालक को दौड़कर पकड़ लिया और ट्रक को जब्त कर लिया। जानकारी के अनुसार, हिमाचल प्रदेश के किशनपुर निवासी ट्रक चालक ईश्वर दास नशे की हालत में लखनऊ से कानपुर की ओर जा रहा था। जब वह गंगाघाट कोतवाली क्षेत्र के त्रिभुवन खेड़ा के पास पहुंचा, तो उसका किसी राहगीर से विवाद हो गया। मौके पर तैनात टीएसआई नसरुद्दीन खान विवाद शांत कराने पहुंचे और ट्रक को रोकने का प्रयास किया। इसी दौरान नशे में धुत ईश्वर दास ने अचानक टीएसआई की बाइक में जोरदार टक्कर मार दी, जिससे टीएसआई चोटिल हो गए। मामला बढ़ता देख जाजमऊ चौकी के दो पुलिसकर्मी भी अपनी-अपनी बाइक से मौके पर पहुंचे। उन्होंने भी ट्रक को रोकने का प्रयास किया, लेकिन आरोपी चालक ने तेज रफ्तार ट्रक उनकी बाइकों पर चढ़ा दी। इससे दोनों पुलिसकर्मियों की बाइक बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गईं। हाईवे पर अफरा-तफरी मच गई। टक्कर मारने के बाद ट्रक चालक 40 फीट रोड की तरफ भागने लगा। हालांकि, पुलिसकर्मियों ने साहस दिखाते हुए ट्रक के आगे आकर उसे रुकवाया और आरोपी को दबोच लिया। पुलिस टीम ने ट्रक को कब्जे में लेकर चालक को हिरासत में ले लिया। पुलिस के अनुसार, आरोपी चालक पूरी तरह नशे में था और उसके खतरनाक तरीके से वाहन चलाने से बड़ा हादसा हो सकता था। तीनों पुलिसकर्मियों की बाइक क्षतिग्रस्त हुई हैं, जबकि टीएसआई नसरुद्दीन खान को प्राथमिक उपचार दिया गया है। थाना गंगाघाट पुलिस ने आरोपी चालक के खिलाफ सरकारी कार्य में बाधा डालने, जान जोखिम में डालकर वाहन चलाने और अन्य गंभीर धाराओं में मुकदमा दर्ज करने की बात कही है। ड्राइवर के मेडिकल परीक्षण कराने के साथ ही घटनास्थल की वीडियोग्राफी कर साक्ष्य एकत्र किए जा रहे हैं। पुलिस पूछताछ में जुटी है कि चालक इतना नशे में कैसे था और लखनऊ से निकलते समय उसे रोका क्यों नहीं गया। घटना के बाद से हाईवे पर सुरक्षा व्यवस्था को लेकर सवाल भी उठ रहे हैं।

सम्पादकीय

अब सत्ता से सेवा की ओर सरकार

केंद्र सरकार ने पिछले एक दशक में कई बदलाव कर बड़े संदेश दिए हैं। इस बार राज्यों की राजधानियों में राज भवनों के नाम बदले जा रहे हैं। अब इन्हें राज भवन के स्थान पर 'लोक भवन' के नाम से जाना जाएगा। उत्तराखंड, पश्चिम बंगाल, त्रिपुरा, केरल, तमिलनाडु समेत कई राज्यों ने यह बदलाव कर दिया है। कई राज्यपालों ने तो खुद ही सोशल मीडिया पर इसकी जानकारी दी है। वहीं, केंद्र सरकार ने प्रधानमंत्री कार्यालय (पीएमओ) का नाम बदलकर 'सेवा तीर्थ' कर दिया है। इसके अलावा, केंद्रीय सचिवालय को 'कर्तव्य भवन' के नाम से जाना जाएगा। इन नाम बदलने के पीछे सरकार की एक बड़ी सोच छिपी है। ऐसे बदलाव साफ संदेश देते हैं कि सत्ता पद केवल लाभ उठाने के लिए नहीं, बल्कि एक बड़ी जिम्मेदारी है। ये नाम बदलाव बस दिखावे के लिए नहीं, बल्कि संदेश देते हैं कि सरकार की सोच में बड़ा बदलाव आया है। यह दर्शाता है कि सरकार जनता की सेवा करने वाली है, न कि सिर्फ सत्ता चलाने वाली। अब यह बदलाव केवल पीएमओ, राज भवनों का नाम बदलने तक ही सीमित नहीं है, बल्कि इसका प्रदर्शन पहले भी कई अवसरों पर दिखाई दे चुका है। इससे पहले राजपथ का नाम बदलकर 'कर्तव्य पथ' किया गया था। पीएम का आधिकारिक निवास भी 'रेस कोर्स रोड' कहलाता था, जिसे 2016 में बदलकर 'लोक कल्याण मार्ग' किया गया था। अब पीएमओ के अफसरों ने कहा कि 'सार्वजनिक संस्थानों में बड़ा बदलाव हो रहा है। सरकार सत्ता से सेवा की ओर बढ़ रही है। ये बदलाव प्रशासनिक नहीं, सांस्कृतिक हैं।' बता दें कि केंद्रीय गृह मंत्रालय ने पिछले साल राज्यपालों के सम्मेलन में कहा था कि राज भवन नाम औपनिवेशिक मानसिकता को दर्शाता है। इसलिए राज्यपालों और उप-राज्यपालों के कार्यालयों को अब 'लोक भवन' और 'लोक निवास' के नाम से जाना जाएगा। वहीं, अब पीएम नरेंद्र मोदी का दफ्तर (पीएमओ) भी 78 साल पुराने साउथ ब्लॉक से निकलकर 'सेवा तीर्थ' नाम वाले नए एडवांस कैंपस में शिफ्ट होने जा रहा है। यह बदलाव सेंट्रल विस्टा री डेवलपमेंट प्रोजेक्ट का बड़ा हिस्सा है। अब पीएमओ सेवा तीर्थ-1 से काम करेगा, सेवा तीर्थ-2 में कैबिनेट सचिवालय होंगे, जबकि सेवा तीर्थ-3 में राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार (एनएसए) का दफ्तर होगा। इन बदलावों के पीछे पीएम मोदी की सोच है जो जन सेवा के लिए उनके दीर्घकालिक दृष्टिकोण को परिलक्षित करती है। पिछले एक दशक में कई मौकों पर इसका परिचय मिला है। शुरुआत खुद ही प्रधानमंत्री आवास के पते से हुई थी, जब दशकों से चले आ रहे पते को बदला गया था। पहले प्रधानमंत्री का सरकारी आवास सात रेसकोर्स रोड के नाम से जाना जाता था, लेकिन नरेंद्र मोदी के प्रधानमंत्री बनने के बाद 2016 में इसका नाम बदल कर लोक कल्याण मार्ग किया गया। इसके पीछे जनता की सेवा और कल्याण का उद्देश्य है। प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में सरकारी कार्यस्थलों और सार्वजनिक स्थलों के नामकरण से कर्तव्य और पारदर्शिता की भावना प्रकट होती है। इसके पीछे का संदेश यही है कि सरकार का काम है जनता की सेवा करना, न कि सिर्फ सत्ता का सुख भोगना।

संचार साथी

दिनेश शर्मा 'दिनेश'

सुरक्षा कवच या निजता पर निगरानी

इस बार संसद में पक्ष और विपक्ष के बीच जारी चर्चा का केंद्र-बिंदु बना है हमारा मोबाइल फोन। दरअसल, संसद के वर्तमान सत्र में सरकार द्वारा 'संचार साथी' एप को देश के हर स्मार्टफोन में अनिवार्य बनाने का प्रस्ताव एक ऐसे विमर्श को जन्म दे रहा है, जो आधुनिक भारत में तकनीक और नागरिक अधिकारों के बीच के संवेदनशील द्वंद्व का कारण बन गया है। पर यह भी ध्यान में रखना आवश्यक है कि संचार साथी का यह विमर्श केवल एक एप का विवाद नहीं, बल्कि भारत के उस भविष्य की रूपरेखा है जहां हमें तय करना है कि हम तकनीक के साथ कितनी आजादी, कितनी सुरक्षा और कितनी निजता के साथ जीना चाहते हैं।

देश की सबसे बड़ी पंचायत यानी संसद भवन के गलियारों में आज जो कोलाहल गूंज रहा है, उसका सरोकार किसी सरहद के तनाव या सियासी बिसात से नहीं, बल्कि उस धड़कन से है जो हमारी जेब में धड़कती है। इस बार संसद में पक्ष और विपक्ष के बीच जारी चर्चा का केंद्र-बिंदु बना है हमारा मोबाइल फोन। दरअसल, संसद के वर्तमान सत्र में सरकार द्वारा 'संचार साथी' एप को देश के हर स्मार्टफोन में अनिवार्य बनाने का प्रस्ताव एक ऐसे विमर्श को जन्म दे रहा है, जो आधुनिक भारत में तकनीक और नागरिक अधिकारों के बीच के संवेदनशील द्वंद्व का कारण बन गया है। यह मुद्दा महज एक एप्लीकेशन को डाउनलोड करने का नहीं, बल्कि उस लक्ष्मण रेखा का है जो राज्य की शक्ति और नागरिक की निजता के बीच खिंची होनी चाहिए। इस डिजिटल युग में, जहां डेटा ही नया ईंधन है, हमारा स्मार्टफोन वह तिजोरी बन गया है जिसमें हम अपने जीवन के सबसे निजी पन्ने, अपनी आर्थिक कुंजी और अपनी पहचान सहेजकर रखते हैं।

विडंबना यह है कि आज यही तिजोरी सबसे अधिक असुरक्षित है। जामताड़ा के बीहड़ों से लेकर मेवात की गलियों तक, और अब देश के सुदूर कोनों से संचालित साइबर अपराधों ने आम आदमी के जीवन को एक अनजाने भय से भर दिया है। सुरक्षा एजेंसियां जब तक घटित हुए अपराध निदान निकालती हैं, तब तक अपराधी नए रास्ते खोज लेते हैं। इसी पृष्ठभूमि में सरकार 'संचार साथी' को एक 'केंद्रीयकृत डिजिटल प्रहरी' के रूप में प्रस्तुत करना चाहती है। इसे एक ऐसी व्यवस्था माना जा रहा है जो अपराध के घटित होने की प्रतीक्षा नहीं करती, बल्कि उसे अंकुरित होने से पहले ही कुचल देने का दावा करती है। इस ऐप की कार्यप्रणाली को समझना किसी विज्ञान-गल्प कथा के सच होने जैसा है। सरकारी दावों के अनुसार, यह ऐप 'एक्स' नामक कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) प्रणाली से संचालित होगा। यह तकनीक किसी जादुई आईने की तरह काम करेगी, जो सेकंडों में पहचान लेगी कि कहीं किसी अपराधी ने फर्जी दस्तावेजों के सहारे सिम तो नहीं लिया है। यदि कोई व्यक्ति चेहरे बदलकर या नाम बदलकर ठगी का जाल बुनता है, तो 'एक्स' उसके चेहरे का मिलान डेटाबेस से करते ही उन सभी नंबरों को तत्काल ब्लॉक कर देगा। यह प्रक्रिया इतनी त्वरित होगी कि अपराधी को संभलने का अवसर ही नहीं मिलेगा। मोबाइल चोरी, जो एक आम समस्या बन चुकी है, उसके लिए प्रस्तावित 'किल स्विच' भी एक क्रांतिकारी कदम बताया जा रहा है।

अब तक अपराधी आईएमईआई नंबर बदलकर फोन बेच देते थे, लेकिन इस नई व्यवस्था में फोन के हार्डवेयर हस्ताक्षर को सीधे नेटवर्क से जोड़ दिया जाएगा। छेड़छाड़ का तनिक भी संकेत मिलते ही फोन हार्डवेयर स्तर पर लॉक हो जाएगा और वह महंगा उपकरण महज कांच और प्लास्टिक के एक बेजान टुकड़े में बदल जाएगा। सरकार का मानना है कि जब चोरी किए गए फोन का कोई मूल्य ही नहीं बचेगा, तो चोरी की घटनाएं स्वतः समाप्त हो जाएंगी।

कल्पना कीजिए एक ऐसे अभेद्य सुरक्षा चक्र की, जहां हर कॉल सत्यापित हो, जहां 'घोस्ट सिम' का अस्तित्व न हो और जहां हम फर्जी संदेशों के जाल में फंसने से बचे रहें। निस्संदेह, एक सुरक्षित डिजिटल

भारत की यह तस्वीर अत्यंत मोहक है। किंतु, सुरक्षा के इस सुनहरे आवरण के पीछे निजता का एक घना और गहरा साया भी मंडरा रहा है और यही वह बिंदु है जिसने संसद से लेकर सड़क तक चिंता की लकीरें खींच दी हैं। एक अनिवार्य सरकारी ऐप, जो दिन-रात हमारे फोन में जागता रहे और हमारी गतिविधियों पर दृष्टि रखे, राज्य को एक असाधारण और असीमित शक्ति प्रदान करता है। कॉल लॉग्स, संदेश और लोकेशन- इन तक पहुंच की अनुमति भले ही सुरक्षा के नाम पर ली जाए, लेकिन इतिहास गवाह है कि निगरानी की शक्ति का दुरुपयोग अकसर राजनीतिक विरोधियों, पत्रकारों और असहमत स्वरों को दबाने के लिए किया जाता रहा है।

क्या हम एक ऐसे निगरानी घर (पेनोप्टिकॉन) का निर्माण तो नहीं कर रहे, जहां नागरिक हर पल संदेह के घेरे में होगा? इसके साथ ही, डेटा सुरक्षा का प्रश्न मुंह बाए खड़ा है। यदि सौ करोड़ से अधिक भारतीयों का रियल-टाइम डेटा एक केंद्रीय सर्वर पर एकत्र होता है, तो वह दुनिया का सबसे विशाल और संवेदनशील डेटाबेस होगा जो हैकर्स के लिए किसी 'सोने की खान' से कम नहीं होगा। आधार लीक और सरकारी पोर्टलों पर हुए पिछले हमलों ने यह सिद्ध किया है कि सरकारी साइबर सुरक्षा अभेद्य नहीं है। ऐसे में एक भी सेंध का अर्थ होगा - समूचे राष्ट्र की निजता का पतन। यह तकनीकी भाषा में 'विफलता का एकल बिंदु' (सिंगल पॉइंट ऑफ फेलियर) है, जो अत्यंत जोखिम भरा है। व्यावहारिक धरातल पर भी चुनौतियां कम नहीं हैं। भारत की एक बड़ी आबादी आज भी सीमित क्षमता वाले सस्ते स्मार्टफोन पर निर्भर है। क्या एक साधारण ग्रामीण का फोन इस 'हाई-टेक' पहरेदार का बोझ उठा पाएगा? परंतु, इन सबसे ऊपर एक दार्शनिक प्रश्न गूंज रहा है- लोकतंत्र 'विश्वास' के अनुबंध पर चलता है या 'संदेह' की बुनियाद पर? राज्य का दायित्व नागरिकों को सुरक्षा देना है, उनकी सांसों की गिनती रखना नहीं। सरकार का यह तर्क कि 'चूंकि आप अपनी सुरक्षा करने में सक्षम नहीं हैं, इसलिए हमें आपके घर (फोन) के भीतर आकर पहरा देना होगा,' आपातकाल में तो स्वीकार्य हो सकता है, लेकिन सामान्य जनजीवन में यह व्यक्तिगत स्वतंत्रता की मूल भावना पर प्रहार अनुभव हो रहा है। सर्वोच्च न्यायालय ने निजता को मौलिक अधिकार माना है, ऐसे में किसी एप को 'अनिवार्य' बनाना संवैधानिक कसौटी पर कितना खरा उतरेगा, यह देखना शेष है।

संचार साथी पर जारी इस मंथन ने हमें दोराहे पर खड़ा कर दिया है। एक रास्ता पूर्ण सुरक्षा का है, जहां अपराध के लिए कोई जगह नहीं होगी और दूसरा रास्ता निगरानी का है, जहां स्वतंत्रता के लिए कोई जगह नहीं। समाज किस दिशा में जाएगा, यह तकनीक नहीं, बल्कि उसकी नियत तय करेगी। यदि सरकार वास्तव में नागरिकों की हितैषी है, तो उसे पारदर्शिता का मार्ग चुनना होगा। एप को 'ओपन सोर्स' किया जाए ताकि विशेषज्ञ उसकी जांच कर सकें, डेटा सुरक्षा के कड़े कानून बनें, और सबसे महत्वपूर्ण- इसे बाध्यकारी बनाने के बजाय इसकी उपयोगिता सिद्ध करके नागरिकों को इसे स्वेच्छा से अपनाने के लिए प्रेरित किया जाए। सुरक्षा अनिवार्य है, किंतु स्वतंत्रता उसकी आहुति नहीं हो सकती। बेशक साइबर सुरक्षा को लेकर कोई विवाद अथवा समझौता नहीं होना चाहिए। क्योंकि वर्तमान में साइबर सुरक्षा को लेकर कदम उठाना बहुत आवश्यक हो गया है। पर यह भी ध्यान में रखना आवश्यक है कि संचार साथी का यह विमर्श केवल एक एप का विवाद नहीं, बल्कि भारत के उस भविष्य की रूपरेखा है जहां हमें तय करना है कि हम तकनीक के साथ कितनी आजादी, कितनी सुरक्षा और कितनी निजता के साथ जीना चाहते हैं।

दिवस विशेष

डॉ. रमेश ठाकुर

दिव्यांगों के लिए लड़नी होगी सामूहिक रूप से लड़ाई

अंतरराष्ट्रीय दिव्यांग दिवस, विश्व भर के दिव्यांगजनों को सम्मान देने और उनके वैश्विक स्वास्थ्य सेवा के लिए समर्पित माना जाता है। शुरुआत 1992 में संयुक्त राष्ट्र महासभा द्वारा की गई थी। आज 33वां संस्करण समूचे संसार में मनाया जा रहा है। हर साल 3 दिसंबर को विभिन्न वैश्विक और स्थानीय संगठन, समाज के हर स्तर पर विकलांग व्यक्तियों के अधिकारों, सम्मान और कल्याण को बढ़ावा देने के लिए एक मंच पर जुटते हैं। भारत सरकार द्वारा अक्षमों को दिव्यांग कहा जाता है। उनको स्वावलंबी बनाने के लिए तमाम तरह की कल्याणकारी योजनाएं भी चलाई जा रही हैं। साथ ही प्रत्येक सरकारी विभाग में उनके लिए आरक्षित सीटों का प्रावधान भी केंद्र सरकार की ओर से सुनिश्चित किया हुआ है। वर्तमान में दिव्यांग दिवस का महत्व पहले से कहीं अधिक बढ़ गया है। यह न केवल दिव्यांग व्यक्तियों के योगदान को मान्यता देने का अवसर है, बल्कि समाज और सरकार को उनकी समस्याओं, जरूरतों और अधिकारों के प्रति सजग करने का भी माध्यम है। राष्ट्रीय शिक्षा नीति और दिव्यांग अधिकार अधिनियम जैसे कानून दिव्यांग व्यक्तियों की शिक्षा, स्वास्थ्य और रोजगार में बराबरी सुनिश्चित करने के लिए बनाए गए हैं। इतिहास में, दिव्यांग व्यक्ति अक्सर शिक्षा, रोजगार और सार्वजनिक जीवन में समान अवसरों से वंचित रहे हैं। इसके मद्देनजर, अंतरराष्ट्रीय दिव्यांग दिवस का महत्व केवल जागरूकता फैलाने तक सीमित नहीं है, बल्कि यह नीतिगत बदलावों और कानूनों को लागू करने की दिशा में भी एक प्रेरक शक्ति बन गया है। भारत में कई राष्ट्रीयकृत बैंक और वित्तीय संस्थान विकलांग व्यक्तियों को ऋण देते हैं। ये ऋण मुख्य रूप से राष्ट्रीय विकलांग वित्त एवं विकास निगम की योजनाओं के तहत दिए जाते हैं और कुछ बैंकों की अपनी विशेष योजनाएं भी हैं जैसे कि बैंक ऑफ इंडिया की स्टार मित्र पर्सनल लोन योजना। भारत में करीब 45 फीसदी दिव्यांगजन लोन लेकर अपना जीवन यापन कर रहे हैं। 2011 की जनगणना के मुताबिक हिंदुस्तान में करीब 2. 68 करोड़ दिव्यांगजनों की संख्या बताई गई थी जिनमें 1.50 करोड़ पुरुष और 1.18 करोड़ महिलाएं थीं। इनमें अधिकांश करीब एक तिहाई आबादी गांवों में बताई गई। गनीमन ये रही कि सफल 'पल्स पोलियो अभियान' के बाद दिव्यांगों की संख्या एकदम रुक गई। बीते दो दशकों में भारत में सिंगल केस भी सामने नहीं आया। इसे हुकूमत की बड़ी सफलताओं में गिना जाना चाहिए। वर्ष 2016 से भारत में अक्षम लोगों को नया नाम दिया गया था दिव्यांग। दिव्यांग दिवस अक्षमों विकलांग के अधिकारों और उनके कल्याण को बढ़ावा देने के अलावा उनके राजनीतिक, आर्थिक, सामाजिक और सांस्कृतिक प्रभावों के विषय में जागरूकता बढ़ाता है। 1976 में हुई संयुक्त राष्ट्र की आम सभा ने मिलकर विकलांगजनों के लिए आज का खास दिन मुकर्रर किया था। 2016 में भारत के सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्रालय ने विकलांग शब्द को हटाकर उसकी जगह दिव्यांग कहना प्रचलित करवाया था। तभी से बोलचाल की भाषा में अक्षमों को दिव्यांग कहना शुरू किया गया। वह इसलिए कि इस शब्द में सम्मान का भाव झलकता है। विश्व की बात करें तो विकलांगों की संख्या मामले में लातविया अभी भी अव्वल पायदान पर काबिज है, 41.2 आबादी दिव्यांगों की वहां वास करती है। वहीं, दूसरे स्थान फिनलैंड हैं जहां 34.9 दिव्यांग रहते हैं। आज का दिन दिव्यांगों के अधिकार, समानता और सशक्तिकरण पर ध्यान केंद्रित करने के अलावा समाज में समावेशिता और भेदभाव समाप्त करने की ललक भी पैदा करता है। देश हो, चाहे विदेश, सरकार केंद्र की हो या राज्यों की, सभी को सामुहिक रूप से दिव्यांगों के प्रति लाचारी नहीं, बल्कि उनके मुकम्मल हकों के लिए लड़ना चाहिए। अफगानिस्तान, पाकिस्तान, ईराक जैसे मुल्कों में दिव्यांगों के हालात अभी भी बदतर हैं, इसलिए दिव्यांगों के लिए अभी और समावेशी लड़ाई लड़ने की जरूरत है। हालांकि, सरकारी सुविधाओं के मिलने के बाद भारत के ज्यादातर दिव्यांगजन साहस, संकल्प के बूते सफलता के नए आयाम गढ़ रहे हैं। खेलों के विभिन्न मंचों पर पैराओलंपिक खिलाड़ी वैश्विक स्तर पर स्वर्ण अक्षरों में नया इतिहास लिख रहे हैं।

जीवन बना और बिगाड़ सकती है ये चीजें

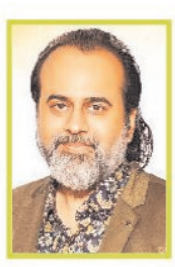

संकलित

दर्शन

आम आदमी अपने दिन का पूरा समय इन दो जगहों पर बिताता है वो है घर या फिर दफ्तर में। जैसी व्यक्ति की संगति होती है वैसी ही उसकी मति हो जाती है। इसलिए जरूरी होता है कि व्यक्ति हमेशा अपने लिए सही वातावरण चुनना चाहिए, जिससे वह सही पथ पर चले। आचार्य प्रशांत के अनुसार, एक व्यक्ति किस आधार पर विवाह करता है या फिर कैसी संगति चुनता है। यह महत्व की बात है कि वह व्यक्ति किसके साथ रह रहा है। आप चाहे विवाह करके रह रहे हो या फिर बिना विवाह करके अपना जीवन व्यय कर रहा हो। ऐसे में व्यक्ति को जरूर हमेशा याद रखना चाहिए कि वह अपने जीवनसाथी का चयन किस आधार पर कर रहा है। हर एक छोटी बात जैसे कि वह व्यक्ति अब से लगातार मेरे कमरे में रहेगा? किसके शब्द लगातार पड़ने लग गए हैं तुम्हारे कानों में? इन चीजों को याद करके ही निर्णय लेना चाहिए। क्योंकि इसी बात पर तुम्हारी जिंदगी या तो बन जाएगी या बिल्कुल बर्बाद हो जाएगी। आचार्य प्रशांत आगे कहते हैं कि यहीं बात दफ्तर के लिए है कि दिन के आठ से दस घंटे आप किन लोगों की शक्लें देखते हैं या आर अपना बॉस बोलते हो, वो यूं ही है कोई सड़क का आदमी जो तुम्हारी जिंदगी पर अब अधिकार रखने लग गया है तो तुम बर्बाद हो जाओगे। यही बात दफ्तर के माहौल पर और धंधे की प्रकृति पर लागू होती है। तुम्हारी संस्था किस तरह का व्यवसाय करती है और तुम्हारे काम में किस तरह के लोग लगे हुए हैं?

ईमानदारी और आत्म सम्मान के साथ जीएं

संकलित

प्रेरणा

एक सेठ अपने नौकर के साथ ऊंट खरीदने गया। उसने मंडी में एक ऊंट पसंद किया और उसे खरीदकर अपने घर लेकर आ गया। सेठ ने ऊंट की पीठ से गादी हटाई तो वहां एक पोटली दिखाई दी। उस पोटली में देखा तो उसमें हीरे थे। सेठ समझ गया कि ये हीरे ऊंट के पुराने मालिक के हैं, जिससे ऊंट खरीदा है। पोटली में हीरे देखकर नौकर ने कहा कि हमें तो ऊंट के साथ हीरे भी मिल गए हैं। सेठ ने नौकर से कहा कि हमने तो सिर्फ ऊंट खरीदा है, हीरे नहीं, इसलिए ये पोटली ऊंट के व्यापारी को वापस देनी होगी। अगले दिन सेठ ऊंट बेचने वाले व्यापारी के पास पहुंच गया और हीरों की थैली लौटा दी। ऊंट के व्यापारी ने कहा कि आप तो बहुत ईमानदार हैं। ये कीमती हीरे हैं, मैं रखकर भूल गया था। आपकी नीयत एकदम साफ है। अपनी ईमानदारी के लिए आप इसमें से एक हीरा रख लीजिए। सेठ ने कहा कि मुझे ये हीरा नहीं चाहिए। मैंने किसी भेंट के लिए ये पोटली आपको नहीं दी है। मेरा कर्तव्य था, मैंने आपको ये थैली दे दी। जब हीरों के मालिक ने बार-बार निवेदन किया तो सेठ ने कहा कि मैंने पहले से ही दो हीरे रख लिए हैं। ये बात सुनते ही हीरों के मालिक को गुस्सा आ गया। हीरों के मालिक ने तुरंत ही पोटली में से हीरे निकाल कर गिनना शुरू कर दिए। उस थैली में 50 हीरे थे। हीरों के मालिक ने कहा कि थैली में तो पूरे हीरे हैं, आप किन दो हीरों की बात कर रहे हैं। ऊंट खरीदने वाले सेठ ने कहा कि मेरे ये दो हीरे हैं ईमानदारी और आत्म सम्मान। ये दो हीरे मैंने पहले से बचाकर रखे हैं, इसलिए आपके पूरे 50 हीरे आपको वापस मिल गए है।

अंतर्मन

आज की पाती

क्या मजबूत विपक्ष जरूरी नहीं

संसद का शीतकालीन सत्र शुरू हो चुका है और इसमें भी हंगामे और हो-हल्ला होने के चांस हैं, लेकिन संसद में हो हल्ला न हो ऐसे कैसे हो सकता है? क्या विपक्ष सरकार की तानाशाही नीतियों का विरोध नहीं करे? सरकार कोई ऐसा बिल संसद के किसी सत्र में पास करने की कोशिश करे जो आमजन के लिए लाभदायक कम और हानिकारक ज्यादा हो, उसका विरोध विपक्ष न करे? प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने जब नोटबंदी का फैसला लिया था, तब वो कितने दिन संसद ही नहीं गए थे। शायद उनके पास इस फैसले से संबंधित विपक्ष के प्रश्नों के जवाब नहीं थे। दुनिया के सबसे बड़े लोकतंत्र में मजबूत विपक्ष की भी महत्वपूर्ण भूमिका है। नहीं तो संसद में सत्ताधारी पार्टी कोई भी मनमाना कानून पास कर देगी। - शरद काले, जगदलपुर

ट्रेंड

हार्दिक संवेदना व्यक्त

राष्ट्रपति दिसानायके से बात कर चक्रवात दित्वा से हुई दुखद जनहानि और व्यापक तबाही पर हार्दिक संवेदना व्यक्त की। एक घनिष्ठ और विश्वसनीय मित्र के रूप में, भारत इस कठिन घड़ी में श्रीलंका और उसके लोगों के साथ मजबूती से खड़ा है।

- नरेंद्र मोदी, प्रधानमंत्री

वनभूमि कब्जामुक्त होगी

असम की वनभूमि पर जितने भी अवैध रूप से कब्जा जमाए बैठे लोग हैं, उन्हें हटाने के लिए हमारी सरकार कड़ी कार्रवाई करती रहेगी। यह अभियान तब तक जारी रहेगा जब तक वनभूमि अवैध कब्जाधारियों से पूरी तरह मुक्त नहीं हो जाती।

- हिमंत बिस्वा सरमा, सीएम, असम

एसआईआर पर चर्चा

आज हमने नियम 267 के तहत जो नोटिस दिया है, सदन में उसका उद्देश्य बताया जाना चाहिए। ये परंपरा रही है। हमारी अपील है कि एसआईआर पर तत्काल चर्चा होनी चाहिए। ये बहुत ही गंभीर मुद्दा है, क्योंकि देश में बीएलओज की जान जा रही है। हम इस मुद्दे पर चर्चा करने को तैयार हैं।

- मल्लिकार्जुन खड़गे, कांग्रेसाध्यक्ष

उद्यमियों से प्रार्थना

सपने आप अकेले पूरे नहीं करते। जिस समाज ने हमें खड़ा किया, उसे कुछ लौटाना हमारी जिम्मेदारी है। यही मेरी सारे उद्यमियों से भी प्रार्थना है। आगे बढ़ रहे हो? बहुत अच्छा। अपने साथ लोगों को भी बढ़ाते चलो। यही असली विकास है।

- अनिल अग्रवाल, उद्यमी

करंट अफेयर

ट्रंप के हृदय और पेट का एमआरआई सामान्य

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के चिकित्सक ने कहा कि राष्ट्रपति का अक्टूबर में एहतियात के तौर हृदय और पेट का एमआरआई स्कैन कराया गया था जिसके परिणाम 'पूरी तरह सामान्य' पाए गए हैं। अमेरिकी राष्ट्रपति के आधिकारिक आवास एवं कार्यालय व्हाइट हाउस द्वारा चिकित्सक की ओर से जारी एक मेमो में यह जानकारी दी गयी है। डॉ. शॉन बारबाबेला ने सोमवार को एक बयान में कहा कि ट्रंप की शारीरिक जांच में 'एडवांस्ड इमेजिंग' शामिल थी, जो कि ट्रंप की आयु वर्ग के व्यक्तियों के लिए 'मानक शारीरिक परीक्षण' का हिस्सा है। डॉ बारबाबेला ने निष्कर्ष निकाला कि हृदय और पेट की इमेजिंग 'एकदम सामान्य' है।

ऑफ बीट

ब्रह्माण्ड स्वयं को क्यों खंडित कर रहा है?

ब्रह्मांड किससे बना है? यह प्रश्न सैकड़ों वर्षों से खगोलविदों को उद्वेलित करता रहा है। पिछली एक चौथाई सदी से, वैज्ञानिकों का मानना है कि परमाणु और अणु जैसी 'सामान्य' चीजें जो आपको, मुझे, पृथ्वी और लगभग हर चीज को बनाती हैं जिसे हम देख सकते हैं, ब्रह्मांड का केवल 5 प्रतिशत हिस्सा है। अन्य 25 प्रतिशत 'डार्क मैटर' है, एक अज्ञात पदार्थ जिसे हम देख नहीं सकते हैं लेकिन हम यह पता लगा सकते हैं कि यह गुरुत्वाकर्षण के माध्यम से सामान्य पदार्थ को कैसे प्रभावित करता है। 1998 में खोजा गया, यह ऊर्जा का एक अज्ञात रूप है जिसके बारे में माना जाता है कि यह ब्रह्मांड का लगातार बढ़ती दर से विस्तार कर रहा है।

संक्षेप

ओएलएक्स पर शिक्षक से 19 लाख की ठगी

बिहार के मामा-भांजे समेत 3 आरोपी गिरफ्तार, बिहार में भी किया है 4 करोड़ का फ्रॉड

सुलतानपुर, ओएलएक्स के माध्यम से एक शिक्षक को 19 लाख रुपये की ठगी का शिकार बनाने वाले गिरोह के तीन सदस्यों को गिरफ्तार किया गया है। आरोपियों में बिहार के मामा-भांजे भी शामिल हैं। पुलिस के अनुसार, यह गिरोह ओएलएक्स पर कमरे किराए पर लेने के बहाने मकान मालिकों को अधिक मुनाफे का लालच देकर ठगी करता था। शिकायतकर्ता शैलेन्द्र सिंह, निवासी तुराबखानी, कोतवाली नगर, सुल्तानपुर ने ओएलएक्स पर कमरा किराए पर देने का विज्ञापन डाला था। आरोपी अजय यादव उर्फ मोहित ने उनसे संपर्क कर कमरा किराए पर लिया। बाद में अजय ने शैलेन्द्र को ट्रेडिंग और अन्य आकर्षक योजनाओं का झांसा देकर अलग-अलग माध्यमों से कुल 19 लाख रुपए ट्रांसफर करा लिए। इसमें 7 लाख रुपये मोबाइल लोन के जरिए और 12 लाख रुपये नकद शामिल थे। ठगी के बाद आरोपी फरार हो गए। मामले में साइबर क्राइम थाना, सुल्तानपुर में मुकदमा दर्ज किया गया था। पुलिस अधीक्षक कुंवर अनुपम सिंह और अपर पुलिस अधीक्षक अखंड प्रताप सिंह के निर्देश पर सीओ सिटी सौरभ सामंत के नेतृत्व में एक टीम गठित की गई।

आप सांसद संजय सिंह ने बांटे 1000 कंबल, 100 साइकिल

खुदीराम बोस जयंती पर 30वीं वर्षगांठ पर 80 सिलाई मशीनें भी वितरित

सुलतानपुर, अमर शहीद खुदीराम बोस की जयंती पर आजाद समाज सेवा समिति ने अपनी 30वीं वर्षगांठ मनाई। यह कार्यक्रम तिकोनिया पार्क में आयोजित किया गया, जिसमें सांसद संजय सिंह सहित हजारों नागरिकों, महिलाओं, छात्राओं, समाजसेवियों और जनप्रतिनिधियों ने भाग लिया। इस अवसर पर समिति ने बड़े पैमाने पर समाज सेवा कार्य किए। गरीब एवं असहाय परिवारों को 1000 कंबल वितरित किए गए। शिक्षा को बढ़ावा देने के उद्देश्य से गरीब छात्राओं को 100 साइकिलें प्रदान की गईं, जबकि महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने के लिए 80 सिलाई मशीनें बांटी गईं। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि बृजेश मिश्रा ने युवाओं को संबोधित करते हुए उन्हें नशामुक्त रहने और मोबाइल की लत से बचने की सलाह दी।

जीआरपी ने सुहेलदेव ट्रेन से बच्चा बरामद किया

गाजियाबाद में घर से पार्क के लिए निकला और लापता हो गया, परिजनों से मिलकर रोया

सुलतानपुर, जीआरपी ने सुहेलदेव एक्सप्रेस ट्रेन से एक लापता बालक को बरामद किया। यह बालक गाजियाबाद के वैशाली से लापता हुआ था और गलती से ट्रेन में बैठकर सुल्तानपुर पहुंच गया था। पुलिस की सूझबूझ से उसे परिजनों से मिलाया गया। जीआरपी सुल्तानपुर के एसओ भोला शंकर के नेतृत्व में उप निरीक्षक मो. आरिफ, कांस्टेबल अजातशत्रु पाण्डेय और कांस्टेबल कलीम खान सुहेलदेव एक्सप्रेस में नियमित जांच कर रहे थे। इसी दौरान उन्हें 12-13 साल का एक बालक गुमसुम बैठा मिला। पूछताछ में बालक ने बताया

काली पट्टी बांधकर ग्राम सचिवो ने एफआरएस व अन्य समस्याओ को लेकर दिया धरना, खण्ड विकास अधिकारी को सौंपा ज्ञापन

अमन लेखनी समाचार

बहराइच। सीमावर्ती विकासखंड नवाबगंज क्षेत्र अंतर्गत शुक्रवार को केंद्रीय नेतृत्व के आवाहन पर (ग्राम पंचायत अधिकारी/ ग्राम विकास अधिकारी)समन्वय समिति नवाबगंज बहराइच द्वारा ऑनलाइन उपस्थिति एफ०आर०एस एवं सचिवों से लिए जा रहे गैर विभागीय कार्यों के विरोध में शांतिपूर्ण सत्याग्रह आंदोलन के क्रम में 1 दिसंबर से 4 दिसंबर तक काली पट्टी बांधकर शासकीय कार्य किया जाना तथा इसके उपरांत 5 दिसंबर 2025 को ब्लॉक मुख्यालय पर ब्लॉक स्तर के समस्त सचिवों ने काली पट्टी बांधकर ब्लॉक मुख्यालय पर एक जुट होकर धरना दिया। तत्पश्चात खंड विकास अधिकारी नवाबगंज राहुल पांडे को जिलाधिकारी बहराइच के माध्यम से मुख्यमंत्री उत्तर प्रदेश सरकार लखनऊ एवं मुख्य सचिव उत्तर प्रदेश शासन लखनऊ को संबोधित एक ज्ञापन सौपा। जिसमें ग्राम पंचायत स्तर पर कार्यरत ग्राम सचिवो (ग्राम पंचायत अधिकारी एवं ग्राम विकास अधिकारी) से मूल विभागीय दायित्वों के अतिरिक्त बिना कोई संसाधन उपलब्ध कराए अन्य विभागों के कार्य लिए कार्य किए जाने व अव्यवहारिक ऑनलाइन उपस्थिति प्रणाली लागू किए जाने सहित विभिन्न समस्याओं पर प्रभावित निर्णय लिए जाने हेतु विस्तृत मांग की है। धरना के दौरान ग्राम विकास अधिकारी आनंद विक्रम ने बताया की सरकार के द्वारा जो एफ०आर०एस ऑनलाइन अटेंडेंस की मांग की गयी है। वह न्याय्योचित नही है। क्योंकि ऐसा करना सचिवों के लिए संभव नहीं है। इसी के विरोध के क्रम में आज हम सभी सचिवओ के द्वारा धरना दिया जा रहा है। सरकार से मांग है उक्त प्रकरण को सचिवों के हित को ध्यान में रखते हुए ऑनलाइन अटेंडेंस प्रक्रिया को बंद किए जाने की आवश्यकता है। वही महेश पाठक, तौसीफ अहमद आदि सचिवों ने बताया की एक सचिव के पास कई ग्राम पंचायत का प्रभार रहता है। जिसके क्रम में एक साथ कई ग्राम पंचायत में अटेंडेंस लगाना संभव नहीं है। इसलिए सरकार से हमारी मांग है सचिवो के हित को ध्यान में रखते हुए इस आदेश को सरकार द्वारा वापस लिया जाना चाहिए । वही धरने के नेतृत्व कर रहे सचिव आनंद विक्रम ने कहा कि हम सभी सचिवो के द्वारा सरकारी वाट्सएप ग्रुप को लेप्ट किया जा रहा है। दस दिसम्बर से सभी सचिव अपने निजी वाहन का प्रयोग करना बंद कर देंगे। तत्पचात यदि हमारी मांगे पूरी नही हुई तो हम सभी सचिवो के द्वारा पंद्रह दिसम्बर से अपने अपने डोंगल को ब्लॉक मुख्यालय पर जमा कर दिया जाएगा। जबतक हमारी मांगे पूरी नही होती तब तक हम सभी सचिव शांतिपूर्ण ढंग से इसी प्रकार योजना बध तरीके से आन्दोलरत रहेंगे। धरने के दौरान ग्राम पंचायत अधिकारी नवाबगंज जगजीवन राम, ग्राम विकास अधिकारी जनार्दन विश्वकर्मा, ग्राम पंचायत अधिकारी संदीप त्रिपाठी, ग्राम विकास अधिकारी अमरनाथ भास्कर, ग्राम विकास अधिकारी आनंद विक्रम, ग्राम विकास अधिकारी शिवाजी पोरवाल, ग्राम पंचायत अधिकारी घनश्याम शर्मा, ग्राम पंचायत अधिकारी मुकेश वर्मा, ग्राम पंचायत अधिकारी महेश पाठक, ग्राम पंचायत अधिकारी तौसीफ अहमद, ग्राम विकास अधिकारी आनंदपाल, ग्राम पंचायत अधिकारी दिकर्व सिंह, ग्राम विकास अधिकारी मुजम्मिल आदि मौके पर मौजूद रहे।

सड़क हादसे में घायल पति की इलाज के दौरान मौत से परिजनों में कोहराम

अमन लेखनी समाचार

शिवपुर, बहराइच। सड़क हादसे में पत्नी की मौके पर ही हुई थी मौत, घायल पति को भेजा गया था ट्रामा सेंटर लखनऊ, जहाँ इलाज के दौरान पति की भी हुई मौत, कोटवा के पास हुआ था हादसा। खबर है कि शुक्रवार सुबह करीब 7 बजे खैरीघाट थाना क्षेत्र के बरदहा बाजार निवासी घायल दिलीप पटवा की लखनऊ में इलाज के दौरान मौत हो गई। सूचना के बाद इलाके में शोक की लहर दौड़ गई। ज्ञात हो कि मंगलवार को खैरीघाट थाना क्षेत्र के बरदहा बाजार गांव निवासी दिलीप कुमार अपनी पत्नी सुमन के साथ नानपारा कॉस्मैटिक का सामान खरीदने गए हुए थे। रात करीब 8 बजे वापस लौटते वक्त कोतवाली नानपारा क्षेत्र के कोटवा गांव के समीप नहर के पास गन्ने से लोड ट्रैक्टर ट्राली ने टक्कर मार दी। हादसे में पत्नी की मौके पर ही दर्दनाक मौत हो गई थी। जबकि पति दिलीप कुमार गंभीर रूप से घायल हो गए थे। जिन्हें इलाज के लिए जिला अस्पताल ले गए थे। जहां से बेहतर उपचार के लिए लखनऊ ट्रामा सेंटर रेफर किया गया था। छोटे भाई रेनू पटवा ने बताया कि दिलीप कुमार कॉस्मैटिक का सामान गांव गांव फेरी लगाकर बेचता और परिवार का भरण पोषण करता था। मृतक दंपति अपने पीछे दो वर्ष की बेटी छोड़ गया है। दम्पति की आसमयिक मृत्यु से परिजनों में मातम छाया हुआ है।

बलात्कार के मुकदमे में नामजद अभियुक्त गिरफ्तार

अमन लेखनी समाचार/मोहम्मद कौसर

रुपईडीहा, बहराइच। पुलिस अधीक्षक जनपद बहराइच द्वारा अपराध की रोकथाम एवं वाँछित अपराधियों की गिरफ्तारी हेतु चलाये जा रहे अभियान के क्रम मे अपर पुलिस अधीक्षक (ग्रामीण) दुर्गा प्रसाद तिवारी व क्षेत्राधिकारी नानपारा पहुप सिंह के कुशल निर्देशन व प्रभारी निरीक्षक रमेश सिंह रावत के कुशल नेतृत्व में उ0नि0 जितेन्द्र यादव मय पुलिस बल द्वारा थाना स्थानीय पर पंजीकृत मु0अ0सं0 325/2025 धारा 137(2), 351(3),352,87 इठर से संबंधित नामजद अभियुक्त अर्पित गिरी पुत्र राजेश गिरी उर्फ मतोले नि0 बसभरिया दा0 कलवारी थाना रुपईडीहा जनपद बहराइच को पेशी हेतु माननीय न्यायालय सदर बहराइच रवाना किया गया

गिरफ्तार किया गया । दिनांक 05.12.2025 को अभियुक्त अर्पित गिरी उपरोक्त जो बाबागंज चौराहा से कही भागने की फिराक में था को मुखबिर खास की सूचना पर समय 10.40 बजे बाबागंज चौराहे के पास से गिरफ्तार किया गया तथा आवश्यक विधिक कार्यवाही पूर्ण कर अभियुक्त अर्पित गिरी पुत्र राजेश गिरी उर्फ मतोले नि0 बसभरिया दा0 कलवारी थाना रुपईडीहा जनपद बहराइच को पेशी हेतु माननीय न्यायालय सदर बहराइच रवाना किया गया

अभाविप के 65वें प्रांत अधिवेशन पूर्व सम्पन्न हुआ भूमि पूजन

अवध प्रांत के संघगठनात्मक जिलों की रहेंगी सहभागिता: देवाशीष

अमन लेखनी समाचार

बहराइच। शुक्रवार को अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद अवध प्रांत के बहराइच जिले में होने वाले आगामी 65वें प्रांत अधिवेशन के निमित्त अभाविप बहराइच द्वारा किसान पीजी कॉलेज के खेल मैदान में भूमि पूजन कार्यक्रम संपन्न हुआ। इस अधिवेशन में अवध प्रांत के 26 संघटनात्मक जिलों से 1500 की संख्या में प्रतिनिधि विद्यार्थी आने वाले है। वो 16,17,18व 19 को अभाविप के अलग अलग कार्यक्रमों में भाग लेंगे। जिसके उपलक्ष्य में आज भूमिपूजन बड़े ही हर्ष और उल्लास के साथ सम्पन्न हुआ।

जिसमें मुख्य रूप से अभाविप के प्रांत संगठन मंत्री अंशुल विद्यार्थी की उपस्थिति व योगदान रहा। इस भूमि पूजन कार्यक्रम में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के वरिष्ठ प्रचारक राज किशोर, विभाग प्रचारक कृष्ण कुमार, जिला कार्यवाह भूपेंद्र, विभाग प्रमुख अंजनी शुक्ला व अभाविप के समस्त पदाधिकारियों सहित कार्यकर्ता एवं जन प्रतिनिधियों के साथ साथ संभ्रांत समाज के लोगों की उपस्थित रही।

नगर पंचायत कैसरगंज के सौजन्य से सीएससी कैसरगंज को दिया इनवर्टर

अमन लेखनी समाचार

कैसरगंज, बहराइच। आकांक्षी नगर योजना कार्यक्रम के अंतर्गत सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में स्थापित स्क्रीनिंग सेंटर के लिए नगर पंचायत कैसरगंज द्वारा इनवर्टर उपलब्ध कराया गया, जिससे स्क्रीनिंग हेतु आने वाली क्षेत्र की महिलाओं को किसी भी प्रकार की असुविधा का सामना न करना पड़े। इस अवसर पर नगर पंचायत अध्यक्ष यूसुफ अली ने नगर पंचायत क्षेत्र की महिलाओं के बेहतर स्वास्थ्य हेतु हर संभव सहयोग का आश्वासन दिया।नगर पंचायत कैसरगंज के इस सराहनीय सहयोग के लिए सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र अधीक्षक डॉ. एन. के. सिंह तथा अस्पताल प्रबंधन की ओर से हार्दिक धन्यवाद ज्ञापित किया गया।

दिव्यांग छात्रों की खेल प्रतियोगिता

- 110 बच्चों ने विभिन्न स्पधाओं में दिखाया हुनर

अमन लेखनी समाचार

अमेठी जिला, भीमराव अंबेडकर स्टेडियम में दिव्यांग छात्रों के लिए एक खेल प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इसमें परिषदीय विद्यालयों के 110 दिव्यांग बच्चों ने अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया। समन्वयक समेकित शिक्षा अमेठी, शशिकांत सेन ने प्रतिभागियों को हरी झंडी दिखाकर प्रतियोगिता का शुभारंभ किया। इस प्रतियोगिता में 100 मीटर दौड़, कुर्सी दौड़, जलेबी दौड़, छूकर पहचानो, सुलेख लेखन और चित्रकला जैसी विभिन्न स्पधाएँ शामिल थीं। बच्चों ने पूरे उत्साह और जोश के साथ इन प्रतियोगिताओं में भाग लिया। प्रथम स्थान प्राप्त करने वाले प्रतिभागियों को बैग दिए गए, जबकि द्वितीय और तृतीय स्थान पर रहे विजेताओं को थाली और गिलास प्रदान किए गए। 100 मीटर दौड़ के प्राथमिक स्तर के बालक वर्ग में ऋतिक, दीपराज और सौरभ ने पहला स्थान हासिल किया, वहीं बालिका वर्ग में जानवी अव्वल रहीं। कुर्सी दौड़ के बालक वर्ग में कौशिक और बालिका वर्ग में राजनंदनी ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। जलेबी दौड़ में राज और छूकर पहचानो प्रतियोगिता में आरती सागर ने पहला स्थान प्राप्त किया। सुलेख प्रतियोगिता में सागर के आयुष और चित्रकला प्रतियोगिता में मुसाफिरखाना के अमर ने अपनी कला का उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए प्रथम स्थान प्राप्त किया। इस प्रतियोगिता का मुख्य उद्देश्य दिव्यांग बच्चों में आत्मविश्वास बढ़ाना, उनकी क्षमताओं को एक मंच प्रदान करना और समाज में समावेशी सोच को बढ़ावा देना था। आयोजन के सफल संचालन में शिक्षकों, अभिभावकों और प्रशासनिक टीम का विशेष सहयोग रहा।

जिलाधिकारी बहराइच ने किया कैसरगंज धान क्रय केंद्र का औचक निरीक्षण

धान खरीद कर लक्ष्य को जल्द से जल्द पूरा करें केंद्र प्रभारी: अक्षय त्रिपाठी बहराइच

अमन लेखनी समाचार

कैसरगंज, बहराइच। जिलाधिकारी बहराइच अक्षय त्रिपाठी ने शुक्रवार के दिन धान क्रय केंद्र नवीन गल्ला मंडी कैसरगंज का औचक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी ने केंद्र प्रभारी को सख्त दिशा निर्देश दिया कि धान खरीद में तेजी लाएं और लक्ष्य को जल्द से जल्द पूरा करें किसानों को किसी भी तरीके से परेशानी दुश्वरी नहीं होना चाहिए। आसानी के साथ उन्हें धान खरीद में तीव्रता से काम करें ताकि दूर से आने वाले किसानों को किसी भी तरह से दिक्कत ना हो। इस मौके पर उप जिलाधिकारी कैसरगंज अखिलेश कुमार सिंह नायब तहसीलदार कैसरगंज सचिन श्रीवास्तव आदि संबंधित विभाग के कर्मचारी मौजूद रहे।

भेड़िया प्रभावित क्षेत्र में हर संभव मदद : अक्षय त्रिपाठी जिलाधिकारी

अमन लेखनी समाचार

कैसरगंज बहराइच। कैसरगंज थाना क्षेत्र के अंतर्गत गुड़िया नंबर 3 भेड़िया प्रभावित क्षेत्र का शुक्रवार के दिन जिलाधिकारी बहराइच ने भ्रमण किया। बताते चलें शुक्रवार की सुबह लगभग 5:00 बजे करीब शिवानी रमेश यादव गुड़िया नंबर एक बबुरी गांव के बच्चे को भेड़िए ने हमला कर घायल कर दिया था एवं गुड़िया नंबर 3 में भी भेड़िए के हमले से लोग घायल हुए हैं। उन्हीं को देखने के लिए जिलाधिकारी बहराइच ने वन विभाग के अफसर को सख्त दिशा निर्देश दिया कि भेड़िए को जल्द से जल्द पड़कर पिंजरे में कैद किया जाए ताकि लोगों को जो दिक्कतें परेशानी हो रही है। उसे निजात मिल सके। इस मौके पर एस डी एम कैसरगंज अखिलेशकुमार सिंह नायब तहसीलदार सचिन श्रीवास्तव पुलिस प्रशासन के कर्मचारी भारी संख्या में मौके पर दल बल के साथ मौजूद रहे।

अभिषेक गुप्ता हत्याकांड में शूटरों की जमानत खारिज

पहले से जेल में मुख्य आरोपी, पूजा शकुन पांडेय और उनके पति ने कराया था मर्डर

अमन लेखनी समाचार

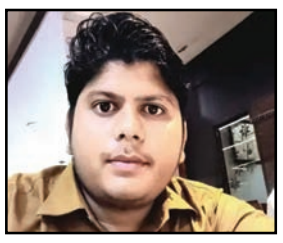

अलीगढ़, बाइक शोरूम संचालक अभिषेक गुप्ता की खेरेश्वर चौराहे पर गोली मारकर हत्या कर दी गई थी। इस मामले में दोनों शूटर मो. फजल और आसिफ को अदालत से कोई राहत नहीं मिली। जिला जज पंकज कुमार अग्रवाल की अदालत ने दोनों की जमानत अर्जी निरस्त कर दी। मुख्य आरोपी डॉ. अन्नापूर्णा भारती उर्फ पूजा शकुन पांडेय और उनके पति अशोक पांडेय पहले से जेल में हैं। खेरेश्वर चौराहे पर यह हत्याकांड 26 सितंबर की देर रात हुआ था। हाथरस के सिकंदराराऊ कस्बा कचौरा निवासी बाइक शोरूम संचालक अभिषेक अपने पिता और चचेरे भाई के साथ बस का इंतजार कर रहे थे। जैसे ही वे बस पर चढ़े, बाइक सवार दो बदमाशों ने ताबड़तोब गोलियां बरसाकर उनकी हत्या कर दी। हत्या के बाद ही परिजनों ने जमकर हंगामा करते हुए उस समय की महामंडलेश्वर डॉ. अन्नपूर्णा भारती उर्फ पूजा शकुन पांडेय को जिम्मेदार ठहराया था। अभिषेक के पिता ने आरोप लगाए थे कि बेटा पहले इन दोनों के साथ ही रहता था। बाद में किसी बात पर विवाद हो गया और दोनों अभिषेक को जान से मारवाने की धमकी देते थे। पुलिस की जांच में करीबी रिश्तों में खटास, रुपए के लेन-देन और व्यापारिक साझेदारी टूटने को हत्या की मुख्य वजह माना गया। जांच में यह भी सामने आया कि अभिषेक की हत्या के लिए 3 लाख रुपए में सुपारी दी गई थी। इसके लिए दोनों शूटरों को राजनीति में अच्छी पहुंच होने का भी भरोसा देने की बात सामने आई थी। हत्याकांड के खुलासे में लगी पुलिस ने सबसे पहले अशोक पांडेय को हिरासत में लिया था। पूछताछ के बाद पुलिस को पूरी जानकारी हासिल हुई। इसके बाद दोनों शूटर मो. फजल और आसिफ को पकड़ा गया। इसी दौरान पूजा शकुन पांडेय बुर्का पहनकर भाग गईं। हालांकि बाद में उन्हें भी गिरफ्तार किया था। केस में नाम आते ही पूजा शकुन पांडेय से महामंडलेश्वर का पद भी छीन लिया गया। पुलिस ने घटना के 38 दिन बाद पंडेय दंपती और दोनों शूटरों पर चार्जशीट फाइल कर दी थी। चार्जशीट के बाद शूटर फजल और आसिफ ने जिला सत्र एवं न्यायाधीश की अदालत में जमानत अर्जी दाखिल की। कोर्ट ने केस की गंभीरता और मौजूदा साक्ष्यों को देखते हुए दोनों की जमानत अर्जी खारिज कर दी।

5 चोर गिरफ्तार, चोरी की मोटर बरामद

कन्धई पुलिस ने भदौना स्थित महुआ बाग के पास से पकड़ा

अमन लेखनी समाचार

प्रतापगढ़, कन्धई पुलिस ने चोरी की एक विद्युत मोटर के साथ पांच आरोपियों को गिरफ्तार किया है। यह गिरफ्तारी भदौना स्थित महुआ के बाग के पास से की गई। पुलिस के अनुसार, एक पीड़ित ने कन्धई थाने में तहरीर दी थी। पीड़ित ने बताया कि जब वह अपने घर के पास स्थित खेत में लगे ट्यूबवेल पर पहुंचा, तो उसने देखा कि वहां लगी विद्युत मोटर गायब थी। इसके बाद पुलिस ने चोरी का मुकदमा दर्ज किया था। गिरफ्तार किए गए आरोपियों की पहचान धीरज गौतम (25 वर्ष), ग्रेटी सरोज (21 वर्ष), साहिल (19 वर्ष), आयुष्मान गौतम (22 वर्ष) और पंकज गौतम (23 वर्ष) के रूप में हुई है। इन्हें थाना कन्धई क्षेत्र के ग्राम भदौना स्थित महुआ के बाग के पास से पकड़ा गया। पुलिस पूछताछ में आरोपियों ने बताया कि शादी-ब्याह का समय होने के कारण उन्हें पैसों की जरूरत थी। इसी वजह से उन्होंने मोटर चोरी करने की योजना बनाई। काफी तलाश के बाद उन्हें मंगरौरा में एक ऐसे ट्यूबवेल की जानकारी मिली जहां कोई नहीं रहता था और वह एकदम एकांत में था। आरोपियों ने बताया कि उन पांचों ने मिलकर ट्यूबवेल की छत पर रखे कटरैन को हटाकर अंदर प्रवेश किया और मोटर चुरा ली।

कस्तूरबा गांधी विद्यालय, 3 शिक्षिकाओं का ट्रांसफर

छात्राओं के आरोप के बाद बीएसए ने की कार्रवाई, जांच टीम गठित

अमन लेखनी समाचार

अमेठी जिला, बाजार शुक्ला स्थित कस्तूरबा गांधी आवासीय बालिका विद्यालय में विवाद के बाद तीन महिला शिक्षिकाओं को दूसरे विद्यालय में स्थानांतरित कर दिया गया है। छात्राओं द्वारा लगाए गए आरोपों की जांच के लिए तीन सदस्यीय टीम का गठन किया गया है, जो एक सप्ताह के भीतर अपनी रिपोर्ट बीएसए को सौंपेगी। इसके बाद विभागीय कार्रवाई की जाएगी। यह विवाद शुरू हुआ था, जब विद्यालय की छात्राओं ने शिक्षकों पर जातिसूचक शब्दों का प्रयोग करने और मारपीट का आरोप लगाया। बड़ी संख्या में छात्राएं थाने पहुंचीं और सड़क पर बैठकर प्रदर्शन करने लगीं। सूचना मिलते ही पुलिस और प्रशासन की टीम मौके पर पहुंची और छात्राओं को समझा-बुझाकर वापस स्कूल भेजा। मामले की गंभीरता को देखते हुए बीएसए संजय तिवारी स्वयं स्कूल पहुंचे। उन्होंने साक्ष्य के तौर पर विद्यालय में लगे सीसीटीवी कैमरे के डीवीआर को सुरक्षित कर लिया। छात्राओं ने आरोपी शिक्षकों के खिलाफ थाने में तहरीर भी दी है। बीएसए संजय तिवारी ने विद्यालय में तैनात संविदा शिक्षिका नीतू श्रीवास्तव, अर्चना बौद्ध और रंजन को दूसरे विद्यालयों में स्थानांतरित कर दिया है। इसके साथ ही विद्यालय को भी तीन दिनों के लिए बंद करवा दिया गया है। जांच के लिए खंड शिक्षा अधिकारियों की तीन सदस्यीय टीम बनाई गई है। बीएसए संजय तिवारी ने बताया कि शिक्षिकाओं के आपसी विवाद के कारण यह समस्या उत्पन्न हुई थी। छात्राओं द्वारा लगाए गए आरोपों के संबंध में तीन सदस्यीय टीम का गठन किया गया है, जो एक सप्ताह में अपनी रिपोर्ट सौंपेगी। रिपोर्ट मिलने के बाद नियमानुसार विभागीय कार्रवाई की जाएगी।

संक्षेप

पुलिस ने नाबालिक छात्रा को किया बरामद

परिजन बोले- कोचिंग टीचर अपने साथ ले गया था, शादी करने का दावा भी किया

गाजियाबाद , मसूरी थाना क्षेत्र में रहने वाले एक परिवार की नाबालिग बेटी को पुलिस ने सकुशल बरामद कर लिया है। परिवार ने उसकी गुमशुदगी की शिकायत देते हुए प्राइवेट कोचिंग के शिक्षक योगेश पर गंभीर आरोप लगाए थे। परिजनों का कहना था कि योगेश उनकी बेटी को बहला-फुसलाकर अपने साथ ले गया और शादी करने का दावा भी किया। पीड़ित महिला के अनुसार, उनकी बेटी रोज की तरह आरडीसी इलाके में कोचिंग के लिए जाती थी। वह दोपहर दो बजे घर से निकली, लेकिन कुछ देर बाद जब मां ने फोन किया तो मोबाइल स्विच ऑफ मिला। परिवार ने आसपास और रिश्तेदारों में पूरी रात तलाश की, लेकिन बच्ची का कोई पता नहीं चला। महिला ने बताया कि उनकी बेटी योगेश नाम के युवक को अपना कोचिंग शिक्षक बताती थी। जब उन्होंने योगेश को फोन किया तो उसने कहा कि लड़की उसी के पास है और दोनों ने शादी कर ली है। इस जानकारी के बाद परिजनों ने तुरंत पुलिस से शिकायत की। शिकायत के आधार पर मसूरी थाने में मुकदमा दर्ज हुआ और पुलिस ने छात्रा की तलाश शुरू की। एसएचओ मसूरी अजय चौधरी ने बताया कि पुलिस टीम ने नाबालिग छात्रा को सकुशल बरामद कर लिया है। छात्रा के बयान दर्ज कराए जा रहे हैं। उन्होंने बताया कि आरोपी योगेश, जो मूल रूप से मोदीनगर का रहने वाला है, की गिरफ्तारी के लिए पुलिस की टीमें दबिश दे रही हैं। जल्द ही उसे गिरफ्तार कर लिया जाएगा।

प्रेमिका से मिलने आया प्रेमी, करा दी शादी

दुल्हन को सजाया गया, दूल्हे को नकदी देकर किया गया विदा

मेरठ, प्रेमिका से मिलने आए प्रेमी से ग्रामीणों ने आधी रात को निकाह करा दिया। मंगलवार की रात को प्रेमी अपने तीन साथियों के साथ प्रेमिका से मिलने उसके गांव पहुंचा। प्रेमिका के परिवार वाले बाहर गए थे। वह घर पर अकेली थी। देर रात गांव वालों ने दोनों को रंगेहाथ पकड़ लिया। इस दौरान प्रेमी के दो साथी मौके पाकर भाग गए। प्रेमी को पकड़ लिया गया। इसके बाद युवती के परिजनों को रात में बुलाया गया। फिर दोनों का रात में ही निकाह करा दिया। दूल्हा-दुल्हन को नकदी देकर रवाना किया। यह शादी क्षेत्र में चर्चा का विषय बनी हुई है। पूरा मामला परीक्षितगढ़ के गांव इकला रसूलपुर का है। मवाना के मोहल्ला गाढ़ा चौक निवासी अलफाज अपने तीन साथियों के साथ अपनी प्रेमिका के गांव इकला रसूलपुर में आया था। प्रेमिका के परिवार के लोग मेरठ में आंखों की जांच कराने गए थे। रात में वह प्रेमिका के घर पहुंचा। प्रेमी को प्रेमिका से मिलने घर में जाते हुए ग्रामीणों ने देख लिया। इसके बाद ग्रामीणों ने दोनों को रंगेहाथ पकड़ लिया। इस दौरान प्रेमी के तीन साथी चकमा देकर फरार हो गए। ग्रामीणों ने प्रेमी अलफाज से पूछताछ की तो उसने कहा कि प्रेमिका से बहुत प्यार करता है। दोनों 3 साल से एक दूसरे को जानते है। आज घर पर कोई नहीं था। इसलिए मिलने आया था। पड़ोसियों ने तभी फोन करके दोनों के परिजनों को मौके पर बुला लिया। देर रात युवक के परिजन गांव पहुंचे।

माघ मेले में 20 फायर स्टेशन और 650 कर्मी हुए तैनात

आग लगने पर 2-3 मिनट में पहुंचेगी फायर ब्रिगेड, अवैध सिलेंडरों पर रहेगी रोक

अमन लेखनी समाचार

प्रयागराज, माघ मेला के दौरान आग सुरक्षा व्यवस्था को लेकर अग्निशमन विभाग ने व्यापक तैयारियां शुरू कर दी हैं। इस बार मेला क्षेत्र में 20 फायर स्टेशन, 7 चौकी और 20 टावर वॉच स्थापित किए जाएंगे। कुल 650 अग्निशमन कर्मी तैनात किए जाएंगे। जिनमें पहले ही तीन एफएसओ और 40 जवान अलग-अलग जनपदों से मेला क्षेत्र पहुंच चुके हैं। मुख्य अग्निशमन अधिकारी अनिमेष सिंह ने बताया कि मेला में आग लगने पर राहत कार्य के लिए जवाबी प्रतिक्रिया का समय दो से तीन मिनट होगा। जो पिछले वर्ष के चार से पांच मिनट की तुलना में काफी बेहतर है। इस सुधार के लिए क्षेत्र में 20 बड़े फायर टेंडर (4500 लीटर), 30 मध्यम टेंडर (2500 लीटर), 20 मिनी फायर टेंडर और 40 फाइटर बाइक तैनात की जाएंगी। मिनी फायर टेंडर खास तौर पर अरैल और झूसी क्षेत्रों में रहेंगे। इसके साथ ही, मेला क्षेत्र में अवैध सिलेंडरों की पूरी तरह से रोक लगाई जाएगी ताकि किसी भी संभावित आगजनी की भयावहता से बचा जा सके।

वर्तमान में कोतवाली और महावीर फायर स्टेशन पूरी तरह तैयार हैं और पूरी व्यवस्था सुनिश्चित करेगी कि दमकल गाड़ियां सभी प्रमुख स्थानों पर त्वरित पहुंच बनाएं। यह व्यापक सुरक्षा प्रबंध सभी श्रद्धालुओं की सुरक्षा को ध्यान में रखकर किए गए हैं ताकि माघ मेला शांति और सुरक्षा के साथ सम्पन्न हो सके।

इलाहाबाद यूनिवर्सिटी में छात्रों का धरना खत्म

5 घंटे तक चला प्रदर्शन, एडीएम को ज्ञापन सौंपकर सभी छात्र वापस हुए

अमन लेखनी समाचार

प्रयागराज, इलाहाबाद विश्वविद्यालय में छात्रसंघ बहाली और अन्य छात्र हितों से जुड़े मुद्दों को लेकर से छात्रों की महापंचायत चली। छात्र 5 घंटे से लगातार यूनिवर्सिटी के गेट पर धरने पर बैठे रहे। इसमें छात्र संगठन, विभिन्न छात्र नेता और पूर्व छात्रसंघ पदाधिकारी अवनीश यादव भी पहुंचे थे। छात्र महापंचायत को देखते हुए भारी संख्या में पुलिस फोर्स तैनात थी। आंदोलन के प्रमुख आदर्श भदौरिया ने बताया कि प्रदेश भर में छात्रसंघ चुनाव शुरू कराने की लड़ाई को गति देने के लिए यह महापंचायत एक महत्वपूर्ण कदम है। छात्रों की मांगें हैं- छात्र संघ बहाल हो, फीस वृद्धि वापस हो, परिसर में लोकतंत्र बहाल हो जैसी कई मांगे हैं।

पिछले कई वर्षों से इलाहाबाद विश्वविद्यालय समेत प्रदेश के विभिन्न विश्वविद्यालयों में छात्रसंघ चुनाव नहीं हो रहे हैं। इसको लेकर छात्र संगठन लगातार नाराज हैं और अब एकजुट होकर बड़े आंदोलन की तैयारी कर रहे हैं। छात्रसंघ चुनाव बहाली के साथ-साथ बढ़ी हुई फीस का मुद्दा भी इस महापंचायत में प्रमुख रहेगा।

गलगोटिया यूनिवर्सिटी में साइबर सुरक्षा पर जागरूकता कार्यक्रम

छात्रों को ऑनलाइन धोखाधड़ी से बचने के उपाय बताए गए, सतर्क रहने की सलाह दी

अमन लेखनी समाचार

ग्रेटर नोएडा, दनकौर कोतवाली क्षेत्र स्थित गलगोटिया यूनिवर्सिटी के पिंक बूथ पर साइबर सुरक्षा एवं जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। इसका उद्देश्य विद्यार्थियों को डिजिटल युग में सुरक्षित इंटरनेट उपयोग के प्रति जागरूक करना था। विशेषज्ञों ने बताया कि ऑनलाइन प्लेटफॉर्म के बढ़ते उपयोग के साथ साइबर अपराध भी तेजी से बढ़ रहे हैं, जिससे सतर्कता आवश्यक है। कार्यक्रम के दौरान विद्यार्थियों को फिशिंग, पहचान चोरी, ऑनलाइन धोखाधड़ी, साइबर बुलिंग और सोशल मीडिया से जुड़े जोखिमों जैसे विभिन्न प्रकार के साइबर अपराधों के बारे में विस्तृत जानकारी दी गई। छात्रों को अंजान लिंक पर क्लिक न करने, ओटीपी और बैंकिंग जानकारी साझा न करने, मजबूत पासवर्ड का उपयोग करने और संदिग्ध गतिविधि दिखने पर तुरंत रिपोर्ट करने की सलाह दी गई। अधिकारियों ने उपस्थित विद्यार्थियों को साइबर हेल्पलाइन 1930 के महत्व से अवगत कराया, जिस पर किसी भी ऑनलाइन वित्तीय धोखाधड़ी की तत्काल शिकायत दर्ज कराई जा सकती है। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में छात्रों ने भाग लिया और साइबर सुरक्षा से संबंधित प्रश्न पूछकर अपनी जिज्ञासाएं शांत कीं।

खाद्य सुरक्षा पर सख्त हुए बागपत डीएम

अमूल डेयरी में सुधार के निर्देश, डेयरी स्टाफ को नसीहत

अमन लेखनी समाचार

बागपत, जिलाधिकारी अस्मिता लाल ने कलेक्ट्रेट परिसर स्थित अमूल डेयरी दुकान का औचक निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने दुकान में उपलब्ध डेयरी उत्पादों की गुणवत्ता, स्टॉक व्यवस्था, साफ-सफाई और ग्राहकों को दी जाने वाली सुविधाओं का जायजा लिया। जिलाधिकारी ने बिक्री काउंटर और कोल्ड स्टोरेज यूनिट की विशेष रूप से जांच की, यह सुनिश्चित करने के लिए कि दूध, दही, बटर, पनीर और आइसक्रीम जैसे उत्पाद सुरक्षित तापमान पर रखे जा रहे हैं या नहीं। निरीक्षण के दौरान, जिलाधिकारी ने पाया कि कुछ उत्पादों की एक्सपायरी तिथि पर उचित निगरानी नहीं रखी जा रही थी। इस लापरवाही पर उन्होंने संबंधित कर्मचारियों को कड़ी फटकार लगाई और तत्काल निर्देश दिए कि एक्सपायरी और उत्पादन तिथि की नियमित जांच सुनिश्चित की जाए। इसका उद्देश्य उपभोक्ताओं को केवल ताजा और सुरक्षित उत्पाद उपलब्ध कराना है। उन्होंने बिलिंग प्रक्रिया की भी समीक्षा की और सभी खरीद पर ग्राहकों को सही बिल उपलब्ध कराने पर जोर दिया। जिलाधिकारी अस्मिता लाल ने दुकान परिसर की स्वच्छता पर विशेष जोर दिया। उन्होंने कहा कि खाद्य पदार्थों की बिक्री से संबंधित दुकानों पर स्वच्छ वातावरण अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने कुछ सेक्शनों में धूल और अव्यवस्था पाई,

जिस पर तत्काल सुधार करने का आदेश दिया।

इसके अतिरिक्त, उन्होंने कर्मचारियों को यूनिफॉर्म में उपस्थित रहने और उपभोक्ताओं के प्रति विनम्र व्यवहार अपनाने के निर्देश भी दिए।

सरकारी तालाब और रास्ते पर अवैध कब्जा

पीड़िता ने कलेक्ट्रेट में लगाई गुहार, जिलाधिकारी ने जांच का आश्वासन दिया

अमन लेखनी समाचार

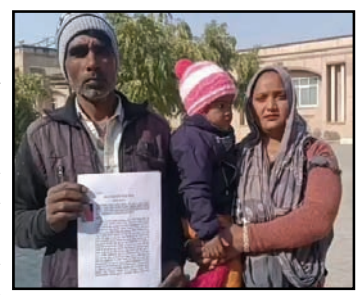

बागपत, दोघट थाना क्षेत्र की एक महिला ने कलेक्ट्रेट पहुंचकर जिलाधिकारी को शिकायत पत्र सौंपा। महिला ने आरोप लगाया है कि कस्बा दोघट पट्टी मादान, वार्ड नंबर 1 में स्थित सरकारी तालाब और खसरा संख्या 66 में दर्ज सरकारी गली के रास्ते पर कुछ लोगों ने अवैध कब्जा कर लिया है। शिकायत के अनुसार, दबंगों ने सरकारी भूमि पर दीवार खड़ी कर टीनशेड का कमरा बना लिया है। पीड़िता का कहना है कि यह निर्माण पूरी तरह अवैध है, जिससे सरकारी तालाब की भूमि पर अतिक्रमण हुआ है और क्षेत्र का आम रास्ता भी पूरी तरह अवरुद्ध हो गया है। पीड़िता ने बताया कि इस कब्जे के कारण प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत मिले उसके नए मकान तक जाने का एकमात्र रास्ता बंद हो गया है। कब्जा होने से पीड़िता और उसका परिवार घर से बाहर निकलने में भी असमर्थ हो गया है। महिला का आरोप है कि जब उसने और उसके पति ने कब्जा हटाने की मांग की, तो विपक्षीगण ने गाली-गलौच की और जान से मारने की धमकी दी। पीड़िता के अनुसार, विपक्षी दबंग प्रवृत्ति के हैं, जिससे क्षेत्र में भय का माहौल बना हुआ है। पीड़िता ने यह भी बताया कि वह इस मामले को लेकर पूर्व में मुख्यमंत्री, आईजी मेरठ, आयुक्त मेरठ, एसडीएम बागपत और थानाध्यक्ष दोघट सहित कई उच्च अधिकारियों को प्रार्थनापत्र दे चुकी है, लेकिन अभी तक कोई कार्रवाई नहीं हुई है।

40 फीट नीचे गिरी लिफ्ट, 4 घायल

- चौथी मंजिल से बेसमेंट में जा धंसी, कुणाल रेजिडेंसी सोसाइटी की घटना

अमन लेखनी समाचार

गाजियाबाद, कुणाल रेजिडेंसी सोसाइटी की लिफ्ट चौथी मंजिल से टूटकर बेसमेंट में गिर गई। लिफ्ट में सवार 4 लोग घायल हो गए। लिफ्ट करीब 40 फीट ऊंचाई से गिरने के कारण सोसाइटी में अफरा-तफरी मच गई। स्थानीय लोगों ने पुलिस को सूचना दी। पुलिस ने घायलों को अस्पताल भेजा। घटना विजयनगर क्षेत्र के प्रताप विहार की है। पुलिस के मुताबिक, रेडिजेंसी में रहने वाले मनीष (35), उनकी पत्नी गुंजन (32) और पड़ोसी विनायक और नमन लिफ्ट में मौजूद थे। हादसे में सभी को हल्की चोटें आईं। स्थानीय लोगों का कहना है- कॉलोनी की लिफ्ट अक्सर खराब रहती है। बिल्डर ठीक से रखरखाव नहीं करवाता है। लोगों ने विजयनगर थाने में लापरवाही को लेकर बिल्डर के खिलाफ तहरीर दी। एक पीड़ित ने बताया- हम पिछले 3 साल से इस सोसाइटी में रह रहे हैं। जब हमने यहां फ्लैट खरीदा था। तब बिल्डर ने सिक्योरिटी के नाम पर एडवांस पैसे लिए थे। बावजूद इसके लिफ्ट आए दिन खराब रहती थी। हमने कई बार बिल्डर से शिकायत की, लेकिन उसने लिफ्ट ठीक कराने से इनकार कर दिया। लिफ्ट अचानक चौथी मंजिल से बेसमेंट में गिर गई। लिफ्ट में फंसे 4 लोग घायल हो गए। एसएचओ विजयनगर धर्मपाल सिंह ने बताया- लिफ्ट में 4 लोग थे। मामूली चोटें आई हैं। लिफ्ट गिरने के कारणों की जांच कराई जा रही है।

जेवर एयरपोर्ट से चोरी: साइट इंजीनियर सहित चार गिरफ्तार

पुलिस ने 15 लाख का एल्युमीनियम केबल और वाहन बरामद किए

अमन लेखनी समाचार

गौतम बुद्ध नगर, थाना इकोटेक प्रथम पुलिस ने जेवर एयरपोर्ट से एल्युमीनियम केबल चोरी करने वाले एक गिरोह का पदार्फाश किया है। पुलिस ने टाटा कंपनी के साइट इंजीनियर सहित चार आरोपियों को गिरफ्तार किया है। इनके कब्जे से लगभग 15 लाख रुपये मूल्य के सात बंडल एल्युमीनियम केबल, एक फर्जी नंबर प्लेट लगा कैंटर और एक स्विफ्ट कार बरामद की गई है। पुलिस ने जीबीयू चौराहे पर चेकिंग के दौरान एक कैंटर और उसके पीछे आ रही एक स्विफ्ट कार को रोकने का प्रयास किया। जब वाहन नहीं रुके, तो इकोटेक प्रथम पुलिस टीम ने अपनी गाड़ी आगे लगाकर दोनों वाहनों को रोक लिया। कैंटर पर हरियाणा की फर्जी नंबर प्लेट लगी थी और उसमें काले व पीले एल्युमीनियम के सात बंडल केबल भरे हुए थे। पुलिस द्वारा रोके जाने पर आरोपी घबरा गए। स्विफ्ट कार में बैठे लोगों से पूछताछ करने पर उन्होंने चोरी की पूरी वारदात का खुलासा किया। ड्राइवर ने बताया कि यह माल जेवर अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट से चोरी किया गया था, जिसमें हवाई अड्डे के कुछ कर्मचारी भी शामिल थे। उन्होंने शिवम शर्मा, निवासी ग्राम लालपुर, थाना टप्पल, जिला अलीगढ़, जो टाटा कंपनी में टर्मिनल बिल्डिंग के साइट इंजीनियर हैं, का नाम लिया, जिन्होंने चोरी में मदद की थी। पुलिस ने साइट इंजीनियर शिवम शर्मा के साथ इरशाद अहमद, मो. सिराज और इजहार उर्फ सोनू को गिरफ्तार किया। ये तीनों सिद्धार्थनगर जिले के डुमरियागंज थाना क्षेत्र के टिकरिया गांव के निवासी हैं। पुलिस ने इनके कब्जे से 15 लाख रुपये मूल्य के सात बंडल एल्युमीनियम केबल, एक फर्जी नंबर प्लेट लगा कैंटर और एक स्विफ्ट कार बरामद की।

पुलिस के अनुसार, साइट इंजीनियर शिवम शर्मा एयरपोर्ट के नए एल्युमीनियम केबल को कबाड़ का माल बताकर वाहनों में लोड करवाता था। इसके बाद वह इसे कबाड़ियों को बेच देता था।

मीटर लगवाने के नाम पर ठगे 3.74 लाख

प्ले स्टोर से ऐप डाउनलोड करवाया, इसके बाद 13 रुपए कराए ट्रांसफर

अमन लेखनी समाचार

नोएडा, बिजली का मीटर लगाने के नाम एक व्यक्ति से 3.74 लाख का फ्राड किया गया। पीड़ित ने साइबर सेल में शिकायत दी है। पैसा ऑनलाइन ट्रांसफर और शापिंग की गई। साइबर सेल मामले की जांच कर रहा है। ब्रिजेश कुमार तिवारी ने शिकायत में बताया कि उन्होंने एनपीसीएल में नए मीटर लगाने के लिए उन्होंने प्रार्थना पत्र दिया है। उनके मोबाइल पर एक फोन आया और उसने अपने को एनपीसीएल का बताते हुए मीटर लगवाने की बात कही। मैने पहले एप्लिकेशन दी थी। इसलिए मुझे विश्वास हो गया कि वहीं से फोन हो सकता है। ठग ने प्ले स्टोर से एक ऐप डाउनलोड करवाया। जिसके बाद उसने 13 रुपए का भुगतान करने के लिए कहा गया। मैने कार्ड डिटेल डाली और भुगतान कर दिया। 27 नवंबर को किसी काम से बाहर चला गया। 28 नवंबर को मेरी पत्नी और मेरे खाते से पैसे कटने के मैसेज आने लगे। जब तक कार्ड ब्लाक करवाता तब 3 लाख 74 हजार 831 रुपए का ट्रांजैक्शन हो चुका था। पीड़ित ने मामले की शिकायत साइबर क्राइम थाने में की है। साइबर सेल ट्रांजैक्शन डिटेल खंगाल रहा है।

मिशन शक्ति टीम की पहल

विश्व भारती कैंपस में साइबर धोखाधड़ी से बचाव बताए

अमन लेखनी समाचार

बागपत, थाना छपरौली की मिशन शक्ति टीम ने विश्व भारती विद्यापीठ स्कूल में छात्रों के लिए एक व्यापक जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया। इस अभियान का उद्देश्य बढ़ते अपराधों, साइबर धोखाधड़ी और बाल सुरक्षा के प्रति बच्चों को जागरूक करना था। टीम ने उन्हें दैनिक जीवन में अपनाई जाने वाली महत्वपूर्ण सावधानियों के बारे में विस्तार से बताया। कार्यक्रम की शुरूआत 'गुड टच-बैड टच' की अवधारणा को समझाने से हुई। टीम ने सरल उदाहरणों के माध्यम से बच्चों को यह सिखाया कि किन स्थितियों में उन्हें सतर्क रहना चाहिए और ऐसी किसी भी घटना की जानकारी तुरंत अपने माता-पिता, शिक्षकों या पुलिस को देनी चाहिए। इसके अतिरिक्त, छात्र-छात्राओं को महिला सुरक्षा हेल्पलाइन नंबरों, एंटी रोमियो स्क्वॉड, आकस्मिक सहायता नंबरों और शासन द्वारा संचालित महिला एवं बाल कल्याण योजनाओं के बारे में जानकारी दी गई। टीम ने जोर देकर कहा कि ये नंबर केवल कागज पर नहीं हैं, बल्कि जरूरत पड़ने पर बच्चों की सुरक्षा के लिए सबसे मजबूत उपकरण हैं। बढ़ते साइबर धोखाधड़ी पर एक विशेष सत्र आयोजित किया गया। टीम ने समझाया कि कैसे सोशल मीडिया पर बहला-फुसलाकर पासवर्ड, ओटीपी या निजी जानकारी हासिल की जाती है। बच्चों को फर्जी लिंक, अज्ञात कॉल्स और गेमिंग फ्रॉड से बचने के उपाय भी बताए गए। पुलिस ने छात्रों से अपने मोबाइल उपयोग पर संयम रखने और संवेदनशील जानकारी किसी के साथ साझा न करने का आग्रह किया। कार्यक्रम के दौरान छात्रों ने सुरक्षा से संबंधित कई प्रश्न पूछे, जिनका पुलिस टीम ने धैर्यपूर्वक समाधान किया। टीम ने बच्चों को प्रेरित करते हुए कहा, जागरूक बच्चा ही सशक्त नागरिक बनता है।

गुरुकुल विद्यापीठ की छात्राओं ने जीते दो स्वर्ण पदक

- खेकड़ा में राष्ट्रीय जीत कुने-डो प्रतियोगिता में बागपत का नाम रोशन

अमन लेखनी समाचार

बागपत, खेकड़ा तहसील स्थित गुरुकुल विद्यापीठ स्कूल की दो छात्राओं, सृष्टि धामा और रिया त्यागी, ने राष्ट्रीय जीत कुने-डो मार्शल आर्ट प्रतियोगिता में स्वर्ण पदक जीते हैं। यह प्रतियोगिता पूर्वी विनोद नगर स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स, दिल्ली में आयोजित की गई थी। इस राष्ट्रीय प्रतियोगिता में असम, झारखंड, उत्तर प्रदेश, दिल्ली, महाराष्ट्र और गुजरात सहित लगभग 10 राज्यों के खिलाड़ियों ने भाग लिया। बागपत से केवल इन दो खिलाड़ियों ने हिस्सा लिया और दोनों ने अपने-अपने भार वर्ग में प्रथम स्थान प्राप्त किया। कोच प्रवेश अग्रवाल और टीम मैनेजर सोनी ने बताया कि सृष्टि धामा ने 37-40 किलोग्राम भार वर्ग के फाइनल में असम की खिलाड़ी को हराकर स्वर्ण पदक जीता। वहीं, रिया त्यागी ने 43-46 किलोग्राम भार वर्ग में दिल्ली की खिलाड़ी को पराजित कर प्रथम स्थान हासिल किया। दोनों खिलाड़ियों ने अपनी फुर्ती, आत्मविश्वास और तकनीक से सभी को प्रभावित किया। स्वर्ण पदक जीतकर बागपत लौटने पर विद्यालय प्रबंधन, अभिभावकों और स्थानीय लोगों ने उनका गर्मजोशी से स्वागत किया। विद्यालय के शिक्षकों और गणमान्य व्यक्तियों ने छात्राओं की इस उपलब्धि पर खुशी व्यक्त की।

अखिल भारतीय उद्योग व्यापार मंडल ने कैबिनेट मंत्री का झांसी आगमन पर किया भव्य स्वागत

अमन लेखनी समाचार

गुरसराय। अखिल भारतीय उद्योग व्यापार मंडल सहित व्यापारी बंधुओं ने कैबिनेट मंत्री नंद गोपाल नंदी का झांसी आगमन पर पुष्प माला पहनाकर भव्य स्वागत किया। उत्तर प्रदेश सरकार के कैबिनेट मंत्री नंद गोपाल नंदी जयपुर से एक समारोह से लौटते वक्त झांसी पहुंचे जहां अखिल भारतीय उद्योग व्यापार मंडल एवं गहोई समाज सहित व्यापारी बंधुओं ने पुष्प माला पहनाकर ,शाल ओढ़ाकर व श्रीफल भेंट कर भव्य स्वागत किया। इस दौरान शिष्टाचार भेंट में कैबिनेट मंत्री नंद गोपाल नंदी ने कहा कि आज देश के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी एवं उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की सोच ने देश व प्रदेश में चहुंमुखी विकास कर प्रथम पंक्ति में लाकर खड़ा कर दिया। आज व्यापारी से लेकर सर्व समाज के लोग खुशहाली महसूस कर रहें हैं और प्रदेश से अराजकता का खातमा होता जा रहा। आगे उन्होंने कहा कि प्रदेश सरकार आज विभिन्न सरकारी योजनाओं के माध्यम से हर वर्ग को सरकारी योजनाओं का लाभ देने का काम कर रही है और सरकार की योजनाओं को लेकर हर पात्र व्यक्ति लाभान्वित है। कैबिनेट मंत्री का स्वागत करने वालों में अखिल भारतीय उद्योग व्यापार मंडल के बुन्देलखण्ड प्रभारी सुशील गुप्ता, प्रदीप सरावगी, डा. अनूप गुप्ता, आनंद गुप्ता, नरेश गुप्ता, राजू रक्सा, नीलू रक्सा, लल्लन सिंह यादव रिटायर्ड डीआईजी, सहित हरीश गुप्ता सीए सहित आदि लोग उपस्थित रहे।

सिकन्दरपुर में 31 बीएलओ सम्मानित

विशेष पुनरीक्षण कार्य में 100 प्रतिशत उपलब्धि पर मिला सम्मान

अमन लेखनी समाचार

बलिया ।सिकन्दरपुर तहसील मुख्यालय पर आयोजित एक कार्यक्रम में 31 बीएलओ को सम्मानित किया गया। उन्हें विशेष निर्वाचक नामावली पुनरीक्षण कार्य में 100% उपलब्धि हासिल करने के लिए यह सम्मान प्रदान किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि उपजिलाधिकारी (एसडीएम) सुनील कुमार थे। उन्होंने सभी बीएलओ को प्रशस्ति पत्र प्रदान किए और उनके उत्कृष्ट कार्य की सराहना की। एसडीएम सुनील कुमार ने इस अवसर पर कहा कि निर्वाचक नामावली पुनरीक्षण में बीएलओ की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण होती है। उन्होंने जोर दिया कि समय पर और गुणवत्तापूर्ण कार्य लोकतांत्रिक प्रक्रिया को मजबूत करता है।

बलिया में 10 वर्षीय बच्चे की हत्या का मामला

फास्ट ट्रैक कोर्ट और सरकारी नौकरी की मांग को लेकर प्रदर्शन

अमन लेखनी समाचार

बलिया ।फेफना थाना क्षेत्र के आमडरी गांव में 30 नवंबर को 10 वर्षीय बच्चे की हत्या के मामले में ग्रामीणों ने गुरुवार को जिला कलेक्ट्रेट पर प्रदर्शन किया। प्रदर्शनकारी ग्रामीणों ने सिटी मजिस्ट्रेट आशाराम वर्मा को एक मांग पत्र सौंपा। इसमें मुकदमे को फास्ट ट्रैक कोर्ट में चलाने, जिलाधिकारी द्वारा पीड़ित परिवार और घटनास्थल का निरीक्षण करने तथा बच्चे की चार बहनों में से एक को सरकारी नौकरी देने की मांग की गई। ग्रामीणों ने बताया कि 30 नवंबर को यशवन्त उर्फ शिवम वर्मा नामक 10 वर्षीय बच्चे की पानी में डुबोकर हत्या कर दी गई थी और शव को बोरे में छिपा दिया गया था। पुलिस ने इस मामले में त्वरित कार्रवाई करते हुए 24 घंटे के भीतर मुख्य आरोपी को गिरफ्तार कर लिया। ग्रामीणों ने बताया कि इस घटना के बाद पूरे गांव में भय का माहौल है। आरोपी पहले भी कई बड़ी घटनाओं में शामिल रहा है और जेल जा चुका है। ग्रामीणों को आशंका है कि आरोपी जमानत पर बाहर आकर फिर कोई बड़ी वारदात कर सकता है। पीड़ित परिवार की आर्थिक स्थिति बेहद कमजोर है। परिवार लंबी न्यायिक प्रक्रिया का खर्च वहन करने में असमर्थ है। शिवम अपनी चार बहनों का इकलौता भाई था। ग्रामीणों ने जिलाधिकारी से मौके का निरीक्षण कर पीड़ित परिवार को तत्काल आर्थिक सहायता प्रदान करने और मामले की सुनवाई फास्ट ट्रैक कोर्ट में कराने का आग्रह किया। उन्होंने परिवार के एक सदस्य को सरकारी नौकरी देने की भी मांग की। इस मौके पर मायानन्द वर्मा, सर्वेश्वर पाण्डेय, जितेन्द्र वर्मा, पंकज कुमार, अनिल कुमार, दीपक सिंह, उमेश वर्मा, चन्दन वर्मा, विनोद कुमार, वसीम खान और धनजी वर्मा सहित कई ग्रामीण मौजूद रहे।

जगह-जगह पंचायत सचिवों द्वारा अधिकारी को दिया गया ज्ञापन

अमन लेखनी समाचार

फतेहपुर। जनपद में विभिन्न समस्याओं से ग्रसित होकर लगभग सभी विकास खण्डों में तैनात पंचायत सचिव के पद पर रहते हुए सदस्यों ने खंड विकास अधिकारियों को ज्ञापन सौंपा प्रदेश के मुख्यमंत्री तथा जनपद के जिलाधिकारी के लिए 10 सूत्रीय मांगो को लेकर चल रहे अनिश्चितकालीन धरना के तहत अपनी अपनी मांगे रखी गई जनपद के असोथर एरायां बहुआ तेलियानी मलवां खजुहा देवमई तथा अमौली विकासखंड में भी पंचायत सचिवों ने खंड विकास अधिकारी को प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ तथा जनपद के जिला अधिकारी रवींद्र सिंह के लिए 10 सूत्रीय मांगों को लेकर ज्ञापन सौंपा खजुहा विकासखंड में ग्राम सचिव विनोद वर्मा जितेंद्र पटेल रवि पटेल गौरव सोनकर धर्मेंद्र यादव आदि ने खंड विकास अधिकारी को ज्ञापन सौंपते हुए अपनी-अपनी मांग रखी ठीक इसी प्रकार अमौली विकासखंड में तैनात पंचायत सचिवों ने 10 सूत्रीय मांगों को लेकर खंड विकास अधिकारी सुरेश कुमार शिवहरे को ज्ञापन सौंपा मिली जानकारी के अनुसार मांग पत्र में ऑनलाइन हाजिरी से छूट प्रदान करने की मांग करते हुए सचिवों ने बताया कि कई ग्राम पंचायत का चार्ज उन्हें दे दिया गया है जिसे देखते हुए ऑनलाइन हाजिरी देना पंचायत सचिव को नामुमकिन है वही सचिवों ने दूसरे विभाग जैसे स्वास्थ्य शिक्षा आदि में काम न कराए जाने की भी मांग की इस मौके पर पंचायत सचिव योगेंद्र सिंह नीरज सिंह रामबाबू मौर्य विकास पाल रामनरेश सिंह अंकित मिश्रा राघवेंद्र प्रताप लखनलाल कुशवाहा वीरेंद्र कुमार विनय सिंह शैलेंद्र कुमार विपिन बाजपेई आर्य कुमार पाण्डेय समेत सभी पंचायत सचिव मौजूद रहें

डीडीओ द्वारा अमौली ब्लाक मुख्यालय का किया गया औचक निरीक्षण

ग्राम चौपाल में पहुंचकर डीडीओ ने सुनी समस्याएं

अमन लेखनी समाचार

अमौली, फतेहपुर। जनपद की आहरण एवं संवितरण अधिकारी साधना दीक्षित ने अमौली विकासखंड मुख्यालय अचानक पहुंचकर औचक निरीक्षण किया ब्लॉक मुख्यालय में मौजूद खंड विकास अधिकारी सुरेश कुमार शिवहरे ने जरूरी दस्तावेज इत्यादि का निरीक्षण कराया जहां अधिकारी ने बारीकी से सभी अभिलेखों का निरीक्षण किया वही मुख्यालय प्रांगण में बनी जर्जर इमारत का भी निरीक्षण अधिकारी साधना दीक्षित द्वारा किया गया मुख्यालय निरीक्षण के पश्चात विकासखंड के ग्राम पंचायत मकरंदपुर में पहुंचकर डीडीओ अधिकारी ने जनता जनार्दन के दुख दर्द सुना वहीं सरकार द्वारा चलाई जा रही विभिन्न योजनाओं की जानकारी भी ग्रामीणों को दी इस मौके पर खंड विकास अधिकारी के साथ सहायक विकास अधिकारी विनोद कुमार सहायक कृषि विभाग अधिकारी रावेंद्र सिंह सचिन उत्तम गोविंद प्रजापति समेत भारी संख्या में ग्रामीण व कर्मचारी मौजूद रहें

एन्यूमरेशन फॉर्म की अंतिम तिथि 11 दिसंबर तक बढ़ी

डीएम ने राजनीतिक दलों को बूथवार एचडी वोटर्स सूची देने के निर्देश दिए

अमन लेखनी समाचार

बलिया । विधानसभा निर्वाचन क्षेत्रों के विशेष पुनरीक्षण कार्यक्रम पर गुरुवार को एक बैठक आयोजित की गई। जिलाधिकारी मंगला प्रसाद की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट सभागार में हुई इस बैठक में विभिन्न राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों ने भाग लिया। जिलाधिकारी ने राजनीतिक दलों को सूचित किया कि गणना प्रपत्र (एन्यूमरेशन फॉर्म) जमा करने की अंतिम तिथि 04 दिसंबर से बढ़ाकर अब 11 दिसंबर कर दी गई है। यह निर्णय भारत निर्वाचन आयोग द्वारा लिया गया है। बैठक में बताया गया कि प्राथमिक प्रकाशन की तिथि 16 दिसंबर निर्धारित की गई है, जबकि दावा और आपत्तियां 16 दिसंबर से 15 जनवरी तक स्वीकार की जाएगी। जिला निर्वाचन कार्यालय के अनुसार, नोटिस जारी करने, सुनवाई, सत्यापन, एन्यूमरेशन फॉर्म पर निर्णय और दावे/आपत्तियों का निपटारा एफड२ द्वारा 16 दिसंबर से 07 फरवरी, 2026 तक किया जाएगा। इलेक्टोरल रोल के हेल्थ पैरामीटर की जांच और अंतिम प्रकाशन के लिए आयोग से अनुमति लेने की प्रक्रिया 10 फरवरी, 2026 तक पूरी होगी। अंतिम मतदाता सूची 14 फरवरी, 2026 को प्रकाशित की जाएगी। जिलाधिकारी ने यह भी बताया कि जिले में वर्तमान में 03 लाख 80 हजार एचडी (हाई डेफिनिशन) वोटर्स हैं। उन्होंने सभी राजनीतिक दलों को बूथवार और विधानसभावार इन संबंधित वोटर्स की सूची उपलब्ध कराने के निर्देश दिए। बैठक में एडीएम अनिल कुमार और अख़्तर सहित जिले की सात विधानसभा सीटों– बेल्थरारोड (357), रसड़ा (358), सिकंदरपुर (359), फेफना (360), बलिया नगर (361), बांसडीह (362) और बैरिया (363) के प्रतिनिधि भी उपस्थित रहे।

समितियों के सहयोग से पुलिस अपराध पर लगाएगी अंकुश

बैरिया ने ग्राम सुरक्षा समितियों के गठन की घोषणा की

अमन लेखनी समाचार

बलिया ।अपराधों पर प्रभावी अंकुश लगाने के उद्देश्य से प्रत्येक गांव में ग्राम सुरक्षा समितियों का गठन किया जाएगा। इन समितियों में 8 से 10 सदस्य नामित किए जाएंगे। इसके अतिरिक्त, हर गांव में एक कोर कमेटी भी गठित की जा रही है। यह जानकारी क्षेत्राधिकारी बैरिया मोहम्मद फहीम कुरैशी ने गुरुवार को लगभग 4 बजे अपने कार्यालय में पत्रकारों को दी। उन्होंने बताया कि सुरक्षा समिति में गांव के सम्मानित व्यक्ति, सामाजिक कार्यकर्ता और पेंशनरों को शामिल किया जाएगा। रात में अपराधों को रोकने के लिए विशेष रूप से चिन्हित स्थानों पर कड़ी निगरानी रखी जाएगी, जहां अक्सर आपराधिक घटनाएं होती हैं। गांव के अंदर और बाहर आने-जाने वाले रास्तों पर निगरानी के तरीकों पर समिति के सदस्यों से सुझाव लिए जाएंगे, जिनके आधार पर पुलिस उचित कार्रवाई करेगी। सुरक्षा समिति ग्रामीण स्तर पर जागरूकता का कार्य भी करेगी। इसके तहत साइबर अपराध, बच्चों के प्रति होने वाले अपराध और मिशन शक्ति जैसे विषयों पर लोगों को जानकारी दी जाएगी। अपराधियों पर प्रभावी कदम उठाने के लिए कार्रवाई की जाएगी। गांव में रहने वाले अवांछनीय तत्वों की सूची तैयार कर उनका सत्यापन किया जाएगा और उनके खिलाफ निरोधात्मक कार्रवाई की जाएगी। अवैध गतिविधियों में संलिप्त व्यक्तियों की जानकारी सुरक्षा समिति के सदस्यों से ली जाएगी। कोई भी आपराधिक घटना घटित होने पर सुरक्षा समिति के सदस्य तत्काल थाने को सूचित करेंगे। जुलूस और अन्य कार्यक्रमों से संबंधित गोपनीय जानकारी भी समिति के लोग पुलिस अधिकारियों को देंगे। इस सहयोग के लिए पुलिस सुरक्षा समिति के सदस्यों को उचित सम्मान भी देगी।

बांसडीह में रोडवेज बस स्टेशन की मांग

स्थानीय लोगों ने परिवहन मंत्री से की अपील

अमन लेखनी समाचार

बलिया ।बांसडीह क्षेत्र में परिवहन सुविधाओं की कमी को लेकर स्थानीय निवासियों ने रोडवेज बस स्टेशन की मांग की है। तहसील मुख्यालय में न तो कोई रोडवेज बस डिपो है और न ही रेलवे स्टेशन, जिसके कारण यात्रियों को निजी वाहनों पर निर्भर रहना पड़ता है। लोगों ने बलिया के परिवहन मंत्री से इस संबंध में अपेक्षाएं व्यक्त की हैं। नागरिकों का कहना है कि आजादी के बाद से ही बांसडीह में आवागमन की स्थिति खराब है। यहां एक राजकीय बस डिपो की नितांत आवश्यकता है, जिस पर अब तक सरकार का ध्यान नहीं गया है। यदि बांसडीह मुख्यालय को एक सरकारी वाहन विश्राम स्थल मिल जाए, तो क्षेत्र का जनजीवन सुगम हो जाएगा। कस्बे के व्यापार मंडल के अध्यक्ष विजय गुल्लर ने बताया कि बांसडीह तहसील मुख्यालय से यात्रा करने के लिए लोगों को असुरक्षित वाहनों का सहारा लेना पड़ता है। उन्होंने सरकार से बांसडीह में राजकीय वाहन विश्राम स्थल उपलब्ध कराने की मांग की, ताकि लोगों को सुरक्षित आवागमन का विकल्प मिल सके। बांसडीह के भाजपा मंडल के पूर्व अध्यक्ष प्रतुल कुमार ओझा ने बताया कि बांसडीह में सरकार को अनिवार्य रूप से रोडवेज बस का डिपो दिया जाना चाहिए । इसे लेकर कई बार पहल की गई है। आशा है सरकार हमारी बात सुन और बांसडीह क्षेत्र की जनता को सरकारी परिवहन की सुविधा मिले। बांसडीह के भाजपा मंडल के पूर्व अध्यक्ष प्रतुल कुमार ओझा ने बताया कि बांसडीह में सरकार को अनिवार्य रूप से रोडवेज बस का डिपो दिया जाना चाहिए। इसे लेकर कई बार पहल की गई है। आशा है सरकार हमारी बात सुन और बांसडीह क्षेत्र की जनता को सरकारी परिवहन की सुविधा मिले।

बांसडीह में घर से लाखों के गहने चोरी

चोरों ने ताला तोड़कर नकदी भी उड़ाई, पुलिस जांच में जुटी

अमन लेखनी समाचार

बलिया ।बांसडीह कस्बे के गुदरी बाजार में एक घर में लाखों रुपए के गहनों और नकदी की चोरी हो गई। परिवार शादी समारोह में गया हुआ था, तभी चोरों ने ताले तोड़कर वारदात को अंजाम दिया। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और मामले की जांच शुरू कर दी है। पीड़ित कृष्ण कुमार सोनी, जो कस्बे के वार्ड नंबर 11 के निवासी हैं, ने बताया कि वह 2 दिसंबर की शाम को अपने साले के तिलक समारोह में पूरे परिवार के साथ घर में ताला लगाकर गए थे। उन्होंने मकान की चाबी दुकान संभालने वाले अपने जीजा अरविंद सोनी को दी थी। अरविंद सोनी 2 दिसंबर की शाम को मकान पर मोटरसाइकिल रखने आए थे, तब सब कुछ ठीक था। अगले दिन, 3 दिसंबर को शाम 6 बजे जब वह मोटरसाइकिल लेने घर गए, तो उन्होंने मकान का मुख्य गेट और चारों कमरों के ताले टूटे हुए पाए। ताले टूटने की सूचना पर कृष्ण कुमार सोनी तुरंत घर पहुंचे। उन्होंने पाया कि अलमारी और कई बक्सों के ताले तोड़ दिए गए थे। चोरों ने उनकी पत्नी की सोने की चूड़ी, पैजनी, सोने के आठ लॉकेट, तीन लेडीज अंगूठियां, अलमारी में रखे तीस हजार रुपए नकद और दुकान के ग्राहकों के सोने के गहने गायब कर दिए थे। कृष्ण सोनी ने यह भी बताया कि एक ही अलमारी में ग्राहकों के सोने के सामान और रोल गोल्ड के सामान रखे थे, लेकिन चोरों ने केवल सोने के गहनों पर ही हाथ साफ किया और रोल गोल्ड का सामान छोड़ दिया।

महिला सुरक्षा पर व्याख्यान का आयोजन

बढ़ते अपराधों पर जताई चिंता

अमन लेखनी समाचार

बलिया ।जननायक चंद्रशेखर विश्वविद्यालय के समाज कार्य विभाग द्वारा मिशन शक्ति चरण 5.0 के अंतर्गत ह्लवर्तमान परिदृश्य में महिला सुरक्षा से संबंधित चुनौतियाँह्व विषय पर एक व्याख्यान का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर संजीत कुमार गुप्ता के संरक्षण तथा विभागाध्यक्ष डॉ. पुष्पा मिश्रा के मार्गदर्शन में संपन्न हुआ। व्याख्यान में महिलाओं और बालिकाओं की सुरक्षा, मानव तस्करी, यौन उत्पीड़न तथा समाज में महिला सुरक्षा के बदलते स्वरूप पर विस्तार से चर्चा की गई। कार्यक्रम में डॉ. पुष्पा मिश्रा ने कहा कि आज के डिजिटल युग में महिला सुरक्षा एक वैश्विक चिंता का विषय बन गई है, इसलिए समाज के सभी वर्गों की सक्रिय भागीदारी आवश्यक है। चर्चा के दौरान वक्ताओं ने राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो (ठउफइ) के ताजा आंकड़े प्रस्तुत करते हुए बताया कि वर्ष 2022 में महिलाओं के खिलाफ अपराधों के 4,45,256 मामले दर्ज किए गए थे, जो वर्ष 2021 के 4,28,278 मामलों से अधिक हैं। वहीं वर्ष 2023 में यह संख्या बढ़कर 4,48,211 तक पहुँच गई, जो इस बात का संकेत है कि महिला सुरक्षा की दिशा में अभी भी कई गंभीर चुनौतियाँ मौजूद हैं। इन आंकड़ों में दहेज हत्या, घरेलू हिंसा, यौन उत्पीड़न, और मानव तस्करी जैसे अपराध प्रमुख हैं। वक्ताओं ने कहा कि इन अपराधों की रोकथाम के लिए कानूनी प्रावधानों के साथ सामाजिक जागरूकता और शिक्षा दोनों की आवश्यकता है। कार्यक्रम में डॉ. रूबी ने महिला सुरक्षा से जुड़ी समस्याओं के समाधान हेतु कई महत्वपूर्ण सुझाव प्रस्तुत किए। उन्होंने कहा कि समाज में लैंगिक समानता को बढ़ावा देने, महिलाओं को आत्मरक्षा प्रशिक्षण देने तथा पुलिस-प्रशासनिक प्रणाली को संवेदनशील बनाने की दिशा में ठोस कदम उठाने की आवश्यकता है। उन्होंने महिलाओं की सुरक्षा सुनिश्चित करने हेतु भारतीय दंड संहिता की धारा 354 (शारीरिक उत्पीड़न), 509 (अशोभनीय टिप्पणी), 498अ (घरेलू हिंसा), तथा मानव तस्करी से संबंधित धारा 370 जैसे कानूनी प्रावधानों की जानकारी दी और उनके प्रभावी क्रियान्वयन पर बल दिया। व्याख्यान में डॉ. प्रेमभूषण यादव, डॉ. संजीव कुमार सहित समाज कार्य एवं समाजशास्त्र विभाग के छात्र-छात्राएँ उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन डॉ. प्रेमभूषण यादव ने किया तथा अंत में डॉ. संजीव कुमार ने सभी अतिथियों और प्रतिभागियों का आभार व्यक्त किया।

अमन लेखनी
(हिन्दी दैनिक)

स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक श्रीमती अखिलेश सिंह द्वारा अवध एक्सप्रेस प्रकाशन, 434, सिविल लाइन, जेल रोड, उन्नाव, उत्तर प्रदेश से मुद्रित और ग्राम व पोस्ट-बनी, थाना- बन्थरा, लखनऊ-226401 (उ.प्र.) से प्रकाशित।

सम्पादक–
श्रीमती अखिलेश सिंह

समाचार सम्पादक –
रुद्र प्रताप सिंह

समाचार से संबंधित सभी विवादों का न्यायिक क्षेत्र लखनऊ होगा।

मो. - 9838159555,
9935457982

E-mail address
amanlekhaninews
@gmail.com

आज है इंटरनेशनल वॉलंटियर्स-डे

वॉलंटियर बनकर दुनिया बनाओ खूबसूरत

बच्चो, अपनी इच्छा से निस्वार्थ भाव से किसी की मदद करने वाले लोगों को वॉलंटियर्स कहते हैं। ये वॉलंटियर्स इंसानों की ही नहीं, पशु-पक्षियों और नेचर की केयर करने में भी पीछे नहीं रहते। इस दुनिया को सुंदर-प्यारा बनाए रखने में वॉलंटियर्स का बहुत बड़ा योगदान होता है। बच्चो, तुम भी एक अच्छे वॉलंटियर बनकर अपने समाज-देश और पूरी दुनिया को खूबसूरत बनाओ।

अवेयरनेस

डॉ. मोनिका शर्मा

बच्चो, किसी की मदद करने का भाव तो हम सबके मन में होता है लेकिन इसे व्यवहार में उतारना आसान नहीं होता। अपने डेली रूटीन से किसी अच्छे काम के लिए समय निकालना मुश्किल होता है। किसी से मिलकर उसकी जरूरत या परेशानी के बारे में पूछने का काम भी सब नहीं कर पाते। सेवा-सहायता के इन प्यारे भावों को प्रैक्टिकली कर दिखाने का काम वॉलंटियर्स करते हैं। कैसे बिना किसी फायदे की चाह के अपनी छोटी-छोटी कोशिशों से किसी का मददगार बना जाए? कैसे अच्छी बातों को बर्ताव में उतारा जाए? किस तरह बिना दिखावे के किसी का साथ दिया जाए? किस तरह मोर्चे पर डटकर प्रकृति का ख्याल रखा जाए? पूर तन-मन से कैसे किसी का मनोबल बढ़ाया जाए? ये सब कुछ ऐसे सेवाभावी लोगों यानी वॉलंटियर्स से सीखा जा सकता है।

छोटे-छोटे कदम भी अहम

प्यारे बच्चो, किसी की सहायता करने या उसे संबल देने का काम हर कोई कर सकता है। बच्चे भी कर सकते हैं। वॉलंटियर के रूप में जरूरी नहीं कि बड़े स्तर पर ही कुछ किया जाए। अपने घर, आस-पड़ोस, सड़क, स्कूल, पार्क हर जगह सहयोगी सिटीजन की भूमिका निभाई जा सकती है। मुसीबत में मददगार बनने या फिर दुःख तकलीफ में किसी का साथ देने के लिए बस इच्छा शक्ति की दरकार होती है। असल में कंसर्न की सोच अपना लें तो पॉजिटिव भागीदारी का रास्ता मिल ही जाता है। इस सरोकारी समझ से हमारा छोटा सा कदम भी किसी की बहुत बड़ी मदद कर सकता है। हेल्प करने, साथ देने की इस सोच से पूरी दुनिया सुंदर बन सकती है। सबका जीवन सहज-सरल हो सकता है।

यूं बनो मददगार

बच्चो, बड़ा दिल, खुली सोच और किसी की तकलीफ को समझने वाला हर इंसान वॉलंटियरिंग कर सकता है। जैसे किसी बुजुर्ग की मदद करना, पार्क में पेड़-पौधे लगाना, स्कूल में किसी साथी को चोट लगने या बीमार होने पर उसका बैग उठाना, ऐसे सभी काम सहायता का सुंदर भाव ही तो हैं। अपने एरिया में साफ-सफाई करते लोगों का साथ देने से लेकर घर में काम करने वाले सहायकों का बेवजह काम ना बढ़ाना भी, सेवा करने जैसा ही है। बच्चो, सिंपैथी और साथ देने की यह सोच बहुत से लाइफ स्किल्स भी सिखाती है। किसी तरह की कठिनाई या जरूरत में दूसरों का सहयोग करना अपने जीवन को संभालना भी सिखाता है। औरों का जीवन सहज बनाने के लिए किया गया छोटे से छोटा काम जिंदगी का सुंदर पाठ पढ़ाता है। इसीलिए न केवल खुद किसी की मदद करने की सोच रखनी चाहिए बल्कि वॉलंटियर्स का खूब सम्मान भी करना चाहिए। बच्चो, तुम्हें ऐसे पॉजिटिव काम करते देखकर दूसरे साथी भी प्रोत्साहित होते हैं। दुनिया को बेहतर बनाने के लिए तुम जैसे नन्हे वॉलंटियर्स की भूमिका भी बहुत अहम है। *

इंटरनेशनल वॉलंटियर्स-डे

बच्चो, हर साल 5 दिसंबर को मनाया जाने वाला इंटरनेशनल वॉलंटियर्स-डे असल में प्यार, परवाह और साझे जीवन का ही संदेश लिए है। संयुक्त राष्ट्र महासभा द्वारा 1985 में शुरू किया गया यह खास दिन हर वर्ष एक विशेष संदेश देने वाले विषय यानी थीम को लेकर मनाया जाता है। साल 2025 में इंटरनेशनल वॉलंटियर्स-डे की थीम है 'हर योगदान मायने रखता है।' इस थीम का मैसेज भी यही है कि बिना स्वार्थ की गई सेवा का हर छोटा या बड़ा कदम मायने रखता है। जितना संभव हो हम सबको यह सेवाभाव रखना चाहिए। समय, सेवा, धन या मान-मनोबल को उन लोगों तक पहुंचाना चाहिए, जो किसी तरह की परेशानी में हैं। इंटरनेशनल वॉलंटियर्स-डे उन्हीं को अपनी इच्छा से औरों के लिए हेल्पफुल बनने का संदेश भी देता है। साथ ही यह दिन दुनिया भर में उन लोगों को धन्यवाद देने का मौका भी है, जो अपना अनमोल वक्त स्वैच्छिक सेवा देने में लगाते हैं। सही मायने में मदद करने की भावनाओं को धरातल पर उतारते हैं। अपने आस-पास देखोगे तो तुम्हें भी ऐसे बहुत से संवेदनशील लोग मिल जाएंगे, जो किसी का सहयोग करने में आगे रहते हैं। बच्चो, इस वर्ष इंटरनेशनल वॉलंटियर्स-डे की थीम 'एवरी कॉन्ट्रिब्यूशन मैटर्स' को याद रखते हुए तुम भी सहजता से किसी जरूरतमंद के लिए जो कुछ किया जा सके, वह जरूर करो।

बच्चो, अपने देश में एक ऐसी जगह है, जो 'मिनी स्विटजरलैंड' के नाम से दुनिया भर में मशहूर है। यहां की प्राकृतिक सुंदरता, मनोरम घाटियों, झीलों और हरे-भरे चरागाहों को देखने देश-दुनिया से पर्यटक आते हैं। जानो, भारत के 'मिनी स्विटजरलैंड' खज्जियार के बारे में।

भारत का मिनी स्विटजरलैंड खज्जियार

अमेजिंग प्लेस

नयनतारा

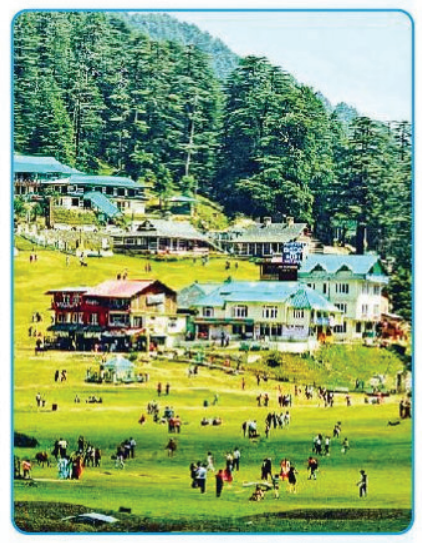

बच्चो, अपने देश में प्राकृतिक सुंदरता और विविधता की भरमार है। यहां हिमालय की बर्फीली चोटियों से लेकर धूप में खिलते समुद्री तटों तक कई मोहक नजारे देखे जा सकते हैं। हमारे देश के कुछ स्थानों की तुलना अकसर विश्वविख्यात अंतराष्ट्रीय डेस्टिनेशंस से भी की जाती है। भारत में एक जगह ऐसी भी है, जिसकी तुलना स्विटजरलैंड देश से की जाती है, इसे 'मिनी स्विटजरलैंड' भी कहा जाता है। इसका नाम है-खज्जियार।

स्विटजरलैंड जैसा खूबसूरत: हिमाचल प्रदेश के चंबा जिले में, डलहौजी से लगभग 24 किमी दूर धौलाधार पर्वत श्रृंखला के नीचे स्थित है खज्जियार। यहां दूर तक फैले हुए हरे घास के मैदान, विशाल पहाड़, गहरी घाटियां, क्रिस्टल की तरह साफ झीलें और हर तरफ प्राकृतिक सुंदरता छाई रहती है। किसी खूबसूरत पेंटिंग जैसा सुंदर दिखने वाला यह मनोरम स्थल कई मायने में यूरोपीय देश स्विटजरलैंड जैसा है।

'मिनी स्विटजरलैंड' नाम कैसे-कब पड़ा: बच्चो, खज्जियार को यूं ही मिनी स्विटजरलैंड नहीं कहा जाता, बल्कि आधिकारिक रूप से इसे यह नाम दिया गया है। दरअसल, भारत में स्विटजरलैंड के तत्कालीन राजदूत विल्ली पी. ब्लेजर ने 7 जुलाई 1992 को खज्जियार को आधिकारिक तौर पर विश्व के उन 160 स्थानों में शामिल किया, जो 'मिनी स्विटजरलैंड' कहे जाते हैं। उन्होंने खज्जियार में एक साइनबोर्ड भी लगवाया, जिसमें स्विस राजधानी बर्न से खज्जियार की दूरी 6,194 किमी दर्शाई गई है। मतलब यह कि स्विस सरकार भी खज्जियार को आधिकारिक तौर पर मिनी स्विटजरलैंड मानती है। यह बात स्विटजरलैंड की राजधानी बर्न में स्विस संसद के पास एक शिलालेख पर भी दर्ज है।

प्राकृतिक आपदाओं का रहता है खतरा: खज्जियार की गिनती निश्चित तौर पर भारत ही नहीं बल्कि दुनिया के सबसे खूबसूरत स्थानों में होती है। लेकिन यहां भूकंप एवं अन्य प्राकृतिक आपदाओं का खतरा बना रहता है। यह स्थान समुद्र तल से लगभग 1,920 मी. या 6,300 फीट की ऊंचाई पर स्थित है, जो इसके क्लाइमेट और वनस्पति जगत को प्रभावित करता है। खज्जियार को भूकंप जोन 5 के अंतर्गत रखा गया है, जिसका अर्थ है कि यहां अधिक तीव्रता के भूकंप का खतरा बना रहता है। *

कविता / दिनेश विजयवर्गीय

सर्दी की धूप

रेशम-सी मुलायम लगती
सर्दी की अलसाई धूप।
देर से आकर जल्दी जाती
भागम-भाग मचाती धूप।
बूढ़े-बच्चे धूप सेंकते
तन को बहुत सुहाती धूप।
दादा जी पढ़ते अखबार
जब आ जाती छत पर धूप।
धुंध कोहरा जब छा जाता
नजर न आती सोनल धूप।
शीत लहर के आतंक से
बेबस-सी हो जाती धूप।
सरसों के पीले खेतों में
गीत खुशी के गाती धूप।

हंसगुल्ले

हिंदी टीचर : 'दांत खट्टे करना' मुहावरे का वाक्य में प्रयोग करो।
आनंद : मैंने रोहन को इमली खिलाकर उसके दांत खट्टे कर दिए।
-तुषार, रायपुर

टीचर : तुम 18वीं सदी के वैज्ञानिकों के बारे में क्या जानते हो?
रोहन : सर, यही कि वे सब अब इस दुनिया में नहीं हैं।
-केशव, बिलासपुर

पापा (सौरभ से) : अगर तुम महान काम करोगे, तो तुम्हारा नाम अमर हो जाएगा।
सौरभ : लेकिन पापा, मेरे पुराने नाम का क्या होगा?
-सुमन, भोपाल

जीके क्विज-182

1. हाल ही में पीएम मोदी ने किस सिख गुरु के सम्मान में एक विशेष सिक्का और स्मारक डाक टिकट जारी किए?
2. बैडमिंटन में ऑस्ट्रेलियन ओपन 2025 पुरुष एकल का खिताब किसने जीता है?
3. बिहार के वर्तमान राज्यपाल कौन हैं?
4. केरल की राजधानी कहां है?
5. 'मधुशाला' किस लेखक की प्रसिद्ध रचना है?
6. एलपीजी सिलिंडर में मुख्य रूप से कौन-सी गैस भरी होती है?
7. किस विटामिन को सोलर विटामिन कहा जाता है?
8. काठमांडू किस देश की राजधानी है?
9. कंगारू किस देश में पाया जाता है?
10. विश्व का सबसे बड़ा मरुस्थल कौन-सा है?

बच्चों, जीके क्विज-182 का उत्तर बालभूमि के अगले अंक में प्रकाशित किया जाएगा। सही जवाब देने वाले बच्चों के नाम भी प्रकाशित किए जाएंगे।

जीके क्विज-181 का उत्तर : 1.मीनाक्षी हूडा, 2.फातिमा बॉश, 3.फिलीपींस, 4.तैराकी, 5.हरा, 6. एंटनी वान ल्यूवेनहॉक, 7.सिक्किम, 8.जयप्रकाश नारायण, 9.न्यूटन, 10.इंदिरा प्वॉइंट

जीके क्विज-181 का सही उत्तर देने वाले : कबीर-हिसार, ओमदेव-मुंगेली, शुभम-बलौदा बाजार, गुंजा-रायपुर, सूरज-रायपुर, कोमल-दुर्ग, साकेत-बिलासपुर, अंकित-रोहतक, अंश-भोपाल, शेखर-महासमुंद, हर्ष-बालोद

कहानी

अखिलेश श्रीवास्तव चमन

बंटी बेवकूफ है!

बंटी ने जब-जब किसी के साथ गलत-बुरा होते देखा, उसने उसकी मदद करनी चाही। लेकिन पापा ने उसे यह कहकर रोका, 'काहे दूसरों के मामले में अपनी टांग अड़ाते हो, यह बेवकूफी है।' फिर भी बंटी ने दूसरों की मदद करना नहीं छोड़ा। एक दिन तो बंटी की बुरी तरह पिटाई हो गई। क्या इसके बाद बंटी ने लोगों की मदद करना छोड़ दिया?

पा...पापा वो देखो।' बालकनी में खड़े बंटी ने तेज आवाज में कहा और सीढ़ियों की तरफ दौड़ पड़ा। कमरे में बैठे पापा बालकनी में आए, देखा कि सामने सड़क पर एक लड़का गिरा पड़ा था, तीन लड़के उसकी पिटाई कर रहे थे।

'अरे बंटी! रुक...रुक...रुक बेटा!' आवाज देते पापा बंटी के पीछे दौड़े। सीढ़ियों से उतर कर बंटी घर से बाहर निकलने ही वाला था कि पापा ने उसकी बांह पकड़ ली। पापा ने डांटते हुए पूछा, 'तू कहां जा रहा है?'

'उस भैया की मदद करने। देखा नहीं आपने, तीन लड़के अकेले भैया की कैसी पिटाई कर रहे हैं?' बंटी अपनी बांह छुड़ाने की कोशिश करते हुए बोला।

'तुमसे क्या मतलब? चल अंदर..' पापा ने गुस्से में कहा और दरवाजा बंद कर बंटी को ऊपर खींच लाए। बंटी मन मसोस कर रह गया।

ऐसे ही एक दिन बंटी अपने पापा के साथ स्कूटर पर बाजार जा रहा था। रास्ते में उसके बगल से एक मोटर साइकिल निकली, जिस पर दो नौजवान लड़के बैठे हुए थे। अचानक मोटर साइकिल सड़क के किनारे पैदल जा रही एक महिला के बगल में रुकी और पीछे बैठे लड़के ने झपट्टा मार कर उस महिला के गले से चेन खींच ली।

महिला सड़क पर गिर गई। वह चिल्लाती रही और मोटर साइकिल सवार लड़के तेजी से भाग गए।

'पापा...वो देखो उस मोटर साइकिल पर जा रहे लड़के आंटी के गले से चेन खींच कर भाग गए। आंटी जमीन पर गिर गई हैं।' बंटी ने पापा से कहा।

'तू चुप कर...' पापा ने कहा और स्कूटर की स्पीड तेज कर दी।

'पापा...मैंने मोटर साइकिल का नंबर पढ़ लिया है। उसके आखिर में बी. एन. सिक्स थ्री नाइन टू लिखा था। हमें पुलिस को बता देना चाहिए।' बंटी बोला।

'तुमने कुछ नहीं देखा है। बस अपने काम से काम रखा करो। और सुनो, किसी से यह कहने की जरूरत नहीं कि तुमने मोटर साइकिल का नंबर देखा था।' पापा बोले।

'आखिर क्यों पापा? पुलिस को बता देने से शायद बदमाश पकड़ लिए जाएं, आंटी की चेन मिल जाए।' बंटी बोला। 'बेवकूफी की बात मत कर। मैं जितना कह रहा हूं, बस उतना ही सुना।' पापा ने जोर से डांटा। बंटी अपना मन मारकर बैठ गया।

उस दिन स्कूल में छुट्टी के बाद कक्षा सात और कक्षा आठ की क्रिकेट टीमों के बीच मैच था। अपनी कक्षा सात की टीम का एक खिलाड़ी बंटी भी था। मैच खत्म होने के बाद स्कूल से लौटने में देर हो गई थी। शाम का हल्का अंधेरा हो गया था। रास्ते में अचानक एक सुनसान गली से किसी लड़की के चीखने की आवाज सुनाई पड़ी। बंटी ने रुक कर इधर-उधर देखा, सामने दो बदमाश लड़के एक लड़की का रास्ता रोके खड़े थे। एक लड़के ने लड़की का हाथ पकड़ रखा था। लड़की रो रही थी। वह बार-बार 'प्लीज मुझे छोड़ दीजिए...प्लीज मुझे जाने दीजिए..' बोल रही थी, लेकिन वे बदमाश लड़के उसको जाने नहीं दे रहे थे।

सड़क पर जा रहे लोग लड़की की आवाज सुन कर गली की तरफ एक नजर देखते थे और आगे बढ़ जाते थे। किसी ने भी बचाने की कोशिश नहीं की। बंटी से रहा नहीं गया। वह तेजी से बदमाश लड़कों की ओर बढ़ा और अपना बैट पीछे से एक बदमाश के कंधे पर पूरी ताकत से दे मारा। इस अचानक हुए हमले से बदमाश घबरा गए। वे लड़की को छोड़ बंटी से भिड़ गए। इतने में लड़की को मौका मिल गया। वह भाग कर सड़क पर आई और 'बचाओ...बचाओ...बचाओ' चिल्लाने लगी। जब तक लोग जुटे तब तक वे बदमाश लड़के बंटी को पीटकर वहां से भाग गए थे। खबर मिली तो बंटी के पापा-मम्मी भागे-भागे वहां पहुंचे। उसे तुरंत घर ले आए फिर फर्स्ट एड करने के बाद पापा ने बंटी से कहा, 'बार-बार समझाता है मैंने, दूसरों के टंटे में मत पड़ा करो, लेकिन तुम सुनते ही नहीं। तुम्हें ऐसी बेवकूफी करने की क्या जरूरत थी, जो लड़की को बचाने चले गए। तुम क्या शक्तिमान हो?' मम्मी भी बोलीं, 'बंटी, तुम इस तरह की बेवकूफी क्यों करते हो, जो दूसरों की वजह से पिटे।'

लेकिन बंटी को अपनी बेवकूफी पर कोई पश्चाताप नहीं था। वह मन ही मन सोच रहा था, किसी के साथ कुछ बुरा हो रहा हो तो उसकी मदद करना, विरोध करना कैसे बेवकूफी कही जाएगी? इस तरह लोग चुप रहेंगे तो बदमाशों का चारों तरफ बोलबाला हो जाएगा। सभी को मिलकर इसका विरोध करना चाहिए। *

छोटी कहानी / मुग्धा

आलस्य का त्याग

एक चील थी। उसके दो नन्हे-नन्हे बच्चे थे। बच्चों के पंख आने में अभी काफी समय था, लेकिन वे अपनी मां से बाहर घुमाने की जिद करते। मां उन्हें अपनी पीठ पर बैठाकर घुमा देती थी। असल में चील अपने बच्चों से बहुत प्यार करती थी। उनकी सभी इच्छाएं पूरी करती थी। बच्चों को सब कुछ बैठे-बिठाए मिल जाने की वजह से वे बच्चे आलसी हो गए। यहां तक कि वे खुद उड़ने से कतराने लगे। चील ने कितना समझाया कि वे उड़ना सीखें, जरूरी है। लेकिन आलसी बच्चे उड़ने की जरा-सी भी कोशिश नहीं करते। चील अपने बच्चों के इस आलसीपन से बहुत दुखी थी।

एक दिन सुबह-सुबह चील ने बच्चों को अपनी पीठ पर बैठाकर ऊंची उड़ान भरी। ऊंचाई पर पहुंचकर चील ने पीठ पर बैठे दोनों बच्चों को गिरा दिया। वे करते तो क्या करते, मजबूरी में दोनों बच्चों ने अपने पंख फड़फड़ाना शुरू कर दिए, वे किसी तरह उड़े। जैसे-तैसे उन बच्चों ने अपनी जान बचाई। वापस आकर दोनों बच्चे अपनी मां पर बिगड़े, बोले, 'मां, आज तो आपने हमें मरवा ही दिया था। अगर हमने कोशिश कर अपने यह पंख न फड़फड़ाए होते, तो सोचो हमारे साथ क्या हो जाता?' चील ने हंसकर अपने बच्चों से कहा, 'जो लोग अपने आप नहीं सीखते हैं, आलस्य नहीं छोड़ते हैं, उन्हें सिखाने का यही नियम है। बच्चो, हमारी पहचान ऊंची उड़ान से है, यही हमारी विशेषता है। इसे बढ़ाने के लिए हमें निरंतर अभ्यास करते रहना चाहिए।' चील के बच्चों को अपनी मां की बातें समझ आ गईं। इसके बाद उन्होंने आलस्य छोड़कर उड़ना शुरू कर दिया। लगातार अभ्यास से वे भी काफी ऊंचाई पर उड़ने लगे। अब वह उड़ने के लिए अपनी मां पर निर्भर नहीं थे। *

अंतर बताओ

बच्चो, यहां रेंडियर के साथ खड़ी लड़की के दो चित्र दिए गए हैं। एक जैसे दिख रहे इन चित्रों में छह अंतर हैं। तुम्हें पांच मिनट में ये छह अंतर खोजने हैं। तो देर किस बात की, फटाफट सभी छह अंतर खोजो।

उत्तर: 1 लड़की के मफलर के आगे लटक रहे हिस्से में एक फोल्ड अधिक खुला हुआ है। 2 लड़की की बाईं चोटी में रेड की बजाय व्हाइट हेयर-बैंड लगा हुआ है। 3 लड़की के बाएं हाथ में पहने मफ में अंगूठा नहीं दिख रहा है। 4 रेंडियर की बाईं हॉर्न (सींग) में तीन ब्रांच है। 5 रेंडियर की पूंछ के ठीक ऊपर एक स्टार दिखाई दे रहा है। 6 रेंडियर के पिछले दाएं पैर में खुर (खुर) नहीं है।

तुम्हारे लिए नई किताब / चंद्रप्रकाश

अपनों से बिछड़े अली की कहानी

बड़े और पूरे-पूरे पृष्ठों पर फैले हुए चित्रों वाली एक कहानी की किताब है-मैं अली। मूल रूप से अंग्रेजी में लिखी गई इस कहानी की किताब का हिंदी अनुवाद अभी छपकर आया है। देश की सीमा पर बसे एक छोटे से गांव की इस कहानी में एक परिवार की बात है। एक बार युद्ध होता है। इससे अफरा-तफरी मच जाती है। इसका परिणाम यह होता है कि उस परिवार का गांव नदी के आर-पार दो हिस्सों में बंट जाता है। परिवार के जो लोग अपने मवेशी चराने जंगल की तरफ जाते हैं, वह एक अलग देश बन जाता है। एक हिस्से में रहने वाले लोगों को दूसरे हिस्से में आने-जाने पर प्रतिबंध लगा दिया जाता है। इस वजह से परिवार का एक बच्चा अली, अपने मां, पिता और बहन से बिछड़कर एक बुजुर्ग के पास रह जाता है। यह बच्चा बड़े होने पर जब यह सब जानता है, तब क्या सोचता है और उसके मन में कैसी बातें आती हैं, यह इस किताब में पढ़ा जा सकता है। यह किताब युद्ध और उससे होने वाले बंटवारे से उपजी तकलीफों को प्रकट करती है। *

किताब : मैं-अली, **लेखन :** सुजाता पद्मनाभन, **अनुवाद :** विनता विश्वनाथन, **मूल्य :** 70 रुपए, **प्रकाशक :** एकलव्य फाउंडेशन, भोपाल